ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दक्षिण कन्नड़, उडुपी जिलों में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 16 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-165

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को फ्रांस का समर्थन

विदेश मंत्री ने सराहा, कई अहम मुद्दों पर हुई बात

दोनों पक्ष होरिजोन 2047 रोडमैप को लागू करने पर भी सहमत हुए

पेरिस, 15 जून (एजेंसियां)।

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने फ्रांस दौरे पर फ्रांस के राष्ट्रपति से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में फ्रांस के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। अपने दौरे पर विदेश मंत्री ने भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि भी की। विदेश मंत्री 11-14 जून तक फ्रांस दौरे पर रहे।

विदेश मंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। इस मुलाकात में विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का संदेश राष्ट्रपति मैक्रों को दिया, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में फ्रांस के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया गया था। दोनों पक्ष होरिजोन 2047 रोडमैप को लागू करने पर भी सहमत हुए। साथ ही रक्षा उद्योग को लेकर भी सहमति बनी। बयान में कहा गया कि भारत-फ्रांस के रिश्तों में अब विश्वास, साझा महत्वकांक्षाएं दिखाई देती हैं। विदेश मंत्री ने फ्रांस के विदेश मंत्री नोएल बैरट से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात में भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी में आई तेजी को सराहा गया।

भारत, फ्रांस के साथ रक्षा, अंतरिक्ष, आतंकवाद निरोधी अभियान और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग कर रहा है। दोनों देशों में तकनीक, इनोवेशन, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, जीवन विज्ञान, शिक्षा, म्यूजियम सहयोग और लोगों के लोगों से रिश्ते मजबूत करने पर ध्यान दिया जा रहा है। दोनों देशों के नेताओं की बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों जैसे हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों पर भी बात हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने मार्शिले में आयोजित हुए भूमध्य सागर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लिया और कार्यक्रम को संबोधित भी किया। विदेश मंत्री ने फ्रांस में आर्मेनिया के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फ्रांस की अपनी चार दिवसीय यात्रा पूरी की। साथ ही पेरिस में रणनीतिक मामलों से जुड़े विशेषज्ञों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वैश्विक स्तर पर हो रहे संतुलन बदलाव, डेटा, तकनीक और ऊर्जा के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोप के बीच मजबूत साझेदारी की बड़ी संभावनाएं हैं। जयशंकर ने इस मुलाकात को सुखद अनुभव बताया और इसे दोनों पक्षों के बीच विचार-विमर्श और सहयोग को आगे बढ़ाने वाला बताया।जयशंकर ने पेरिस में फ्रांस की राष्ट्रीय पुस्तकालय का दौरा कर वहां मौजूद भारतीय पांडुलिपियों का अवलोकन किया और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने मार्से में आयोजित पहले मेडिटेरेनियन रईसिना डायलॉग में हिस्सा लिया और वैश्विक भू-राजनीतिक मुद्दों पर विचार साझा किए।जयशंकर ने कहा कि यह दौरा फ्रांस में इंडोलॉजी (भारतीय अध्ययन) की गहराई का परिचायक है। उन्होंने पुस्तकालय के अध्यक्ष गिल्स पेको से मुलाकात कर सांस्कृतिक विरासत संरक्षण में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरा

25 से ज्यादा लोगों के बहने की आशंका

मुंबई, 15 जून (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में पुणे जिले के मावल तालुका स्थित कुंडमाला क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में इंद्रायणी नदी पर बने पुल का आधा हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया, जिससे उस वक्त पुल पर खड़े कई लोग नदी में गिर गए। घटना के समय मौके पर भारी भीड़ थी और शुरुआती जानकारी के मुताबिक 20 से 25 लोग लापता हैं और उनके नदी में बहने की आशंका जताई जा रही है।

आधिकारिक तौर पर इस घटना में पांच लोगों के मरने की पुष्टि की गयी है जबकि कई के बहने की आशंका जताई गई है। वहीं रेस्क्यू टीम ने पांच से छह लोगों को बचाया है। बताया जाता है कि यह दुर्घटना रविवार अपराह्न लगभग 3:40 बजे की है। जब पुल का एक हिस्सा टूटा, तो कुछ लोग नीचे मौजूद पत्थरों पर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। वहीं कई लोग सीधे नदी की तेज धारा में बह गए। नदी में बहाव काफी तेज होने के कारण राहत कार्य में भी दिक्कतें आ रही हैं। ये वही पुल था जिससे कुंडमाला क्षेत्र को पार किया जाता था। पिंपरी-चिंचवड़

पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आने वाली तलेगांव दाभाड़े पुलिस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों को भी राहत और बचाव कार्य के लिए बुलाया गया है। रविवार को छुट्टी होने की वजह से बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक कुंडमाला क्षेत्र घूमने आए थे। कुछ लोग उस समय पुल पर खड़े होकर फोटो ले रहे थे और दृश्य का आनंद ले रहे थे, ▶10पर

हैदराबाद के 5 श्रद्धालु गोदावरी नदी में डूबे, मौत

निर्मल (तेलंगाना), 15 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के पांच श्रद्धालु रविवार को मंदिर नगर बसर में गोदावरी नदी में पवित्र स्नान करते समय डूब गए। श्रद्धालुओं के शव नदी से बरामद कर लिए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि श्रद्धालुओं की पहचान हैदराबाद के दिलसुखनगर के चिंतलबाजार निवासी राकेश (17), विनोद (18), मदन (18), रूत्विक और भरत (24) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार रविवार को तेलंगाना के निर्मल जिले में गोदावरी नदी में पांच युवक डूब गए। यह घटना मंदिर नगर बासर में हुई, जब वे पवित्र स्नान के लिए नदी में गए थे। मृतक एक ही परिवार के थे और हैदराबाद के निवासी थे। मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले इस परिवार के कुल 18 सदस्य सरस्वती मंदिर में दर्शन और नदी में पवित्र स्नान के लिए बासर गए थे। मंदिर में दर्शन से पहले वे अनुष्ठान के लिए नदी में गए थे। युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ▶10पर

अहमदाबाद प्लेन हादसा

विजय रूपाणी के शव की पहचान हुई

राजकोट में आज होगा अंतिम संस्कार

अब तक 31 शवों की शिनाख्त, 22 परिजन को सौंपे गए

अहमदाबाद, 15 जून (एजेंसियां)।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व सी एम विजय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए मैच हो गया। परिवार के मुताबिक, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 230 परिवारों से अबतक संपर्क किया जा चुका है। आज सुबह तक 248 शवों के डीएनए सैंपल लिए गए। इनमें से 31 की शिनाख्त हो गई है, 22 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए।एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं। हादसे में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों में से 11 के परिजन आज अहमदाबाद पहुंच सकते हैं। ▶10पर

अमेरिकी नेवी के पूर्व पायलट ने किया खुलासा

अहमदाबाद प्लेन क्रैश RAT की वजह से हुआ!

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)।

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार (12 जून, 2025) को एयर इंडिया का बोइंग-787 जहाज उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद क्रैश हो गया था। इसकी जांच के लिए केंद्र सरकार ने एक पैनल गठित किया है, जो 3 महीन के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। वहीं अमेरिकी नेवी के पूर्व पायलट और जाने माने नेविगेशन एक्सपर्ट कैप्टन स्टीव ने प्लेन क्रैश के वीडियो के विश्लेषण करते हुए इसमें RAT (ram air turbine) एक्टिवेशन की बात कही है। उन्होंने प्लेन क्रैश के 3 संभावित कारण बताए हैं। ▶10पर

मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में साइप्रस पहुंचे

साइप्रस, 15 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में आज साइप्रस पहुंचे जहां राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स ने स्वयं हवाई अड्डे पर श्री मोदी का स्वागत किया।

श्री मोदी का विशेष विमान भारतीय समयानुसार करीब पांच बजे साइप्रस के लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा जहां उनकी अगवानी के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स मौजूद थे। हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद थे।

साइप्रस के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर श्री मोदी 15-16 जून को यहां की आधिकारिक यात्रा पर आए हैं।

श्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, साइप्रस में पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष भाव के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स को मेरा आभार व्यक्त किया है। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, साझा मूल्यों और आकांक्षाओं से युक्त एक विश्वसनीय साझीदारी। ▶10पर

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सात लोगों की मौत

रूद्रप्रयाग/देहरादून, 15 जून (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में रविवार को एक हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पायलट सहित उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गयी।

हेलीकाप्टर बाबा केदारनाथ के दर्शन करा कर पांच श्रद्धालुओं और मंदिर समिति के एक कर्मचारी को वापस ला रहा था कि मौसम खराब होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे पायलट सहित उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 23 महीने की बच्ची भी है। श्रद्धालु परिवार महाराष्ट्र के निवासी थे।

हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि आज सुबह करीब सुबह 5.30 बजे आर्यन एविएशन कंपनी का हेलिकॉप्टर वीटीबीकेए/बीईएलएल 407 गौरीकुंड क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क से ऊपर जंगल में गिरा है। दुर्घटना की वजह खराब मौसम है। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा था। गौरीकुंड के ऊपर घास काट रही नेपाली मूल की महिलाओं ने इसके दुर्घटनाग्रस्त होने और गुबार उठने की सूचना दी थी। रूद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर केदारनाथ से प्रातः 5:21 बजे गुप्तकाशी के लिए रवाना हुआ था एवं 5:24 बजे इसे वेली प्वाइंट के पास देखा गया। उस समय क्षेत्र में अत्यधिक कोहरा था जिससे दृश्यता शून्य हो गई थी। 6:13 बजे हेलीकॉप्टर के गुप्तकाशी न पहुँचने की जानकारी हेलीकॉप्टर कंपनी द्वारा दी गई। इसके पश्चात तत्काल कार्रवाई करते हुए खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि तत्पश्चात आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों को सक्रिय किया गया। जिसमें जिला आपदा मोचन बल की टीम के साथ एसडीआरएफ की छह टीमें, एनडीआरएफ की आठ टीम और 22 पुलिसकर्मी शामिल थे। ये सभी राहत एवं बचाव दल घटनास्थल गौरीकुंड से लगभग पांच किलोमीटर ऊपर स्थित गौरी में खड़क नामक ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,118.60
-573.38 -0.70% ↓
एनएसई :24,718.60
-169.60 (-0.68%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 21^0

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पटरी पर लौट रहा टूरिज्म

पहलगाम, 15 जून (एजेंसियां)।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के करीब दो महीने बाद पर्यटन कारोबार धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और ईद की छुट्टियों के बाद स्थानीय लोगों और पंजाब से कुछ लोगों ने चरवाहों की घाटी में आना शुरू कर दिया है। ईद के तीसरे दिन घाटी के अन्य भागों से बड़ी संख्या में कश्मीरी पहलगाम पहुंचे, जिससे यहां पर्यटन व्यापार से जुड़े लोग काफी खुशी हैं। यह पर्यटन स्थल श्रीनगर से 100 किलोमीटर दूर है।

श्रीनगर के एक युवा नबील भट ने बताया, हम हर साल पहलगाम जाते रहे हैं, भले ही वहां पर्यटकों की भीड़ हो या नहीं। इस साल भी कुछ अलग नहीं था। हालांकि, इस बार हमारा ज्यादा सत्कार किया गया।भट पहलगाम के स्थानीय लोगों द्वारा पर्यटकों पर दिए जाने वाले विशेष ध्यान तथा अधिकांश सेवाओं की बेहद कम कीमतों का उल्लेख कर रहे थे।यहां से छह किलोमीटर दूर बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में पर्यटन गतिविधियां थम गयी थीं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय सेवा प्रदाता शामिल था। ▶10पर

ऑस्ट्रेलिया में पुलिस अधिकारी ने घुटने से दबा कर मार डाला भारतीय नागरिक को!

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया में पुलिस के एक अधिकारी द्वारा गिरफ्तार करने का प्रयास करते समय गर्दन को कथित तौर पर घुटने से दबाने की वजह से लगी चोट के बाद अस्पताल में भर्ती 42 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत हो गई। रविवार को जारी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। 'सेवेनन्यूज ऑस्ट्रेलिया' की खबर के अनुसार, एडिलेड के मोडबरी नॉर्थ में रहने वाले गौरव कुंदी की बृहस्पतिवार को मौत हो गई। कुंदी को कुछ दिन पहले दिमागी चोट के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिसकर्मी ने रॉयस्टन पार्क में पेनहैम रोड पर कुंदी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया था। पुलिसकर्मी ने आरोप लगाया था कि उसने कुंदी और एक महिला के बीच 'झगड़ा' होते हुए देखा था। घटना से जुड़े एक वीडियो में पुलिसकर्मी को कुंदी से साथ जबरदस्ती करते हुए

देखा जा सकता है जबकि वह और उनकी पत्नी अमृतपाल कौर पुलिस की इस हरकत का चीख-चीखकर विरोध कर रहे थे। कुंदी चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे थे, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। वहीं कौर इस पूरी घटना का वीडियो बना रही थीं और बोल रही थीं कि पुलिस अनुचित तरीके से कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तारी के प्रयास के दौरान कुंदी की हालत बिगड़ने और 'बेसुध' होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मुख्यमंत्री ने 440.63 करोड़ के स्वास्थ्य नवाचार कार्यों का किया शुभारंभ

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि सरकार कर्नाटक के समग्र विकास के साथ-साथ पिछड़े कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. डीएम. नंजुंडप्पा की रिपोर्ट प्रस्तुत किए दो दशक बीत चुके हैं। इस पिछड़े क्षेत्र में अब तक हासिल किए गए विकास के आधार पर एक नया सूचकांक स्थापित करने के लिए, आने वाले दिनों में इस क्षेत्र के लिए विशेष अनुदान जारी रहेगा। इसके लिए अर्थशास्त्री गोविंदराव की अध्यक्षता में समिति गठित किया गया है। वे शनिवार को यादगीर में जिला प्रशासन, जिला पंचायत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग और कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा आयोजित स्वास्थ्य नवाचार कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के 7 जिलों में 440.63 करोड़ रुपये की लागत से स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखने के बाद बोल रहे थे। कल्याण राज्य सरकार कर्नाटक

क्षेत्र में उच्च मातृ और शिशु मृत्यु दर, बाल एनीमिया को खत्म करने और क्षेत्र में स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कलबुर्गी कैबिनेट बैठक में 857 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य नवाचार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसका यहां शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को इस क्षेत्र में हमारे गरीब लोगों को सिटी स्कैन, एमआरआई आदि जैसी सेवाएं प्रदान करने के लिए बदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केकेआरडीबी बोर्ड के अध्यक्ष को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और लोगों के कल्याण पर समान राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया है। पिछले 3 वर्षों में हमारी सरकार ने बोर्ड को 13,000 करोड़ रुपये दिए हैं। 2023 के चुनावों में किए गए 593 वादों में से, हमारी सरकार ने 242 वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर, पंच गारंटी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इस पर अब तक 90 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार पंच गारंटी के अलावा शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, सड़क, रोजगार सृजन जैसे काम कर रही है। स्थानीय विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर के अनुरोध पर, अगले तीन वर्षों में चरणबद्ध तरीके से यादगीर शहर में एक जल निकासी प्रणाली लागू की जाएगी और शहर के निवासियों को अच्छा नागरिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर, दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी कोल्लूर मल्लप्पा के स्मारक के निर्माण के लिए सरकार द्वारा 2 एकड़ भूमि मुफ्त आवंटित करने का आदेश कोल्लूर मेमोरियल ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सौंपा गया। सीएम ने जिला प्रभारी मंत्री शरणबसप्पा दर्शनापुर को अगले एक साल के भीतर स्मारक का निर्माण करने का निर्देश दिया। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के कलबुर्गी, यादगीर, बीदर, रायचूर और कोप्पल जिलों में कुल 411.88 करोड़ रुपये की लागत के 41 स्वास्थ्य कार्यों का शुभारंभ किया गया है। इसमें से यादगीर जिले को 9 काम के लिए 55.80 करोड रुपए आवंटित किया गया है। कुल राशि में से केकेआरडीबी बोर्ड ने 208.94 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास जारी है।

खुशियों की थाली के अंतर्गत अन्नदानम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने शनिवार को मासिक कार्यक्रम खुशियों की थाली के अंतर्गत अन्नदान सेवा का आयोजन किया। यह कार्यक्रम मित्तल इन्फ्रा स्टील के परिसर, अंद्रहल्ली मेन रोड में आयोजित किया गया।

यह हाल ही में अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के पीड़ितों को समर्पित था, जिसमें सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवाई। कार्यक्रम की शुरुआत एक श्रद्धांजलि सभा से हुई, जहां सभी उपस्थितजनों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात मंच द्वारा अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय प्रकल्प आनंद सब के लिए के अंतर्गत जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक मध्यान भोजन वितरित किया गया।

यह सेवा न केवल भूख मिटाने का प्रयास थी, बल्कि इसके माध्यम से मानवता, संवेदनशीलता और सेवा का भी संदेश समाज तक पहुँचाया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक अशोक अग्रवाल और आशु मित्तल थे, तथा आयोजन के संयोजक रूपेश केडिया थे, जिन्होंने पूरे आयोजन को सफलता तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच के पदाधिकारियों में अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, सचिव सन्नी जैन और कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी एवं वरिष्ठ सदस्यों पंकज जालान और पवन राजलीवाल ने भी इस सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल एवं गौरव शर्मा ने भी मंच की ओर से पूरा सहयोग दिया। साथ ही सोनू शर्मा, तनुज टेकरीवाल, अमित मोदी, अरुण शर्मा, विशाल धानुका, पुनीत राठी, निखिल अग्रवाल और वैभव केडिया जैसे ऊर्जावान सदस्यों की उपस्थिति और सेवा भी अत्यंत प्रशंसनीय रही। यह आयोजन मारवाड़ी युवा मंच की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें हर दुख की घड़ी में सेवा को धर्म और मानवता को सर्वोपरि माना जाता है।

सकलेशपुर तालुक में एक शावक समेत दो हाथी मृत पाए गए

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
हासन जिले के सकलेशपुर तालुक में गुड्डबेट्टा के पास एक एस्टेट में एक शावक समेत दो जंगली हाथी बिजली की चपेट में आकर मर गए। हाथी कथित तौर पर टूटे हुए तार के संपर्क में आए और उनकी मौत हो गई। ऐसा संदेह है कि इलाके में भारी बारिश के बाद बिजली का तार काटा गया था। स्थानीय वन अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे। हासन जिले के सकलेशपुर, अलूर, बेलूर और अरकलगुड के कुछ हिस्सों में

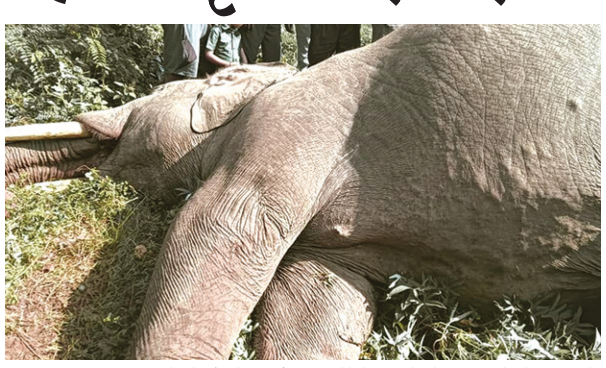

अलग-अलग समूहों में फैले कई हाथी घूम रहे हैं। जिले में अक्सर मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं सामने आती रही हैं। पिछले 10 वर्षों में जिले में हाथियों के हमलों में लगभग 100 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी तरह, कई हाथियों की भी मौत हो चुकी है।

अशोक ने सीएम से आपातकालीन सत्र बुलाने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से विधानसभा का आपातकालीन सत्र बुलाने का आग्रह किया है, ताकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के जीत के जश्न के दौरान शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ पर चर्चा की जा सके। इस संबंध में सिद्धरामैया को दो पन्नों का पत्र लिखने वाले अशोक ने कहा कि 4 जून को आरसीबी के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत और 75 के घायल होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने राज्य को झकझोर कर रख

दिया है। उन्होंने संदेह जताया कि इस घटना ने सार्वजनिक सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और राज्य में खेल व अन्य कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले ने लोगों में काफी चिंता पैदा कर दी है। घटना को लेकर प्रशासन की खामियां, घटना के बाद सरकार की कार्रवाई ने सार्वजनिक क्षेत्र में कई संदेह पैदा कर दिए हैं। भगदड़ का कारण बनने वाले शक्तिशाली लोगों को बचाया जा रहा है। सच्चाई को छिपाने के लिए तीन तरह की जांच की जा रही है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि सार्वजनिक क्षेत्र में चर्चा चल रही है कि इस मामले में असहाय अधिकारियों को पीड़ित किया गया है।

उन्होंने सत्र के दौरान भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं पर चर्चा करने की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया, जिसमें भगदड़ के कारणों की गहन जांच, सार्वजनिक कार्यक्रमों में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा उपायों को मजबूत करना, घायलों के लिए उचित उपचार और प्रभावित परिवारों को मुआवजा देना शामिल है। यह आपातकालीन सत्र राज्य के लोगों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाने और इस त्रासदी से सीखे गए सबक के आधार पर भविष्य के लिए उचित कदम उठाने में मदद करेगा। इसी तरह, राज्य के लोगों को घटना के कारणों के बारे में सूचित करने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर व्यापक चर्चा की आवश्यकता है। इस संबंध में, अशोक ने सीएम को एक पत्र में कर्नाटक विधानसभा का तीन दिवसीय आपातकालीन सत्र बुलाने की अपील की है।

रामकथा में धूमधाम से मना सीताराम विवाह सियाराम की जयकारों से गूंजा पंडाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति बेंगलूरु द्वारा शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन में आयोजित जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज की नौदिवसीय श्री राम कथा में शनिवार को सीताराम विवाहोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कथापंडाल सियाराम के जयकारों से गूंज उठा और उपस्थित श्रद्धालु श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास की त्रिवेणी में भावविभोर हो गए। कथाव्यास जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज ने यहाँ चल रही अपनी 1404वीं श्रीराम कथा के छठवें दिन सीता स्वयंवर के कथा प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए कहा कि ऋषि विश्वामित्र अयोध्या से चक्रवर्ती महाराज दशरथ के पुत्र श्रीराम और लक्ष्मण को साथ लेकर अपने आश्रम पहुँचते हैं। प्रभु श्री राम मार्ग में ऋषि गौतम की पत्नी अहिल्या का उद्धार करते हैं। ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में होने वाले यज्ञ की रक्षा करते हैं और यज्ञ में विघ्न डालने वाले राक्षसों का संहार करते हैं। एक दिन राम

और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा लेकर जनकपुर में पुष्प वाटिका में पुष्प लेने जाते हैं, जहाँ जनकनंदिनी सीता अपनी सखियों के साथ गौरी पूजन के लिए आई थीं। जहां जनकनंदिनी सीता को श्रीराम का प्रथम दर्शन होता है। उन्होंने कहा कि राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ महाराज जनक द्वारा जनकपुर में आयोजित सीता स्वयंवर में जाते हैं। स्वयंवर में आए राजाओं द्वारा धनुष भंग के प्रयास विफल होने पर निराश होकर ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा मिलने पर श्रीराम शिव धनुष को उठाकर उसकी प्रत्यंचा चढ़ाते हैं और महाराज जनक की प्रतिज्ञा पूरी होती है। जनकनंदिनी सीता सहर्ष श्रीराम का वरण करती हैं और पूरा जनकपुर हर्ष में निमग्न हो जाता है। महाराज जनक यह शुभ समाचार देने के लिए अपना दूत अयोध्या भेजते हैं। श्रीराम के विवाह की खबर मिलते ही महाराज दशरथ बारात लेकर जनकपुर पहुँचते हैं। जनकपुर में श्रीराम के साथ उनके तीनों भाईयों भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का विवाह जनकनंदिनी सीता की बहनों उर्मिला, मांडवी एवं श्रुतिकीर्ति के साथ संपन्न होता है। इस अवसर पर कथा से पूर्व कवि एवं मंच संचालक जनार्दन पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समस्त सनातन धर्मावलम्बियों से एकजुट होकर सनातन जनजागरण अभियान से जुड़ने, गौरक्षा एवं धर्म रक्षा तथा राष्ट्रहित में काम करने के लिए अपनी चेतना को जाग्रत रखने का आह्वान किया। कथाव्यास जगद्गुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण करते हुए गुरु चरणों की विरुदावलि की। मिथिलेश तिवारी, संजय शुक्ला, जोगिन्दर सिंह तथा मनोज पंडित ने सपरिवार पादुका पूजा की और मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ कथा पूजन में भाग लिया। आरती यजमानों द्वारा आरती की गयी। इस अवसर पर सह यजमान सुनील बजाज, राजु सुथार, पीवीआर इंडिया के प्रमुख अमित त्यागी, एएसपी मंजूनाथ, राम परिवार के उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सहसचिव राजू शुक्ला तथा एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सचिव संजय अग्रवाल सहित विभिन्न समाजों के अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने दी।

मैं मजबूत हूं, चिंता की कोई बात नहीं

भविष्य में जेडीएस-बीजेपी गठबंधन की सरकार बनेगी: एच.डी. कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि मैं स्वस्थ हूं और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। राज्य में जेडीएस-भाजपा गठबंधन की सरकार आएगी। यहां जे.पी. भवन में मिस्ड कॉल सदस्यता पंजीकरण अभियान शुरू करने के लिए आयोजित पार्टी सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा मेरे तीन हृदय शल्य चिकित्सा और दो स्ट्रोक हुए हैं। भगवान ने मुझे जीवन दिया है। मैं लोगों के लिए जीता हूं। मैं अपने माता-पिता के अच्छे कर्मों, उनके आशीर्वाद और देश की जनता के आशीर्वाद के कारण स्वस्थ हूं। मैं निर्भीक होकर कहता हूं कि इस बार जनता दल की सरकार आएगी। हमें भाजपा के साथ चलना चाहिए, हमें कोई गलती नहीं करनी चाहिए। हमें

विनम्रता से चलना चाहिए, आगे जो भी होगा वह भगवान की इच्छा होगी। मुख्यमंत्री कहते हैं कि जेडीएस खत्म हो गई है, हमारे साथ आओ। ऐसे प्रचार पर ध्यान न दें। यहां एकत्रित लोगों को देखकर, उन्हें आज जवाब मिल गया है। भाजपा-जेडीएस गठबंधन में कोई भ्रम नहीं है। सीटें जीतना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र को मजबूत करें, सब कुछ केंद्र में तय होगा। मैं अनिवार्य रूप से केंद्रीय मंत्री के रूप में गया हूं। पार्टी संगठन लचर है। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी पार्टी को बचाने और बढ़ाने के इरादे से लग गए हैं। मैंने पार्टी को संगठित करने के लिए नहीं कहा। पहले जब उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में बुलाया जाता था, तो वे आने से हिचकिचाते थे। अब निखिल व्यक्तिगत रूप से आपके निर्वाचन क्षेत्र में आ रहे हैं। उन्होंने हमला किया कि जब तक कांग्रेस पूरी तरह से घर नहीं जाती, तब तक वे आराम नहीं करेंगे। हम सात करोड़ लोगों की पार्टी हैं। यह जनता की पार्टी है। सिद्धरामैया ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर आम का समर्थन मूल्य देने को कहा है। जब मैं मुख्यमंत्री था, तब मैंने समर्थन के लिए 5 करोड़ रुपये दिए थे। जेडीएस और कांग्रेस में यही फर्क है। जब मैं 2006 में सीएम था, तब मैं दिल्ली गया था, टमाटर उत्पादक दिल्ली आए और उनकी समस्याओं का समाधान वहीं हुआ। शनिवार को सीएम और डीसीएम ने स्वास्थ्य नवाचार कार्यक्रम आयोजित किया। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि वे कल्याण कर्नाटक का विकास करेंगे। खड़गे चालीस साल तक विधायक रहे। वे 20 साल तक मंत्री रहे। वे गुरमितकल को बताएं कि क्या किया है। वे बेंगलूरु को सिंगापुर बना रहे हैं, साई लेआउट में क्या स्थिति थी? क्या यह सिंगापुर है? वे इस सरकार के बारे में जितना भी कहें, वह पर्याप्त नहीं है। हमने इस सरकार का काम देखा है। कितने लोगों को नौकरी दी है? उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि वे सिर्फ विधान सौधा की सीढ़ियों पर बैठे सीएम हैं।

मंत्री पाटिल ने पर्यटन विभाग के प्रगति की समीक्षा की

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के पर्यटन, विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने शनिवार को कलबुर्गी में कर्नाटक पर्यटन नीति के तहत 2020-25 की अवधि के लिए चिन्हित विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक की। पर्यटन विभाग की उप निदेशक अनुसूय्या एम. हूगार ने बताया कि जिले के अफजलपुर तालुक के गाणगापुर में धार्मिक बंदोबस्ती विभाग द्वारा केंद्र सरकार प्रसाद योजना के तहत 83.50 करोड़ रुपये की अवधारणा रिपोर्ट मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को सौंपी गई है। यह अनुदान जारी होने पर पर्यटन से संबंधित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसी तालुक के घत्तरगा गांव में पर्यटन विभाग द्वारा एक करोड़ रुपये के अनुदान से तीर्थयात्री निवास का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा उन्होंने अन्य पर्यटन स्थलों के विकास का प्रस्तावों के बारे में बताया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि वे संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे और अनुदान जारी करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में चंद्रमपल्ली जलाशय के बैकवाटर में जल साहसिक खेल और जल पर्यटन गतिविधियों के संचालन को मंजूरी दी है और इसकी शुरुआत हो चुकी है।

सोयाबीन के बीज को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं: ईश्वर खंड्रे

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।
वन, जीव एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि जिले में किसानों की मांग के अनुसार सोयाबीन के बीज की आपूर्ति के लिए कदम उठाए गए हैं और किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। इस बार सामान्य से बेहतर बारिश के कारण सोयाबीन के बीज की मांग बढ़ गई है। चालू वर्ष में 10,2500 क्विंटल सोयाबीन के बीज को मंजूरी किया गया हैं और 8,7500 क्विंटल बीज वितरित किए जा चुके हैं। अन्य 15000

क्विंटल सोयाबीन के बीज 2-3 दिनों में किसानों को उपलब्ध हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जिले में 1,12000 क्विंटल सोयाबीन के बीज वितरित किए गए थे। मंत्री ने एक बयान में कहा कि सोयाबीन के बीज की मांग बढ़ जाने के बारे में मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया है और उन्होंने बाजार से 15,000 क्विंटल सोयाबीन के बीज खरीदने और उन्हें अतिरिक्त आपूर्ति के रूप में वितरित करने पर सहमति व्यक्त की है। अतिरिक्त बीज भी जल्द ही आ जाएंगे और किसानों को बीज वितरित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी जिलों में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

डीसी ने स्थिति पर नजर रखने के निर्देश जारी किए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लगातार भारी बारिश की संभावना के चलते दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुहिलान ने सभी तहसीलदारों और घटना कमांडरों को निर्देश दिया है कि वे संवेदनशील घरों से परिवारों को तुरंत निकालकर देखभाल केंद्रों या सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं। बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों की कड़ी निगरानी और सभी बचाव उपकरणों की तैयारी को अनिवार्य किया गया है, ताकि किसी भी तरह की जान-माल की हानि से बचा जा सके। डिप्टी कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी तालुकों और नगर निगम में नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम करें।

उन्होंने चेतावनी दी कि आपदा प्रतिक्रिया कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। डीसी मुल्लई मुहिलान और मेंगलूरु नगर निगम के कमिश्नर रविचंद्र नाइक ने शहर के कई बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने पंपवेल का भी दौरा किया और अधिकारियों के साथ बारिश के पानी की निकासी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। अट्टावर सहित मध्य मेंगलूरु में बारिश का पानी घरों में घुस गया, जिससे कई परिवार प्रभावित हुए। बारह परिवारों को निकाला

गया और उन्हें नगर निगम द्वारा पूर्वाभवन परिसर में स्थापित एक अस्थायी राहत केंद्र में आश्रय दिया गया, जहाँ भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई गईं। आयुक्त रविचंद्र नाइक ने केंद्र का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शनिवार को तालुक में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई, लेकिन किसी नुकसान की सूचना नहीं है। दोपहर 2 बजे के बाद बारिश तेज हो गई। काशीपटना सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में सफाई कार्य के दौरान एक कक्षा की दीवार का एक हिस्सा गिर गया, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। नदी का जलस्तर बढ़ गया है और रात में तेज हवाएँ और बारिश की सूचना मिली है। इन इलाकों में शनिवार को लगातार बारिश हुई। कुछ दिनों की हल्की बारिश के बाद, दोपहर के बाद भारी बारिश शुरू हुई और रात तक जारी रही। सुल्लिया शहर, जलसूरू, मंडेकोलू, बेल्लारे, अरनथोडु, संपाजे, गुथिगर, पंजा, कोलामोग्रु, सुब्रह्मण्य, बालपा, कैकम्बा और बिलिनेले सहित कई स्थानों पर दिन भर बारिश हुई। मूसलाधार बारिश के बावजूद किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। रेड अलर्ट के साथ, शनिवार को पूरे जिले में भारी बारिश हुई। हालांकि कुछ जगहों पर निचले इलाकों में पानी घुस गया, लेकिन कोई बड़ी घटना नहीं हुई। जलभराव वाली सड़कों पर यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। रेड अलर्ट खत्म होने वाला है, लेकिन 16-17 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें आगे भी भारी बारिश की संभावना है। तेज हवाओं और बारिश के कारण पेड़ गिरने से जिले में पांच घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे 1.77 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। बिंदूर और कुंदापुर में मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि उडुपी, मणिपाल और पार्कला सहित क्षेत्रों में दोपहर में भारी बारिश हुई। करकला, हेबरी, पदुबिद्री, ब्रह्मवर, कोटा, सालिग्राम, कौप, उचिला और शिरवा में पूरे दिन भारी बारिश हुई। राष्ट्रीय राजमार्गों और शहर की मुख्य सड़कों पर जलभराव हो गया, जिससे मोटर चालक और पैदल यात्री प्रभावित हुए। करकला, हेब्री, अगुम्बे, सोमेश्वर, शिव-पुरा, मुद्राडी, काबिनले, मार्ने, शिर्लालु, केरवाशे, माल, मुदारू, दुर्गा, रेन्जला, काल्या, निन्जूरू, बैलूर, कौदूर और कुक्कुन्दूर समेत इलाकों में सुबह से शाम तक लगातार बारिश हुई। कुछ स्थानों पर पेड़ बिजली की लाइनों पर गिर गए, जिससे अस्थायी तौर पर बिजली गुल हो गई।

जेडीएस पार्टी को डुबोने वाला महान नेता पैदा नहीं हो सकता: देवेगौड़ा

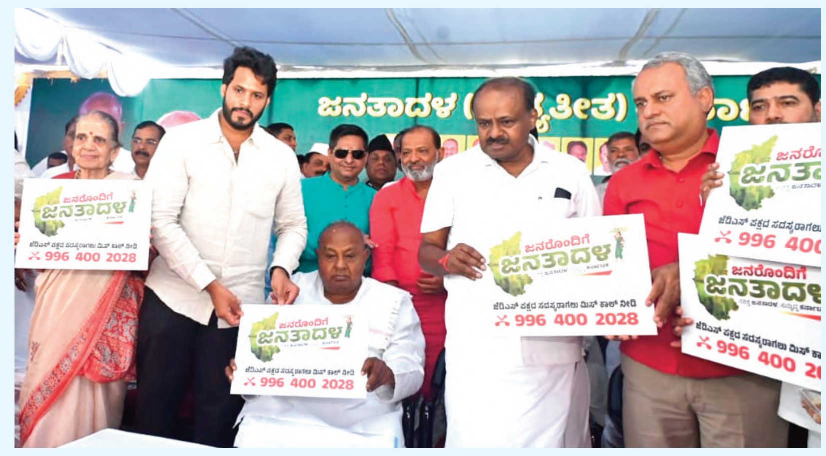

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने कहा कि जेडीएस पार्टी को खत्म करने जैसा महात्म्य कभी पैदा नहीं हो सकता। उन्होंने जे.पी. भवन में आयोजित जेडीएस सदस्यता पंजीकरण मिस्ड कॉल अभियान के लोगों के साथ जनता दल संगठन भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद यह बात कही। संगठन भ्रमण कार्यक्रम के उद्घाटन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मोरारजी देसाई ने मुझे यह पार्टी दी थी। जनता दल के विभाजन के बाद भी यह पार्टी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे बाद भी यह बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछली हार अगली जीत की नींव होगी और पूरे भारत में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो प्रधानमंत्री मोदी के सामने खड़ा हो सके, किसी भी पार्टी में नहीं। उन्होंने 11 साल तक प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व किया है और विश्व नेता के रूप में उनकी पहचान बनी है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय पार्टी भाजपा के साथ संबंध बनाए रखे हैं। पड़ोसी आंध्र प्रदेश में दिखाई गई चिंता कर्नाटक में भी दिखाई जानी चाहिए।

कुमारस्वामी वहां के लौह और इस्पात कारखाने को पुनर्जीवित करने के लिए आगे आए हैं। हमारे राज्य में भद्रावती आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, एचएमटी फैक्ट्री, एचएएल जैसी संस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को केंद्र सरकार के साथ उचित सहयोग करना चाहिए। क्षेत्रीय पार्टी जेडीएस की ताकत बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ जेडीएस विधायक दल के नेता सुरेश बाबू, पूर्व मंत्री वेंकटराव नादगौड़ा और जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी पर ही नहीं है। यह सभी विधायकों, पूर्व विधायकों, जिला और तालुक इकाई अध्यक्षों और विभिन्न भागों के प्रमुखों पर है। पंचरत्न और जनता जलधारे कार्यक्रमों के नाम पर एक साल का संघर्ष किया गया। किसानों के कर्ज माफ किए गए। लेकिन, सिर्फ 2 हजार रुपये पर राजी होकर राज्य के स्थायी विकास पर बड़ा झटका दिया गया है। सोमवार से पूरे राज्य में दौरा किया जाएगा। संबंधित जिलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी संगठन पर जोर देना चाहिए। महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा और राज्यसभा दोनों में पारित हो चुका है। इस प्रकार पार्टी संगठन में महिलाओं की जिम्मेदारी बढ़ गई है। उन्हें पिछली हार से हतोत्साहित हुए बिना हिम्मत के साथ पार्टी को संगठित करना चाहिए। मैं अब 93 वर्ष का हो गया हूं और मुझे केवल पैर में दर्द है। मेरी बुद्धि में कोई समस्या नहीं है। मैं भुलक्कड़ नहीं हुआ हूं। कोई भी मेरे घर पर कितनी भी देर तक आए, मैंने कभी उन्हें तिरस्कार की नजर से नहीं देखा और न ही देखूंगा। पार्टी संगठन के लिए आप मुझे जहां भी बुलाएंगे, मैं आऊंगा। पार्टी को परिवार तक सीमित होने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय का नाम जयप्रकाश नारायण के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने देश को दूसरी आजादी दिलाई। देश में कहीं भी उनका नाम नहीं लिया गया है। इस मौके पर जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, जेडीएस विधायक दल के विधायक सीबी सुरेशबाबू, जेडीएस यूथ विंग के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, पूर्व मंत्री लीलादेवी आर. प्रसाद, एचके कुमारस्वामी, अलकोडे हनुमंथप्पा, सीएस पुट्टाराजू, पूर्व सांसद कुपेंद्र रेड्डी, विधायक शारदा नाइक, एमटी कृष्णप्पा, जवराई गौड़ा, टीए सरवन, शारंगौड़ा कंदकुर, पूर्व विधायक चौधरी, केए थिप्पेस्वामी, सुरेश गौड़ा, रमेश गौड़ा, वीरभद्रैया आदि उपस्थित थे।

चिकित्सा कर्मचारियों के लिए मोबाइल उपस्थिति अनिवार्य: मंत्री दिनेश गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि 1 जुलाई से राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए मोबाइल अटेंडेंस अनिवार्य कर दी जाएगी। कई दिनों से चल रही यह प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है और आखिरकार सरकारी आदेश जारी कर दिया गया है। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के न मिलने की शिकायत को दूर करने के लिए नई अटेंडेंस प्रणाली लागू की जा रही है। मंत्री ने सभी से इसमें सहयोग करने की अपील की है। वर्तमान में उपयोग की जाने वाली अटेंडेंस प्रबंधन प्रणाली का हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर आधार-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पर निर्भर करता है। हार्डवेयर उपकरणों को बार-बार मरम्मत और समय-समय पर बदलने की आवश्यकता होती है। इससे काफी खर्च होता था। बायोमेट्रिक उपकरणों की निश्चित प्रकृति ने

उपस्थिति पहचान को विशिष्ट स्थानों तक सीमित कर दिया है। मंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र से संबंधित दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने वालों के लिए मददगार नहीं था। नई सुविधा में मोबाइल सॉफ्टवेयर के जरिए अटेंडेंस देने की प्रणाली लागू की जा रही है। इसे राज्य के 12,000 स्वास्थ्य संस्थानों में लागू किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार डॉक्टरों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशासन के ढांचे के भीतर एक मोबाइल अटेंडेंस प्रणाली है।

पार्टी को संगठित करने के उद्देश्य से मैं पूरे राज्य का दौरा करूंगा: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि पार्टी को संगठित करने के उद्देश्य से मैं सोमवार से राज्य का दौरा करूंगा। मैं सोमवार को तुमकुरु जिले से आधिकारिक तौर पर दौरे की शुरुआत करूंगा। उन्होंने सभी वरिष्ठ नेताओं से सहयोग करने की अपील की। पार्टी को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से वरिष्ठों ने पार्टी के सभी नेताओं को विश्वास में लेकर लोगों के साथ जनता दल अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इसके तहत हम राज्य पार्टी संगठन दौरा और मिस्ड कॉल अभियान चला रहे हैं। हमने आधिकारिक तौर पर मिस्ड कॉल अभियान के जरिए सदस्यता पंजीकरण शुरू कर दिया है। राज्य दौरे के दौरान मैं हर कार्यकर्ता से मिलूंगा। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी के लिए काम करने वाले जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं

की पहचान करने का काम करूंगा। आइए लक्ष्य रखें कि कम से कम पचास लाख लोग सदस्य बनें। इस पार्टी को फिर से जमीनी स्तर से ऊपर उठाने के उद्देश्य से 16 अगस्त तक राज्य का दौरा किया जाएगा। लोगों ने कुमारस्वामी को राजनीति में स्थान दिया है। मेरे लिए फादर्स डे मनाने का यह अच्छा अवसर है। पिता हमारे जीवन की रोशनी हैं। मैंने अपने पिता के साथ-साथ देवेगौड़ा के राजनीतिक कार्यों से भी बहुत कुछ सीखा है। एक किसान का बेटा देश में उच्च स्थान रखता है। देवेगौड़ा को ईश्वर का बेटा कहा जा सकता है। राज्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्होंने कहा कि वे कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। मैं चिंतित हूं क्योंकि सभी इस कार्यक्रम में आए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि मैं सबसे पहले पार्टी संगठन में शामिल होऊंगा। अधिवेशन से पहले मैं आदिचुंचनगिरी के बौद्धों के साथ बैठा था। वे कई परिचयात्मक भाषण दे रहे थे। इसलिए मैं बीच में नहीं उठ सका। मैं सभी से माफी मांगता हूं, भविष्य में ऐसा नहीं होगा। पार्टी संगठन पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए एक नए युग की शुरुआत होनी चाहिए। सोमवार से मैं अधिकांश जिलों और तालुकों का दौरा करूंगा। मैं 58 दिन तक लगातार आपके साथ चलूंगा। मैं आपके साथ रहूंगा। एक तरफ मैं पार्टी को संगठित करने आ रहा हूं, तो दूसरी तरफ सरकार की विफलता को बताया जाएगा। कुमारस्वामी का कृषक समुदाय के लिए योगदान अतिश्योक्तिपूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने कृषक समुदाय को 25 हजार करोड़ की परियोजना दी है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस भ्रष्ट सरकार को राज्य से हटाया जाना चाहिए। हम कित्तूर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक का भी दौरा करेंगे। कार्यकर्ताओं के पास योजना होनी चाहिए। हम कोई छोटी-मोटी पार्टी नहीं हैं। हम गांवों में जाकर बिना पैसे खर्च किए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, सबके पास स्मार्टफोन है। डिजिटल तरीके से रजिस्ट्रेशन करें और पार्टी संगठन में हाथ बंटाएं। किसी को भूलना नहीं चाहिए। आज से समय शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, हमने देवेगौड़ा और कुमारस्वामी से वादा किया है कि हम कम से कम 50 लाख मिस्ड कॉल सदस्य बनाएंगे।

भारी बारिश के कारण कंपाउंड की दीवार ढह गई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु में एक बार फिर भारी बारिश हुई है, जिससे शहर के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कंकनाडी के सुवर्णा लेन इलाके में एक कंपाउंड की दीवार गिर गई, यह नाटकीय घटना घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दीवार बहुत जोर से सड़क पर गिरी, जिससे आस-पास के घरों के गेट और दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं। सौभाग्य से, उस समय सड़क पर कोई पैदल यात्री या वाहन नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। दीवार गिरने से सड़क के उस पार के कंपाउंड को भी नुकसान पहुंचा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घर के कंपाउंड में लगा गेट उखड़ गया। यह घटना विस्फोट जैसी लग रही थी, और बिजली के खंभे भी गिर गए। बिजली का खंभा दो टुकड़ों में टूट गया, जिससे शॉर्ट सर्किट हो गया। गिरने से ठीक एक मिनट पहले, एक ऑटो और एक मोटरसाइकिल मौके से गुजरे थे। अधिकारियों का मानना है कि अगर यह घटना कुछ पल पहले हुई होती तो स्थिति जानलेवा हो सकती थी। घटना का और भी भयावह सीसीटीवी फुटेज अब उपलब्ध है।

सरकार या पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं: महादेवप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने कहा कि सरकार या पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि भाजपा विधान परिषद सदस्य एच. विश्वनाथ को कांग्रेस आलाकमान ने कब इस मामले की जानकारी दी। सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं और वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। सरकार के

भीतर समझौता है। शनिवार को यादगीर में आयोजित कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि विकास कार्यों के लिए कोई वित्तीय समस्या नहीं है। लाखों लोगों ने विकास कार्यों को देखा। उन्होंने विपक्षी दलों पर राजनीतिक कारणों से झूठ बोलने का आरोप लगाया। इस महीने की 23 तारीख को रायचूर में एक और बड़ा सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि वहां भी सैकड़ों करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। अगर भ्रष्टाचार है तो दस्तावेज जांच एजेंसी को दिए जाने चाहिए। एच. विश्वनाथ वरिष्ठ राजनेता हैं। जब वे बोलते हैं तो उसमें सच्चाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सबूत होने चाहिए।

भारी बारिश के कारण एनएच के सूरथकल-नंथूर खंड पर सितंबर तक गति सीमा लागू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तटीय क्षेत्र में भारी बारिश के कारण, राष्ट्रीय राजमार्ग के सूरथकल-नंथूर जंक्शन खंड पर गति सीमा 50 किमी/घंटा तय कर दी गई है।

यह प्रतिबंध सितंबर के अंत तक लागू रहेगा। लगातार हो रही बारिश के कारण राजमार्ग के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे वे तेज गति से यात्रा करने के लिए असुरक्षित हो गए हैं। सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, भारतीय राष्ट्रीय

राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) ने गति विनियमन को लागू करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग (भूमि और यातायात) अधिनियम, 2002 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक अब्दुल्ला जावेद आजमी के अनुसार, जहाँ भी सर्विस रोड उपलब्ध हैं, खासकर पनाम्बुर, सूरथकल और बैकमपडी क्षेत्रों में, दोपहिया और तिपहिया वाहनों को भीड़भाड़ कम करने और दुर्घटनाओं से बचने के लिए उनका उपयोग करने की सलाह दी जाती है। चूंकि दोपहिया और तिपहिया वाहनों सहित भारी और हल्के वाहन वर्तमान में मुख्य राजमार्ग का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण वाहन गड्ढों से बचने के लिए अचानक अपना रास्ता बदल रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। इस परामर्श का उद्देश्य सुचारू और सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देना है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन जा रहे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जल्द ही चीन का दौरा करेंगे, इस दौरान शंघाई सहयोग संगठन यानी (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। हाल के दिनों में भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार कोशिशें जारी हैं। हालांकि, एलएसी पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव अभी भी कम नहीं हुआ है। ऐसे में राजनाथ सिंह का ये दौरा अहम माना जा रहा। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। चर्चा ये भी है कि क्या राजनाथ सिंह की पाकिस्तान के रक्षामंत्री से भी कोई बात होगी, देखना दिलचस्प होगा।

राजनाथ सिंह 24-25 जून को एससीओ की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय वार्ता की भी संभावना है। रक्षा मंत्री के तौर पर राजनाथ

सिंह का यह पहला चीन दौरा होगा। एक अधिकारी ने बताया कि अभी फाइनल प्लानिंग पर काम किया जा रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी एससीओ की बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक भारत और पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई के बीच हुई सैन्य झड़प के बाद हो रही है।

भारत और पाकिस्तान दोनों 2017 में एससीओ के पूर्ण सदस्य बने थे। इस संगठन में रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस भी शामिल हैं। चीन के साथ 3488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर अभी भी तनाव कम नहीं हुआ है। पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक में पिछले साल अक्टूबर में सैनिकों के पीछे हटने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन एलएसी पर अपनी सैन्य स्थिति और बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत कर रहा है। पी एल ए के सैनिक भारी हथियारों के साथ बड़ी संख्या में तैनात हैं। पाकिस्तान और चीन के बीच गहरी सैन्य दोस्ती ऑपरेशन सिंदूर के दौरान साफ दिखाई दी। पाकिस्तान ने भारत के साथ लड़ाई में कई चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया। इनमें जे-10 लड़ाकू विमानों से लेकर पी एल -15 मिसाइलें और एचक्यू-9 एयर डिफेंस मिसाइल बैटरी शामिल थीं।

पाकिस्तान चीन से कम से कम 40 जे -35ए पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ जेट और एचक्यू-19 लंबी दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम भी खरीदने वाला है। भारत और चीन के बीच संबंध सुधारने की कोशिशें जारी हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि एलएसी पर शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा था कि दोनों देशों को एक-दूसरे की चिंत-ाओं का सम्मान करना चाहिए।

हालांकि, एलएसी पर स्थिति अभी भी सामान्य नहीं है। ऐसे में राजनाथ सिंह का चीन दौरा महत्वपूर्ण है। इस दौरान वह चीनी रक्षा मंत्री के साथ बातचीत कर सकते हैं और एलएसी पर तनाव कम करने के उपायों पर चर्चा कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच एलएसी पर शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है। इससे ही दोनों देशों के बीच विश्वास का माहौल बन सकता है। पाकिस्तान का इस बैठक में शामिल होना भी महत्वपूर्ण है।

ईरान-इजराइल टकराव तेज़

दोनों देशों ने एक-दूसरे पर मिसाइलें दागीं, ईरान में कश्मीरी छात्र घायल

तेहरान/तेल अवीव, 15 जून (एजेंसियां)।

ईरान और इजराइल के बीच चल रहे तनाव ने शनिवार देर रात हिंसक रूप ले लिया जब दोनों देशों ने एक-दूसरे पर मिसाइल हमले किए। यह झड़प बीते तीन दिनों से लगातार जारी है और अब तक दोनों ओर जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आई डी एफ) ने बयान जारी कर कहा है कि ईरान के हथियार कारखानों और उनसे सटे इलाकों में रह रहे नागरिकों को तुरंत स्थान खाली करने की चेतावनी दी गई है। आई डी एफ के कर्नल अविचाय अद्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि इन ठिकानों के पास रहना ईरानी नागरिकों के लिए खतरे से खाली नहीं है।

इजराइल ने तेहरान और बुशहर में स्थित ऑयल डिपो, गैस रिफाइनरी और अन्य सामरिक ठिकानों पर हमला किया है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में ईरान के रक्षा मंत्रालय को भी निशाना बनाया है। इन हमलों में अब तक ईरान के 138 नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें 9 न्यूक्लियर वैज्ञानिक और 20 से अधिक सैन्य कमांडर शामिल हैं। इसके अलावा 350 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

इजराइल ने रविवार दोपहर तेहरान स्थित हुजत दोस्त अली हॉस्टल को भी निशाना बनाया, जिसमें कुछ कश्मीरी छात्र घायल हुए हैं। घायल छात्रों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

जवाबी कार्रवाई में ईरान ने इजराइल पर 150 से अधिक मिसाइलें दागी हैं। इन हमलों में अब तक 14 इजराइली नागरिकों की मौत हो चुकी है और लगभग 380 लोग घायल हुए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई उसके सैन्य ठिकानों पर हुए इजराइली हमलों के जवाब में की गई है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए दोनों देशों की सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और संयुक्त राष्ट्र समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने तत्काल संयम बरतने और बातचीत के माध्यम से तनाव कम करने की अपील की है।

क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह संघर्ष जल्द नहीं रुका, तो इससे पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता फैल सकती है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। भारत सरकार और अन्य देशों ने अपने नागरिकों को ईरान और इजराइल की यात्रा न करने की सलाह दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

ब्रिटिश फाइटर जेट की तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम, 15 जून (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के रॉयल एयर फोर्स के 'एफ-35 फाइटर जेट' को तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है। शनिवार को हिंद महासागर के ऊपर एक नियमित मिशन के दौरान ईंधन कम होने के चलते इस फाइटर जेट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हवाई अड्डे और रक्षा सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात फिफ्थ-जनरेशन का स्टील्थ एयरक्राफ्ट हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात एक ब्रिटिश एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भर रहा था। इस बीच एयरक्राफ्ट को वापस उतरने में कठिनाई हुई।

पायलट ने कैरियर पर उतरने के कई प्रयास किए, लेकिन खराब समुद्री परिस्थितियों और अशांत हवाओं के कारण यह लैंडिंग के लिए असुरक्षित था। तेजी से घटते फ्यूल लेवल को देखते हुए, पायलट ने इंडियन एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से संपर्क किया, और नजदीकी नागरिक हवाई क्षेत्र में उतरने की आपातकालीन अनुमति मांगी। ऐसे में केरल के दक्षिणी तट पर स्थित तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे को सबसे बेहतर विकल्प माना गया। सूचना मिलने पर, एयरपोर्ट अथॉरिटी ने प्रोटोकॉल के अनुसार तुरंत फुल-स्केल इमरजेंसी की घोषणा की और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं को सक्रिय किया। मेडिकल यूनिट्स के साथ-साथ फायर और रेस्क्यू टीम को स्टैंडबाय पर रखा गया, जबकि एक रनवे को फाइटर एयरक्राफ्ट के खास उपयोग के लिए खाली कर दिया गया। एफ-35 ने रात करीब 9.30 बजे एयरपोर्ट पर सफलता-पूर्वक लैंडिंग की। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस एयरक्राफ्ट में हथियार नहीं थे। इससे सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं था। इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) और नागरिक उड्डयन अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया, जिन्होंने फ्यूल भरने के साथ सिक्योरिटी क्लीयरेंस सहित ग्राउंड एग्रीमेंट को लेकर कॉर्डिनेट किया।

मथुरा हादसा : एक साथ ढहे 6 मकान, 3 की दर्दनाक मौत

12 लोग अब भी मलबे में दबे

मथुरा, 15 जून (एजेंसियां)।

शहर के गोविंद नगर इलाके में रविवार को एक भयानक हादसा हुआ जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। मिट्टी का टीला ढहने से उस पर बने 6 मकान अचानक भरभराकर गिर गए, जिसमें अब तक 3 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 10 से 12 लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ, जब इलाके में एक बड़े मिट्टी के टीले पर बने मकानों के पास जेसीबी से खुदाई की जा रही थी। खुदाई के दौरान मिट्टी की सतह अचानक धंस गई, जिससे पूरा टीला अस्थिर हो गया और एक के बाद एक 6 मकान ढहकर मलबे में तब्दील हो गए।

स्थानीय निवासी श्याम लाल वर्मा ने मीडिया वालों को बताया, हम सोच भी नहीं सकते थे कि यह हादसा इतना भयानक होगा। अचानक ज़मीन कांपी, मकान गिरने की तेज़ आवाज़ आई और धूल का गुबार चारों तरफ छा गया। कुछ लोग सोचने लगे कि शायद भूकंप आ गया है। भागने का भी मौका नहीं मिला।

तीन की मौत, जिनमें दो मासूम बहनें भी शामिल

अब तक मलबे से तीन शव निकाले जा चुके हैं। मृतकों की पहचान इस प्रकार हुई है। तोत-ाराम (38 वर्ष), यशोदा (6 वर्ष), काव्या (3 वर्ष)। यशोदा और काव्या सगी बहनें थीं और हादसे के समय अपने घर में खेल रही थीं।

जैसे ही हादसे की सूचना मिली, मौके पर पुलिस, नगर निगम, प्रशासन, एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमें तत्काल पहुँच गईं। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। मौके पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें भी तैनात हैं।

ए डी एम सिटी मथुरा ने बताया : हमारी प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना है। हम सभी संसाधनों के साथ मौके पर मौजूद हैं। स्थानीय लोगों की भी मदद ली जा रही है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि जिस टीले पर ये मकान बने थे, वहां स्थानीय भू-माफिया द्वारा अवैध निर्माण कराया गया था।

जेसीबी से की जा रही खुदाई भी कथित रूप से अनधिकृत थी, जिसके कारण मिट्टी खिसकने की घटना हुई।

यह हादसा नहीं, प्रशासन की लापरवाही और अवैध निर्माण का परिणाम है। पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

प्रशासन ने अब तक 4 लोगों को जीवित मलबे से बाहर निकाल लिया है, जिन्हें अस्प-ताल में भर्ती कराया गया है। वहीं 10 से 12 लोग अब भी दबे होने की आशंका जताई जा रही है। रेस्क्यू टीमों को उम्मीद है कि और लोगों को सुरक्षित निकाला जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रशासन को निर्देश दिया है कि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत दी जाए। घायलों का समुचित इलाज सुनिश्चित किया जाए। घटना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

फिर हुई आतंकी घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू, 15 जून (ब्यूरो)।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान करारी मात खाने के बावजूद पाकिस्तान की तरफ से राजौरी जिला के केरी सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ का प्रयास किया गया, जिसे सतर्क जवानों ने विफल कर दिया। इसके बाद एलओसी पर सतर्कता बढ़ाते हुए सेना ने बड़ा तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एलओसी पर घुसपैठ का यह पहला दुस्साहस है।

केरी सेक्टर में देर रात एलओसी पर तैनात सेना के जवानों ने कुछ हलचल देखी।

घुसपैठ की आशंका को देखते हुए जवान सतर्क हो गए और उन्होंने आसपास की चौकियों पर तैनात जवानों को भी अलर्ट कर दिया।

बताया जा रहा है कि आतंकियों का एक दल एलओसी पार करने का प्रयास कर रहा था। जवानों ने आतंकियों को ललकारा तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भी इसका करारा जवाब दिया। इसके बाद आतंकी वापस भाग गए।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को सीमावर्ती पुंछ जिले में कई जगहों पर आतंकवाद विरोधी छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि सौजियां और आसपास के इलाकों में आठ जगहों पर छापेमारी चल रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त करने और पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा भोले-भाले युवाओं को विध्वंसक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने के लिए अपने संपर्कों का इस्तेमाल करने के प्रयासों को विफल करने के लिए एक साथ छापेमारी की। इस महीने की शुरुआत में पुलिस ने सीमावर्ती इलाकों में पांच दर्जन से अधिक जगहों पर इसी तरह की छापेमारी की थी।

कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर रवाना हुआ पहला जत्था

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं को दी गई विदाई

गाजियाबाद, 15 जून (ब्यूरो)।

पांच वर्षों के बाद एक बार फिर उत्तर प्रदेश से कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा का शुभारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की सनातन परंपराओं को सहेजते हुए रविवार को इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को भव्य आयोजन के बीच रवाना किया गया। इस जत्थे में दो लाइजनिंग अधिकारियों सहित कुल 39 यात्री शामिल हैं। शुरुआत में 46 यात्रियों का पंजीयन किया गया था, किंतु कुछ स्वास्थ्य कारणों से कुछ यात्री शामिल नहीं हो सके।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री माननीय जयवीर सिंह ने सांसद अतुल गर्ग, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, आचार्य प्रमोद कृष्णम, प्रमुख सचिव धर्मार्थ कार्य एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम, जिलाधिकारी दीपक मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बस को हरी झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों को विदा किया।

कैलाश यात्रा की रवानगी के

अवसर पर विशेष शैव आराधना का आयोजन हुआ, जिसमें डमरू, मृदंग, तुरही, ढोलक आदि पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज ने शिवमय वातावरण बना दिया। उप-स्थित यात्रियों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साह के साथ हर हर महादेव का जयघोष किया।

मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इसे गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि पांच साल बाद प्रदेश से कैलाश यात्रियों को भेजा जा रहा है। यह योगी सरकार की धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सांसद अतुल गर्ग ने यात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं, जबकि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी विधानसभा में स्थित कैलाश भवन से यात्रा की शुरुआत होना गौरव की बात है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि मोदी-योगी युग में सनातनियों में नवचेतना का संचार हुआ है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम, निदेशक धर्मार्थ कार्य संजय सिंह, उत्तर प्रदेश पर्यटन निगम की एमडी सुश्री सान्या छाबड़ा, श्री काशी धाम मंदिर न्यास के सीईओ विश्व भूषण मिश्र सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से सभी कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रियों को विशेष उपहार देने की घोषणा की गई है। मंदिर न्यास के सीईओ एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि सभी यात्रियों को लौटने पर एक विशेष रुद्राक्ष माला और सुगम दर्शन के लिए क्यूआर कोड युक्त कार्ड भेंट किया जाएगा। यह कार्ड एक वर्ष तक वैध रहेगा और इसके जरिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन हेतु तीर्थयात्रियों व उनके चार परिजनों को प्राथमिकता मिलेगी। हालांकि, विशेष पर्वों जैसे महाशिवरात्रि, सावन सोमवार, रंगभरी एकादशी आदि पर यह सुविधा मान्य नहीं होगी। यह योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सनातन उत्थान और श्रद्धालु सुविधा के उद्देश्य से प्रेरित है, जिससे अन्य राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। इस घोषणा से तीर्थयात्रियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया और सभी ने हर हर महादेव के उद्घोष से आभार प्रकट किया। ज्ञातव्य है कि माननीय मुख्यमंत्री योगी जी द्वारा उत्तर प्रदेश निवासी कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रियों को तीर्थ यात्रा में रुपए 1 लाख की सहयोग राशि प्रदान की जा रही है

यूपी की वार्षिक वन्यजीव गणना का काम पूरा, जल्द आएगी रिपोर्ट

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)।

वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव विहारों और इनके बफर क्षेत्र में वार्षिक वन्य जीव गणना समपन्न हो गई है। वार्षिक वन्य जीव गणना का परिणाम इस माह के ही अंत तक जारी किया जाएगा। ये वन्य जीव गणना 26 मई से शुरू होकर 14 जून को सम्पन्न हुई है।

इस वर्ष वन्य जीव गणना में विशेष रूप से बारहसिंघा, काला हिरण, चिंकारा, गैंडा, घड़ियाल के साथ भालू और तेंदुए की भी गणना की जा रही है। इसके साथ ही अन्य शाकाहारी जीवों हिरण, सांभर, चीतल, नीलगाय, पाड़ा, बंदर और लंगूर की भी गणना कराई गई है। प्रदेश में वन्य जीव गणना का कार्य मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के निर्देशन में सभी मण्डल के मुख्य संरक्षकों के सुपरविजन में कराया गया है।

उत्तर प्रदेश वन एवं वन्य जीव विभाग प्रतिवर्ष प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यानों, वन्य जीव विहारों और इनके बफर क्षेत्र में वन्य जीवों की गणना करवाता है। वन्य जीव गणना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में वन्य जीवों की संख्या और स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी प्राप्त करना है। जिसके आधार पर आगामी वर्षों में वन्य जीवों के संरक्षण के लिए व्यापक योजनाओं का निर्माण किया जाता है। वन्य जीव गणना के संबंध में बताते हुए प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुराधा वेमुरी ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में वन्य जीवों की गणना का कार्य 26 मई 2025 से शुरू हुआ था जो कि 14 जून 2025 को सम्पन्न हुआ है। इस गणना का परिणाम इस माह के ही अंत तक जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी मण्डलों के मुख्य वन संरक्षकों के पास से उनके जोनों की गणना रिपोर्ट संकलित की जा चुकी है।

विभाग के संबंधित अधिकारी इन रिपोर्टों का वैज्ञानिक विधि से विश्लेषण कर फाइनल रिपोर्ट पेश करेंगे।

प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा इस वर्ष वन्य जीव गणना में विशेष रूप से बारहसिंघा, काला हिरण, चिंकारा, गैंडा, घड़ियाल के साथ भालू और तेंदुए की भी गणना कराई गई है। इसके साथ ही अन्य शाकाहारी जीवों हिरण, सांभर, चीतल,नीलगाय,पाड़ा, बंदर और लंगूर की भी गणना कराई गई है। प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि वन्य जीव गणना का कार्य मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी मंडलों के मुख्य वन संरक्षकों के सुपरविजन में सम्पन्न हुआ है। उन्होंने बताया कि वन्य जीव गणना के लिए वन्य जीव कर्मियों के साथ स्थानीय प्रशिक्षित युवकों की मदद से बनाई गई प्रगणक टीमों द्वारा करवाया गया। प्रदेश व्यापी गणना कार्य 26 मई, 02 जून और 09 जून को तीन बार कराया गया। इन तीन प्रगणकों के औसत की गणना 16 जून तक सभी क्षेत्रीय वन अधिकारियों द्वारा अपने प्रभागीय वन अधिकारियों को भेजी जाएगी। जिनके वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर वन्य जीवों की वास्तविक संख्या जारी की जाएगी।

60,244 पुलिसकर्मियों के नियुक्ति-पत्र वितरण में शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री

यूपी में परिवर्तनकारी युग लेकर आया योगी का शासनकाल : अमित शाह

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में रविवार को लखनऊ के वृंदावन योजना, सेक्टर 18 स्थित डिफेंस एक्स्पो ग्राउंड में आयोजित एक भव्य समारोह में 60,244 नवनियुक्त पुलिस कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। अपने संबोधन में अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी और समावेशी भर्ती प्रक्रिया के लिए जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने न केवल भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और योग्यता आधारित बनाया, बल्कि हर जाति, जिले और तहसील के युवाओं को अवसर प्रदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शाह ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इन नियुक्तियों में न खर्च, न पर्ची, न सिफारिश और न ही जाति के आधार पर कोई भेदभाव हुआ, बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता के आधार पर सम्पन्न हुई।

अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश का सबसे बड़ा पुलिसबल है और आज 60,244 युवा इसके अभिन्न अंग बन रहे हैं। उन्होंने इस दिन को नवनियुक्त कार्मिकों के जीवन का सबसे शुभ दिन करार देते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है। शाह ने बताया कि इनमें 12 हजार से अधिक बेटियां भी शामिल हैं, जिनके चेहरों पर खुशी देखकर उन्हें अपार सुकून मिला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षित पदों का शत-प्रतिशत लाभ उत्तर प्रदेश में सुनिश्चित किया गया है, जो योगी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। शाह ने उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद आए बदलावों की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती रही थी, लेकिन 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद यूपी पुलिस ने नई बुलंदियों को छूना शुरू किया। उन्होंने कहा कि योगी ने औद्योगिक विकास, शिक्षा, कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचा, बिजली और नल से जल जैसी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर एक परिवर्तनकारी युग की शुरुआत की है। शाह ने रेखांकित करते हुए कहा कि यूपी अब दंगों का गढ़ नहीं रहा, बल्कि दंगामुक्त हो चुका है, और गुंडों का फरमान अब नहीं चलता। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों से इस परंपरा को और मजबूत करने का आह्वान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग, जैसे कि कैमरे, कंट्रोल रूम, कमांड सेंटर, पी-सीआर वैन और 150 से अधिक ऑन-व्हील फॉरेंसिक साइंस लैब वैन ने इस प्रक्रिया को और निष्पक्ष बनाया है।

शाह ने दावा किया कि 60,244 युवाओं में से किसी को भी एक पाई की रिश्वत नहीं देनी पड़ी, जो किसी भी शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह भर्ती प्रक्रिया न केवल पारदर्शी थी, बल्कि इसमें हर वर्ग और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पुलिसबल के आधुनिकीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य संहिता जैसे नए कानूनों के लागू होने से अगले पांच वर्षों में देश में ऐसी व्यवस्था बनेगी, जिसमें किसी भी एफआईआर से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का न्याय तीन साल के भीतर मिल सकेगा। इसके अलावा, सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स), आईसीजेएस (इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) और फॉरेंसिक साइंस जैसी तकनीकों ने पुलिस व्यवस्था को और मजबूत किया है।

अमित शाह ने अपने संबोधन में देश के आर्थिक और सामाजिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और 60 करोड़ लोगों को गैस सिलेंडर, शौचालय, नल से जल, मुफ्त इलाज और किसानों को आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं का लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि 2014 में भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन आज यह चौथे स्थान पर है और 2027 तक यह तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 143 से अधिक शहरों में मेट्रो ट्रेन, 150 से अधिक हवाई अड्डे, और नई शिक्षा नीति जैसे कदमों से हर युवा को अवसर प्रदान किए हैं।

शाह ने नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ सरकार की सख्त नीति की भी चर्चा की। उ

न्होंने कहा कि 11 राज्यों में फैला नक्सलवाद अब केवल तीन जिलों तक सीमित रह गया है, और 31 मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ भी मोदी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। शाह ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा तीन बार आतंकी हमलों का प्रयास किया गया, लेकिन भारत ने हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया और आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने आतंकियों के मुख्यालयों को चूर-चूर कर दिया।

अमित शाह ने नवनियुक्त कार्मिकों से कहा कि वे अमृत काल में यूपी पुलिस का हिस्सा बन रहे हैं और 2047 तक जब भारत विश्व में सर्वप्रथम स्थान पर होगा, तब यूपी का योगदान सबसे बड़ा होगा। उन्होंने युवाओं से सुरक्षा, सेवा और संवेदनशीलता के मंत्र के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। शाह ने कहा कि यूपी पुलिस का डर गुंडों और माफियाओं पर सख्त होना चाहिए, लेकिन गरीब, पिछड़े, और आदिवासी समुदायों के लिए पुलिस को मसीहा के रूप में दिखना चाहिए। शाह ने अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी में विश्वनाथ धाम के पुनरुद्धार, ट्रिपल तलाक की समाप्ति और नए वक्फ कानून जैसे सांस्कृतिक और सामाजिक सुधारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर इतिहास रचा और उस स्थान को शिव शक्ति नाम दिया गया।

ट्रेनिंग में जितना पसीना बहाएंगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा: योगी

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। वर्दीधारी ट्रेनिंग में जितना पसीना बहाएंगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा। महाकुंभ में पुलिस की भूमिका एक मिसाल थी। यहां आने वाले हर इंसान ने पुलिस के व्यवहार की प्रशंसा की। अगर हम वहां कर सकते हैं, तो हर जगह कर सकते हैं। पुलिस बल केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का प्रतीक बन रहा है। यूपी पुलिस में 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कार्यकाल ने नए भारत के रूप में प्रत्येक भारतीय के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 नवनियुक्त पुलिसकर्मियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 60,244 नवनियुक्त पुलिसकर्मियों का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम देश के सबसे बड़े सिविल पुलिस बल में अब तक का सबसे बड़ा नियुक्ति कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि यह महज एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के स्मार्ट पुलिसिंग विजन को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार हावी था। पैसे और सिफारिश के बिना नौकरी मिलना असंभव था, लेकिन अब यह सब बीते जमाने की बात हो चुकी है। हमने संविधान प्रदत्त आरक्षण का पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया को मेरिट और पारदर्शिता के आधार पर सम्पन्न किया। सीएम ने कहा कि भर्ती में किसी भी जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया। प्रदेश में भर्तियों में दलित, पिछड़े, जनजातीय, गरीब, बेटियों सबको समान अवसर मिला है। यह नया उत्तर प्रदेश है, जहां मेरिट के आधार पर हर युवा को न्याय मिल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं है। वहीं अकेले यूपी पुलिस में करीब सवा दो लाख भर्तियां की गई हैं। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि प्रदेश को दंगा मुक्त, भयमुक्त और निवेश समर्थ प्रदेश बनाने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसी के साथ डबल इंजन की सरकार ने परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता क्या होती है, इसका उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि इस भर्ती में गरीब से गरीब परिवार का बेटा भी शामिल हुआ है। अब वह भी सिपाही बनकर प्रदेश की जनता की सेवा में योगदान दे पाएगा। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग के सूत्र स्ट्रिक्ट एंड सेंसिटिव, मॉर्डन एंड मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउंटेबल, रिलायबल एंड रिस्पांसिबल और टेक्न-ोसैवी एंड ट्रेंड का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने इन सिद्धांतों को जमीनी हकीकत बना दिया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि वर्ष 2017 में जब हमने भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने पैरामिलिट्री और मिलिट्री ट्रेनिंग संसाधन उपलब्ध कराने में बड़ी भूमिका निभाई थी। अब हमने राज्य में ही 60,000 से अधिक पुलिस ट्रेनिंग की क्षमता विकसित कर ली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में फॉरेंसिक क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है।

ईमानदार भर्ती प्रणाली से बदली हजारों परिवारों की तकदीर

60,244 युवाओं को एक साथ मिला नियुक्ति पत्र, पारदर्शिता की मिसाल

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। राजधानी लखनऊ के वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड रविवार को एक ऐतिहासिक दृश्य का साक्षी बना, जब पहली बार राज्य में एक साथ 60,244 नव चयनित आरक्षियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस विशाल नियुक्ति समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हजारों नव नियुक्त आरक्षियों की आंखें खुशी से नम थीं, क्योंकि इनमें से हजारों की संख्या में नियुक्त आरक्षी अपने-अपने परिवार की पहली पीढ़ी के सरकारी कर्मचारी हैं।

फिरोजाबाद जिले के हरदासपुर की रौशनी उन हजारों युवाओं में से एक हैं, जिन्होंने आज अपने परिवार की पहली सरकारी नौकरी का गौरव हासिल किया। रौशनी के पिता अमीर सिंह किसान हैं और मां मीरा देवी गृहणी। दो भाइयों की अकेली बहन रौशनी ने बताया कि हमारे परिवार में पहले कोई भी सरकारी नौकरी में नहीं था। दादा-चाचा सभी खेती-किसानी करते हैं। आज मैंने नियुक्ति पत्र लिया, यह मेरे लिए गर्व का पल है। रौशनी ने योगी सरकार की पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि फॉर्म भरने से लेकर चयन तक किसी को एक भी पैसा नहीं देना पड़ा।

इसी तरह बांदा के मरका गांव की प्रीति यादव ने भी अपने परिवार में पहली सरकारी नौकरी पाने का इतिहास रचा। प्रीति यादव ने जब अपने परिवार को बताया कि उनका चयन यूपी पुलिस में हो गया है, तो घर में जैसे त्यौहार मन गया। प्रीति तीन भाइयों में अकेली बहन हैं और पहली सदस्य हैं जो सरकारी नौकरी में जा रही हैं। तीन भाइयों की अकेली बहन प्रीति के पिता दिनेश यादव प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां राजपति गृहणी हैं। प्रीति ने कहा, मैं मुख्यमंत्री योगी जी को धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने बिना किसी भ्रष्टाचार के यह मौका दिया। पहले लोग कहते थे कि बिना पैसे सरकारी नौकरी नहीं मिलती, लेकिन आज यह धारणा टूट गई।

देवरिया के आशीष गौतम की कहानी भी प्रेरणादायक है। दलित समुदाय से आने वाले आशीष के माता-पिता मजदूरी करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार सीएम योगी को कहते सुना था कि अब भ्रष्टाचार नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी के भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती के वादे पर भरोसा किया, उनके भरोसे पर मैंने मेहनत की और आज यूपी पुलिस में आरक्षी बन गया। आशीष ने बताया कि उनके परिवार में दो भाई और तीन बहनें हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में अब प्रतिभा के आगे कोई भेदभाव नहीं टिकता। अब वे ईमानदारी से नौकरी कर अपने परिवार की जिम्मेदारी संभालेंगे।

देवरिया के ही हरिरामपुर गांव के राजकुमार यादव की आंखें खुशी से नम थीं। उनके पिता राम अधार यादव अब इस दुनिया में नहीं हैं।

पिता को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज पिताजी होते तो बहुत खुश होते। पांच भाइयों और तीन बहनों में चौथे नंबर के राजकुमार ने योगी सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की तारीफ की और कहा कि पहले कहा जाता था कि सरकारी नौकरी के लिए खेत तक बिक जाते हैं, लेकिन आज बिना एक पैसे दिए यह मौका मिला, यूपी में अब सरकारी नौकरी पाने में खेत नहीं बेचने होंगे। योगी सरकार प्रतिभा को सम्मान दे रही है।

श्रावस्ती के अवधेश प्रसाद, महोबा के सुखदेव वर्मा, अमेठी के अखिलेश यादव जैसे हजारों युवा आज अपने चेहरे पर मुस्कान लिए नियुक्ति पत्र लेने पहुंचे। इनमें से ज्यादातर अपने परिवार में पहली बार सरकारी नौकरी पाने वाले हैं। यह भर्ती न केवल रोजगार का अवसर दे रही है, बल्कि शिक्षा और सामाजिक बदलाव की नई कहानी भी लिख रही है। यह भर्ती सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को साकार करती है। इस प्रक्रिया में हाईटेक तकनीक का उपयोग, बायोमेट्रिक सत्यापन और सीसीटीवी निगरानी ने पारदर्शिता सुनिश्चित की।

यूपी पुलिस के लिए चयनित लड़कियों ने कहा

योगी की निष्पक्ष नीति से बनीं देश की सिपाही

12 हजार से अधिक बेटियों को मिला रोजगार का अवसर

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार पुलिस विभाग में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को एक साथ नियुक्ति पत्र सौंपे गए। गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 नव चयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस नियुक्ति प्रक्रिया में 12 हजार से अधिक लड़कियों को भी रोजगार का अवसर मिला है। जिससे प्रदेश भर में खासकर युवतियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। नव चयनित अभ्यर्थियों ने एक सुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की सराहना की।

बरेली की लवी चौहान ने कहा कि हमें मेहनत का फल मिला है। सीएम योगी की वजह से ईमानदारी से भर्ती संभव हो सकी है। एक भी रुपए कहीं देने की जरूरत नहीं पड़ी। वहीं, बरेली की इजमा बी ने कहा कि पहली बार योग्यता के आधार पर इतनी बड़ी संख्या में नौकरी मिली है। वहीं प्रीति अपने खानदान की पहली सरकारी नौकरी पाने वाली युवती बन गई हैं। उन्होंने कहा, यह सब सीएम योगी की नीतियों की वजह से संभव हो पाया है। फिरोजाबाद की नीति यादव और बरेली की राधा पाल ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब बेटियों को बराबरी का अवसर मिल रहा है। योगी सरकार की ईमानदार व्यवस्था से हजारों युवाओं के घरों में रोजगार का उजाला पहुंचा है। यह ऐतिहासिक भर्ती अभियान योगी सरकार की सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल बनकर उभरा है। जहां एक ओर युवाओं को रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर लड़कियों को भी सम्मान और आत्मनिर्भरता की राह मिली।

प्रयागराज के अनुराग शर्मा ने बताया कि पहले की सरकार के दौरान पैसे वालों को ही नौकरी मिलती थी, लेकिन अब मेहनत करने वालों को मौका मिल रहा है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था का परिणाम है। अमेठी के निवासी अखिलेश यादव ने बताया कि वे अपने परिवार के पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त नीतियों के कारण ही संभव हो पाया है।

रोजगार के महाकुंभ में अनुशासन और सुव्यवस्था का संगम

18 मंडलों से आए अभ्यर्थियों के बैठने की थी समुचित व्यवस्था

भीषण गर्मी में पानी और चिकित्सा इंतजाम से खुश थे अभ्यर्थी

लखनऊ, 15 जून (ब्यूरो)। रविवार को जब सूर्य उदय हुआ तो 60,244 से अधिक युवाओं के सपनों को पंख लग गए। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक तरफ प्रयागराज महाकुंभ में जहां 66 करोड़ श्रद्धालु उमड़े तो वहीं रविवार को 60,244 अभ्यर्थी एक साथ रोजगार के महाकुंभ में नियुक्ति पत्र लेने पहुंचे। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ पहुंचे अभ्यर्थियों के बावजूद यहां अनुशासन और सुव्यवस्था का जो संगम दिखा, सभी ने मुक्तकंठ से इसकी प्रशंसा की। प्रतिकूल मौसम में अनुकूल व्यवस्था पाकर अभ्यर्थियों ने योगी सरकार का आभार जताया।

60,244 से अधिक अभ्यर्थियों के साथ ही सुरक्षा और व्यवस्था में तैनात अधिकारी/कर्मचारी, फिर भी अनुशासन ऐसा कि जिसने भी देखा, मुरीद हो गया। बसों से आये नवचयनित अभ्यर्थी आयोजन स्थल पर एक साथ पंक्ति में जाकर बैठे। खाकी पैंट, सफेद शर्ट, सफेद टोपी पहने पुरुष अभ्यर्थी व सलवार सूट/साड़ी में 12000 से अधिक महिला अभ्यर्थियों का अनुशासन देखते ही बन रहा था। विपरीत मौसम भी ऐतिहासिक नियुक्ति पत्र वितरण में आए अभ्यर्थियों का हौसला न डिगा पाया। यहां अभ्यर्थी अपने जनपद से आए अधिकारियों के साथ अपने मंडल को निर्धारित ब्लॉक में जाकर बैठ गए। वहीं उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण किया था। उन्होंने व्यवस्थाओं के निमित्त कई निर्देश भी दिए थे। आयोजन स्थल पर भीषण गर्मी को देखते हुए पानी की समुचित व्यवस्था की गई थी। वहीं मेडिकल टीम भी पूरी तरह से मुस्तैद रही। यहां आए लोगों के लिए फर्स्ट एड समेत अन्य व्यवस्था की गई थी। सभी 18 मंडल से आए अभ्यर्थियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए छह ब्लॉक में अभ्यर्थियों की व्यवस्था की गई। ए से एफ तक मंडल के अनुसार बैठने, नियुक्ति पत्र वितरण की समुचित व्यवस्था की गई थी।

आपका स्मार्टफोन भी बता सकता है कि कहीं आपको कैंसर तो नहीं

कैंसर उन खतरनाक बीमारियों में से एक है जिनका फर्स्ट स्टेज पर पता न चले तो मरीज की जान पर बन आती है। कैंसर कई तरह का होता है लेकिन खतरनाक कैंसर टाइप में से एक है स्किन कैंसर। स्किन कैंसर का पता आपको आपकी त्वचा के कलर से भी पता चल सकता है। आज हम आपको ऐसे एप के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक छोटे से टेस्ट के बाद आपको बता देगा कि त्वचा का बदलाव कैंसर है या नहीं।

SkinVision एप :SkinVision नाम का ये एप अमेरिका और यूरोप में काफी चलन में है। ये एप एक अवेयरनेस मोबाइल ऐप्लिकेशन है जो आपकी स्किन में आ रहे बदलाव को ट्रैक करने में आपकी मदद करता है। ये आपको समय-समय पर आपकी स्किन के पॉजिटिव और नेगेटिव बदलावों की जानकारी देता रहता है। हालांकि हम आपको बता दें कि ये सिर्फ इतना ही एक्यूरेट है कि कैंसर के रिस्क के बारे में बता सके, कन्फर्म कराने के लिए आपको टेस्ट तो कराने ही होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल : इस एप को ऑन करके फोन के कैमरे से स्किन के उस हिस्से की तस्वीर लें जहां आपको बदलाव नजर आ रहा है। इस फोटो का एनालिसिस करने के बाद एप आपको कई तरह के रेमेंडेशन देगा। बता दें कि SkinVision ऐप आपको पिक्चर्स आर्काइव करने की भी सुविधा देता है। इससे आप स्किन में आ रहे चेंजेस की फोटोज आर्काइव करके डॉक्टर को दिखा सकते हैं।

पोकेमोन गो भी टेक्सटिंग जितना ही खतरनाक हैः शोध

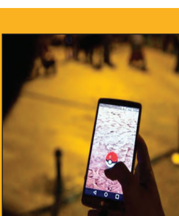

ह्यूस्टन। एक नए शोध में पता चला है कि रियलिटी गेम पोकेमोन गो खेलने से लोगों को उसी तरह के खतरे हो सकते हैं जिस तरह के टेक्सटिंग के दौरान पेश आते हैं। पोकेमोन गो इसी साल जुलाई में लॉन्च हुआ है। इसमें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की मदद से खिलाड़ी पोकेमोन को खोजते हैं, उन्हें पकड़ते हैं, उनसे लड़ते हैं और उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। ये पोकेमोन स्क्रीन पर इस तरह नजर आते हैं जैसे वे उसी असल दुनिया में हों जिसमें खिलाड़ी है।

यह गेम दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हुआ है और इसे 10 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। गेम के लॉन्च होने के बाद से ऐसी खबरें आने लगीं कि इसके खिलाड़ी गिर रहे हैं, चीजों से टकरा रहे हैं और यहां तक कि गेम खेलते हुए व्यस्त सड़कों पर पहुंच जा रहे हैं। अमेरिका की टेक्सास ए ऐंड एम यूनिवर्सिटी में शोध विज्ञानी कोनराड अर्नेस्ट ने कहा, मेरे खयाल से पोकेमोन गो के साथ परेशानी यह है कि यह बिलकुल ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां व्यक्ति की गति एकदम धीमी हो जाती है और लोग अपने पोकेमोन को पकड़ने के लिए विशेष दिशा में चलने लगते हैं।

बीते साल अर्नेस्ट ने चलते हुए टेक्सटिंग पर शोध किया था। इसमें पाया था कि बिना ध्यान भटकाए राहगीरों के मुकाबले टेक्सटिंग कर रहे और या संज्ञानात्मक रूप भटके राहगीरों की चलने की गति धीमी हो जाती है, वे अड़चनों से पार पाने के लिए ज्यादा और उंचे उंचे डग भरते हैं। अर्नेस्ट ने कहा, इसकी संभावना ज्यादा होती है कि जब क्रासवाक का संकेत साफ तौर पर जाने का नहीं होता है तो खिलाड़ी सड़क पार करें।

बारिश में भी महकता रहे घर

पहली बारिश की खुशबू तो सबको पसंद है, लेकिन लगातार बरसते पानी के कारण सीलन की गंध घरों में घुस ही जाती है। कपड़ों को भी धूप नहीं मिल पाती तो वे भी गंध छोड़ने लगते हैं, इसी तरह गार्डन में जमा पानी भी बदबू मारने लगता ह। कई वजह हैं जिनके कारण घरों में गंध समा जाती है। गंध को घर से भगाना कुछ मुश्किल नहीं है, सही

वक्त पर सही तरह की खुशबू को घर में रखेंगे तो ये मौसम और खुशनुमा हो जाएगा।

- लेमनग्रास, ऑरेंज जैसी सिट्रस खुशबू तरोताजा महसूस कराती हैं लेकिन इनका खास असर दिन के वक्त ही ज्यादा होता है।
- दिन के वक्त डिफ्यूजर का उपयोग लीविंग रूम्स और बाथरूम में कर सकते हैं। स्प्रे भी असर दिखाने वाले होते हैं।
- कपड़ों की गंध भगाने के लिए फ्रेंगरेंस सैशे का ही उनयोग करें, जिसे अलमारियों में रखा जा सकता है।
- शाम के वक्त वेपोराइजर्स का उपयोग करें। सेंटेड कैंडल्स भी माहौल में गर्माहट लाएंगी और बारिश की ठंडक को महसूस नहीं होने देंगी। बेडरूम्स में इनका प्रयोग किया जा सकता है।

सिर्फ आपको संगीत सुनाएंगे ये स्पीकर्स

कंपनी के यह स्पीकर कुछ अवॉर्ड्स भी जीत चुके हैं जबकि अभी तक ये प्री ऑर्डर स्टेज पर ही हैं। ये डायरेक्शनल ऑडियो डिवाइस है जो हाई फिडेलिटी साउंड को बाहर फेंकती है जिसे सिर्फ आप ही सुन सकते हैं। यह एक कम चौड़ी बीम के जरिए होता है जिसे आप अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर आप अपने बेडरूम में म्यूजिक सुनना चाह रहे हैं और पार्टनर को सोना है। हेडफोन की झंझट भी आपको नहीं चाहिए। आप असके स्पीकर को अपने कानों की कर दीजिए, जो साउंड बीम निकलेंगी वो सिर्फ आप तक ही पहुंचेंगी और पार्टनर को पता भी नहीं चलेगा कि कोई संगीत कमरे में बज रहा है। अस डायरेक्शनल साउंड कंट्रोल तकनीक से नॉइस पौल्यूशन भी नहीं होता है।

कंपनी ने तो बाकायदा नो मोर हेडफोन्स कैम्पेन भी चला रखा है।

akoustic-arts.com पर ये ए स्पीकर प्री ऑर्डर पर उपलब्ध हैं। ये दो आकार में मिल रहे हैं। जूनियर का आकार 9 बाय 9 सेमी है और बड़े का आकार 20 बाय 20 सेमी है। छोटे

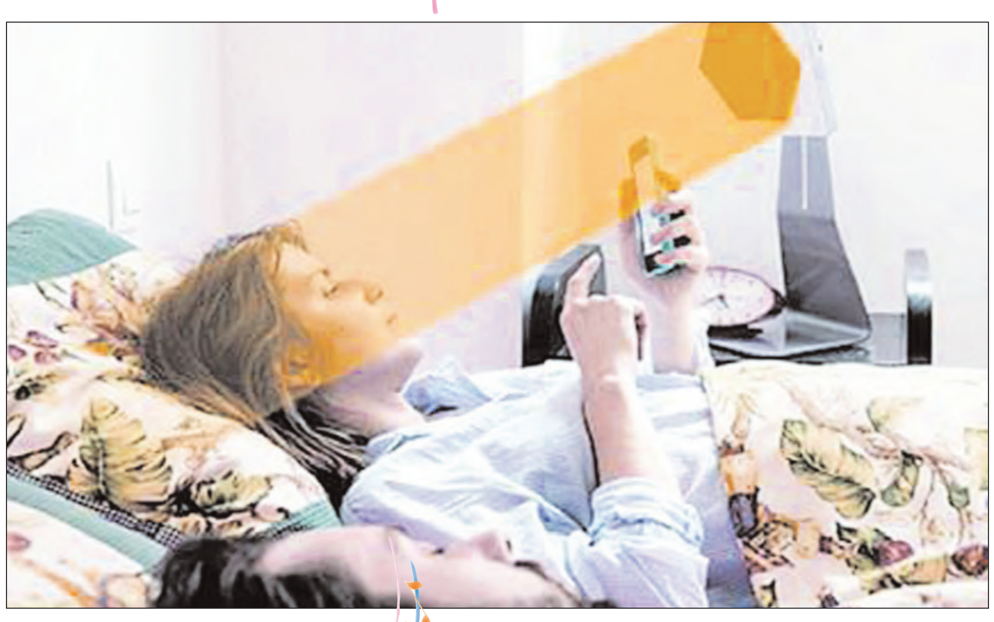

की कीमत 350 डॉलर है और बड़े की 550 डॉलर। जैसे ही यह कैम्पेन पूरा होगा इन दोनों की कीमत बढ़ना तय है। डिलेवरी मिलने के बाद इन स्पीकर्स को सेट करना भी बेहद आसान है।

सबसे पहले इनकी पैकिंग हटाइए, बैटरी कनेक्ट कीजिए, चार्जिंग केबल को स्पीकर में लगाइए और किसी भी डिवाइस(स्मार्टफोन, टेबलेट, लैपटॉप, स्टीरिओ, टीवी वगैरह) कनेक्ट कर दीजिए। ये कनेक्शन 3.5एमएम के मिनीजैक के जरिए होगा। ए स्पीकर के लिए ऐसेसरीज भी मिल रही हैं। जैसे एक स्टैंड के रिए आप इसे पास रखी मेज पर भी सेट कर सकते हैं। वॉल माउंट भी करवा सकते हैं। और तो और छत पर भी ये लग सकते हैं। ये ऐसेसरीज मात्र 50 डॉलर में प्री ऑर्डर कर 7 सकते हैं।

अब नहीं होगी दिक्कत बेल्ट खरीदने में

बेल्ट पहनना जितना आसान काम है, उतना ही मुश्किल उसे खरीदते वक्त चुनना है। ज्यादातर पुरुष नहीं जानते कि उन्हें बेल्ट खरीदते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस दिक्कत को हल करती कुछ बातें...

बेल्ट की लंबाई : बेल्ट की लंबाई की उसकी सुंदरता तय करती है। हद से ज्यादा लंबे बल्ट कभी सुंदर नहीं लग सकते। बड़े ब्रांड तो कमर के नाप के हिसाब से ही प्रोडक्ट निकालते हैं। आप जाइए और शॉपकीपर को कमर का नाप बताइए वो पूरी रेंज सामने रख देगा। सही तरीका भी यही है। अगर ब्रांडेड बेल्ट नहीं खरीद रहे हैं तो यह ध्यान रखिये कि बेल्ट पहनने के बाद अतिरिक्त हिस्सा पैंट के लेफ्ट साइड के पहले बकल से थोड़ा ही ज्यादा होना चाहिए। यह बचा हिस्सा अगर दूसरे बकल तक पहुंच गया तो बात बिगड़ जाएगी।

बकल्स की चौड़ाई : जितना चौड़ा बकल आप लेंगे, उतना ही कम फॉर्मल यह लगेगा। बड़े बकल कैजुअल ड्रेसिंग पर ही अच्छे लगते हैं। पैंट्स पर तो कतई नहीं! बड़े बकल्स में राउंड शेप सबसे ज्यादा चलन में होता है, फिर चाहे आप इसे गोल्ड फिनिश में लें या सिल्वर फिनिश में। इन्हें स्टाइल करते वक्त ध्यान रखें कि अगर आप जिस रंग की आपने कफलिंक्स, टाई पिन पहनी हो उसी से मैच करता हुआ बेल्ट का बकल होना चाहिए। यह जरूर ध्यान रखें कि वेडिंग रिंग से इसे कभी मैच नहीं करना है।

जितना पतला और सिंपल बकल होगा, उतना ही यह फॉर्मल लगेगा। ऑफिस के लिए यही ठीक रहते हैं। जीन्स पर यह कम अच्छे लगते हैं। जीन्स के लिए बड़े बकल ही बेहतर ऑप्शन हैं और यह उन्हें बेहतर ढंग से थामते भी हैं।

रंग की बात : लेदर का रंग हमेशा ही लेदर से मैच करता हुआ होना चाहिए। ब्लैक जूते पहने हैं तो ब्लैक बेल्ट पहन सकते हैं, ब्राउन लेदर शू पर ब्राउन बेल्ट ही सुंदर लगेगा। फिनि का भी आपको ध्यान रखना होगा। मैट फिनिश के शूज के साथ मैट फिनिश बेल्ट ही अच्छा लगेगा। इसी तरह ग्लॉसी बेल्ट्स के साथ शाइनी शू पहने होना चाहिए।

ये टिप्स भी हैं काम की...

- ब्रैडेड बेल्ट यानी चोटी की तरह गूंथे हुए बेल्ट में कभी भी बकल के लिए छेद न करवाएं। इसमें बीच में जो जगह होती है उसका उपयोग किया जाना चाहिए।
- ज्यादातर बेल्ट काल्फस्किन के बने होते हैं। जितना ज्यादा यह सॉफ्ट होगा, उतनी ही हाई क्वालिटी का होगा।
- कड़क बेल्ट में दरारें पड़ने का डर होता है। इन्हें खरीदने से बचा जाना चाहिए।
- अच्छे स्टोर पर बेल्ट काटकर भी दिए जाते हैं। आकार के हिसाब से यहां जानकार इसे काट देते हैं।
- बड़े ब्रांडों का नाम भी अक्सर बेल्ट पर उभरा रहता है लेकिन यह याद रखें कि बेल्ट इतने छोटे होते हैं कि इन्हें कोई भी दूर से नोटिस नहीं कर पाता है। बेहद छोटे नामों के पीछे खासी रकम खर्चने से बच सकते हैं। इसकी जगह तो क्वालिटी पर इनवेस्ट करना चाहिए।

अब तो अपना ही लीजिए साइकिल

कुछ के लिए यह विचार ही अजीब हो सकता लेकिन यकीं मानिये साइकिल को जीवन के किसी भी पड़ाव पर जिंदगी में शामिल करने के जबरदस्त फायदे हैं। फिट रहने का भी शौक रखते हैं तो ये सवारी वाकई आपकी है। पेश हैं कुछ कारण जो आपको साइकिल खरीदने के लिए प्रेरित करेंगे।

इको फ्रेंडली राइड

प्रकृति की चिंता करने के लिए जरूरी नहीं कि किसी पर्यावरण संस्था से जुट जाएं। आपकी जरा-सी कोशिश से भी बड़ा फर्क आ सकता है। साइक्लिंग करें और एयर पॉल्यूशन कम करने की हर सम्भव कोशिश करें। कार चलाने की आदत कुछ दिन के लिए ही छोड़े और फर्क महसूस करें। यह खुशी इतनी बड़ी महसूस होने लगेगी की कि खुद-ब-खुद काम से काम कार चलाएंगे।

सबसे जरूरी सेहत

जब जिम में साइकिल शामिल कर ली गई है तो अंदाजा लगा सकते हैं कि सेहत के मामले में इसे चलाने के कितने फायदे हैं। साइकिल चलाना मजेदार तो है ही, इससे आपके शरीर के कई अंग एक साथ काम करते हैं। यह ब्लड सर्क्युलेशन बेहतर करती है और इसकी सवारी करने वालों को दिल की बीमारी होने के भी बेहद कम चांस होते हैं। आंखों की रोशनी बेहतर करना चाहते हैं तो भी रेग्युलर सायक्लिंग करें। सायक्लिंग से तनाव भी काफी कम होजाता है और इस तरह ये हमारे इमोशनल डेवलपमेंट में भी मदद देती है।

कई झंझट खत्म

साइकिल को अपनी सवारी बनाने के कई फायदे धन के गणित से भी जुड़े हैं। यह फाइनेंशियल बर्डन जरा नहीं है। इसकी सवारी से शहरों में जगह-जगह लगने वाले जाम से भी आप बच सकते हैं। इस तरह हर जगह आप वक्त पर पहुंचेंगे। इसकी सवारी से आप खुद को ज्यादा डाइनैमिक मानने लगेंगे और काफी हद तक तनाव रहित महसूस करेंगे। मजेदार तो यह है कि इसे चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की भी जरूरत नहीं पत्ती और न ही टैक्स देना पत्ता है। इसलिए जल्द ही अपने लिए एक साइकिल खरीदें और लाइफ को आसान बनाएं। पेट्रोल का पैसा, रिपेयरिंग का खर्च वगैरह आप बचाएंगे वो अलग।

देखें दुनिया करीब से

कार या स्कूटर की सवारी काफी तेज होती है। इस गति की वजह से आप कई चीजें ठीक से देख भी नहीं पाते जो अक्सर आपके रास्ते में होती है। साइकिल से आप ये नजारे देख पाएंगे और नजदीक से महसूस कर पाएंगे। वैसे भी सायक्लिंग एक तरह की लत है। जिनको साइकिल चलाने की आदत है वे इसके बिना नहीं रह पाते। किसी भी संडे को अपने शहर में एक सायक्लिंग एडवेंचर प्लान करने से मजेदार क्या हो सकता है। हर शहर के पास ऐसी जगह होती ही हैं जहां साइकिल से जाया और आया जा सकता है। रास्ते में कई लैंडस्केप्स मिलते हैं जिन्हे पहले देखा ही नहीं होता है। याद रखिये कि साइकिल पर चलकर दुनिया को बिलकुल अलग नजर से देखा जा सकता है और ऐसी जगह घूम सकते हैं जहां पहले कभी नहीं गए।

हरी मिर्च खाने के ये फायदे चौंका देंगे आपको...

हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है. यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, लुटेन - जॉक्सन्थिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं. वैसे तो आमतौर पर इसका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए ही किया जाता रहा है लेकिन हाल में हुए कई शोध इस बात का दावा करते हैं कि हरी मिर्च खाने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है.

1. हरी मिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है. विटामिन सी दूसरे विटामिन्स को शरीर में भली प्रकार अवशोषित होने में मदद करता है.
2. हरी मिर्च एंटी-ऑक्सीडेंट का एक अच्छा माध्यम है. हरी मिर्च में डाइट्री फाइबर्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जिससे पाचन क्रिया सुचारू बनी रहती है.
3. विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है.
4. हाल में हुई कुछ स्टडीज के अनुसार, हरी मिर्च ब्लड शुगर को कम करने में कारगर होती है .

इन बातों से बनेगा आपका दमदार व्यक्तित्व

अभी तक यह माना जाता था कि व्यक्तित्व जन्मजात होता है और वह बदला नहीं जा सकता है। पिछले कुछ सालों से कुछ विशेषज्ञों ने यह सिद्ध किया है कि अभ्यास और ट्रेनिंग से आपके व्यक्तित्व को बदला जा सकता है। इसके लिए आपको परिश्रम करना होगा और समर्पण के साथ प्रयास करने होंगे। तभी आप अपने व्यक्तित्व में ऐसे परिवर्तन ला पाएंगे जिनके सहारे आप एकेडमिक और व्यवसायिक सफलता हासिल पाएंगे। देखें क्या हैं वे जरूरी तत्व जो देते हैं हमें दमदार पर्सनैलिटी।

कॉन्फिडेंस : व्यक्तित्व आपकी संपूर्णता का ही एक हिस्सा है, इसलिए यह जरूरी है कि आप जिस दिशा में सोच रहे हैं, विश्वास कर रहे हैं और काम कर रहे हैं उसमें दृढ़ता दिखाएं। यह दूसरों के लिए नहीं, स्वयं अपने लिए जरूरी है। फिर यह भी जरूरी है कि आप अपनी प्रतिभा और योग्यता पर विश्वास रखें और यह यकीन भी रखें कि आप हर उस बाधा को पार कर लेंगे जो आपके सामने आएगी। यदि आप एक टास्क को पूरा करने में लगे हुए हैं तो आप फिर से ड्राइंग बोर्ड की तरफ लौटें। अपनी योजना का एक प्लान बनाएं और उसमें आने वाले सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर पूरी तरह से विचार करें। 90 प्रतिशत मामलों में यदि आप अपने प्रयासों को लेकर आश्वस्त हैं असफलता की आशंका कम होती जाती है।

अक्सर यह बताया जाता है कि हरेक व्यक्ति अपने आप में विशिष्ट है और इसलिए दुनिया में उसके जैसा

कोई और हो ही नहीं सकता है। हालांकि यह हमें बहुत ही घिसा-पिटा लगता है लेकिन यह सही है। इसका संबंध हमारे विशिष्ट स्वभाव, राय या व्यवहार से है जो हमें दूसरों की नजर में इंट्रेस्टिंग बनाता है, और यही हमारे व्यक्तित्व का सबसे जरूरी हिस्सा भी होता है। अत: जरूरी है कि किसी की तरह होने की बजाए खुद हों। ज्यादातर मामलों में, सफलता पाने के लिए लोग दूसरों के विचारों और व्यवहारों की नकल करते हैं। जबकि ऐसी चीजें थोड़े समय के लिए लाभकारी हो सकती है, यह बाद में काम नहीं करती है। हां जरूरी यह है कि आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचानें और उन पर काम करें और फिर उस हिसाब से अपने व्यक्तित्व को ढालें।

अटायर : ज्यादातर विशेषज्ञ इस बात पर यकीन करते हैं कि व्यक्तित्व प्रारंभिक तौर पर एक व्यक्ति की योग्यता, क्षमता से ही बनती है। लेकिन आपका अटायर या जो कपड़े आप पहनते हैं वह इस नियम का अपवाद है। आपकी भौतिक उपस्थिति की लोग अमूमन उपेक्षा करते हैं, यदि आपका अटायर इस बात को प्रभावित करता है कि आप लोगों के सामने कैसे जाते हैं? आपको हमेशा ऐसे कपड़े पहनना चाहिए जो आपके स्ट्रक्चर, आपके बॉडी टाइप और अवसर के अनुकूल हों।

बॉडी लैंग्वेज : आज के दौर में आपकी बॉडी लैंग्वेज आपके बारे में उससे ज्यादा कह देती है, जितना आप स्वयं कहकर या फिर अपने ज्ञान से नहीं कह सकते हैं। यहां तक कि आपके त्वरित हावभाव और आपका दिन-प्रतिदिन का व्यवहार जिसे आप उतना महत्व नहीं देते हैं लेकिन वही आपके व्यक्तित्व के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। आप कैसे बैठते हैं, कैसे बोलते, हाथ मिलाते हैं या फिर अभिवादन करते हैं, किस तरह बातचीत के दौरान आप नजरें मिलाते हैं यह सब कुछ आपके व्यक्तित्व का हिस्सा है। इसलिए जरूरी है कि आप इसका अच्छे से अभ्यास करें।

वाकपटु स्वभाव : आपकी बॉडी लैंग्वेज, संवाद-कौशल चाहे लिखित हो या मौखिक आपके व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोकप्रिय विश्वास से अलग बातचीत भी एक तरह की कला है और यह शिष्टता, भद्रता और रचनात्मकता का मिलाजुला रूप है, तभी यह ज्यादा प्रभावोत्पादक हो सकता है। ज्यादातर मामलों में, लोग औपचारिक लिखित कम्युनिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, लेकिन जैसे ही बात मौखिक होती है, उन्हें मुश्किल आती है। याद रखें यह भी आपके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग है। किस तरह से आप अपने विचार व्यक्त करते हैं, आपके शब्दों का चयन क्या होता है, बात करने का लहजा कैसा है, जिस विषय पर चर्चा हो रही है उसमें आपकी सहभागिता कैसी है और आपकी बॉडी लैंग्वेज कैसी है यह सब अच्छे कम्युनिकेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिष्ट व विनम्र स्वभाव : आपका व्यक्तित्व आपकी आदत और व्यवहार के पैटर्न से भी परिभाषित होता है। और यही आपके रोजमर्रा के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए आपका स्वभाव ऐसा होना चाहिए कि वह दूसरों पर गहरा प्रभाव डालें।

शिष्ट-शालीन और विनम्रता के साथ सहज व्यवहार अब भी फैशन से बाहर नहीं हुआ है। उल्टा, ये सारी चीजें आपके व्यक्तित्व में गिनी जाएंगी।

अपनी रुचि तराशें : अपने व्यक्तित्व के विस्तार के लिए जरूरी है कि आप अपने ज्ञान का स्तर बढ़ाएं, ज्यादा से ज्यादा अनुभव लें। ज्यादा पढ़ें, कुछ नया सीखें। अपनी रुचि विकसित करें, क्योंकि जितना अधिक आपका एक्सपोजर होगा, आप उतना ज्यादा सीखेंगे। और यही आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करेगा जो आपके प्रतिस्पर्धी पर आपको बढ़त देगा।

संपादकीय

सर्वदलीय बैठक जरूरी

जो 'भारत-दूत' देश की नीतियों और सोच, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का संकल्प प्रस्तुत करने विदेश गए थे, वे स्वदेश लौट आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात की और उनके अनुभवों को सुना। यह मुलाकात और संवाद ही लोकतंत्र की सच्ची विविधता है। लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद, पूर्व विदेश मंत्रियों के अलावा, वरिष्ठ राजनयिक भी विदेशों में भेजे गए थे। उन्हें 'भारतदूत' का विशेषण दिया गया, क्योंकि वे विदेश में भारत के ही चेहरे थे। उनकी यही राष्ट्रीय पहचान थी। राजनीतिक पहचान गौण हो चुकी थी। कुल 7 प्रतिनिधि मंडलों में 59 सांसद और राजनयिक थे, जिन्होंने 33 देशों का प्रवास किया। भारत ने यह कूटनीतिक प्रयोग पहली बार किया, जो अपनी बात रखने में कामयाब रहा। किसी भी देश ने भारत का विरोध नहीं किया। यह भी तथ्य सामने आया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से कमोबेश 100 देश ऐसे हैं, जिन्होंने भारत की तरह ही आतंकवाद का दंश झेला है। उनमें 'ग्लोबल साउथ' के अफ्रीकी देश भी हैं, जिनका आतंकवाद शेष विश्व ने साझा नहीं किया है, लिहाजा उन्होंने आतंकवाद पर भारत का नेतृत्व स्वीकार करने की बात कही। अमरीका समेत प्रमुख यूरोपीय देशों ने भारत के पक्ष का समर्थन किया, लेकिन देश में विभिन्न टीवी चैनलों के स्तर पर अलग ही व्याख्याएं की जा रही हैं। बहरहाल बुनियादी मुद्दा पाकपरस्त आतंकवाद का था, जिसके कारण 'ऑपरेशन सिंदूर' तक की नौबत आई। हालांकि भारत अब भी मानता है कि संघर्ष दो देशों और उनकी अवाम के बीच नहीं है। वह आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने का ऑपरेशन था। हमारे 'भारतदूतों' ने विदेश में राजनीतिक नेतृत्व, नागरिक समाज, थिंक टैंक, उद्योग जगत के नेतृत्व और भारतीय प्रवासी समुदाय आदि से मुलाकातें कीं। संवाद और संबोधन के जरिए विदेशों को खुलासा किया गया कि आतंकियों के अड्डे और करीब 170 आतंकियों को मौत के घाट उतारना क्यों अनिवार्य था? यदि 9-10 मई की दरमियानी रात में युद्ध जैसे हालात बने, तो उसके लिए पाकिस्तान दोषी था, क्योंकि आतंकियों पर किए गए प्रहार को उसने पाकिस्तान के अस्तित्व पर हमला मान लिया और भारत के सैन्य तथा नागरिक ठिकानों पर हवाई हमले किए। भारत को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी, नतीजतन पाकिस्तान के संवेदनशील, महत्वपूर्ण एयरबेस, रनवे, रडार एवं एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिए गए। उसके बाद कथित संघर्ष-विराम घोषित कर दिया गया। सैन्य कार्रवाई विराम को अब एक माह बीत चुका है, लेकिन विपक्ष अब भी वही सवाल रट रहा है- पहलगाम नरसंहार के आतंकी कहां फरार हो गए? वे 'अमरनाथ यात्रा' के दौरान भी हमला कर सकते हैं! मोदी सरकार की विदेश नीति नाकाम साबित हुई, लिहाजा 'भारतदूत' के रूप में विपक्षी सांसदों, नेताओं को विदेश भेजना पड़ा? संसद का मॉनसून सत्र अभी काफी दूर है, लिहाजा सरकार एक और बार सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुला लेती? आतंकवाद के मोर्चे पर अमरीका भारत और पाकिस्तान को 'समान महत्व के देश' मानता है, क्या भारत इस कूटनीति को उचित मानता है? क्या अमरीका के इस रवैये का भारत को उचित, राजनयिक जवाब नहीं देना चाहिए? अमरीका की केंद्रीय कमान के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने कहा है कि कोई 'बाइनरी स्विच' नहीं हो सकता कि यदि वाशिंगटन के नई दिल्ली से संबंध हैं, तो इस्लामाबाद के साथ रिश्ता नहीं हो सकता। जनरल का मानना है कि आईएसआईएस-खुरासान अमरीका समेत अन्य देशों के खिलाफ भी साजिश रचने वाले सक्रिय आतंकी संगठनों में से एक है। पाकिस्तान उसके खिलाफ लड़ाई में मदद करता है। बहरहाल वही घिसे-पिटे सवाल करने से न तो भारत ताकतवर होगा और न ही मोदी सरकार ढह जाएगी। बेशक कुछ सवाल इतने जरूरी हैं कि उनके जवाब मिलने चाहिए और वह सरकार ही देगी, लेकिन उतावलेपन से क्या हासिल होगा? संसद सत्र आ रहा है। विपक्ष अपने सवाल और रणनीति तैयार कर ले, लेकिन ध्यान रहे कि सवालों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात की और उनके अनुभवों को सुना। यह मुलाकात और संवाद ही लोकतंत्र की सच्ची विविधता है। लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद, पूर्व विदेश मंत्रियों के अलावा, वरिष्ठ राजनयिक भी विदेशों में भेजे गए थे। उन्हें 'भारतदूत' का विशेषण दिया गया, क्योंकि वे विदेश में भारत के ही चेहरे थे। उनकी यही राष्ट्रीय पहचान थी। राजनीतिक पहचान गौण हो चुकी थी। कुल 7 प्रतिनिधि मंडलों में 59 सांसद और राजनयिक थे, जिन्होंने 33 देशों का प्रवास किया। भारत ने यह कूटनीतिक प्रयोग पहली बार किया, जो अपनी बात रखने में कामयाब रहा। किसी भी देश ने भारत का विरोध नहीं किया। यह भी तथ्य सामने आया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से कमोबेश 100 देश ऐसे हैं, जिन्होंने भारत की तरह ही आतंकवाद का दंश झेला है। उनमें 'ग्लोबल साउथ' के अफ्रीकी देश भी हैं, जिनका आतंकवाद शेष विश्व ने साझा नहीं किया है, लिहाजा उन्होंने आतंकवाद पर भारत का नेतृत्व स्वीकार करने की बात कही।

भारत की न्यायिक प्रणाली दुनिया की सबसे ईमानदार और मजबूत संस्थाओं में शुमार हो सकती है

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर राजनीति की आंच से बचाव, जस्टिस गवई का साहसिक कदम

अजय वुमार

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा तभी कायम रह सकता है जब न्याय केवल हो ही नहीं, बल्कि होता हुआ भी दिखे और जस्टिस गवई की तरह अगर हर न्यायाधीश यह तय कर ले कि उनका काम सिर्प न्याय करना है, किसी पुरस्कार की उम्मीद में नहीं, तब ही भारत की न्यायिक प्रणाली दुनिया की सबसे ईमानदार और मजबूत संस्थाओं में शुमार हो सकती है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर राजनीति की आंच से बचाव, जस्टिस गवई का साहसिक कदम भारत की न्यायपालिका में एक नई और ऐतिहासिक पहल की शुरुआत हुईं है, जब देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस भूषण रामवृष्ण गवई ने यह ऐलान किया कि वे रिटायरमेंट के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। इस साहसिक निर्णय ने सिर्प न्यायपालिका की गरिमा को नया सम्मान दिया है, बल्कि जनता के मन में भरोसे की उस डोर को भी मजबूत किया है जो पिछले वुछ समय से कईं घटनाओं के चलते कमजोर होती जा रही थी। यूनाइटेड किंगडम में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यांम में उन्होंने कहा कि उनके वुछ अन्य साथी न्यायाधीशों ने भी यह संकल्प लिया है कि वे भी सेवानिवृत्ति के बाद किसी सरकारी पद या राजनीतिक दल से जुड़ाव नहीं रखेंगे। चीफ जस्टिस गवईं का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह बयान अप्रत्यक्ष रूप से उन घटनाओं की ओर इशारा करता है, जिनमें वुछ रिटायर्ड जजों ने सरकारी पद स्वीकार किये हैं या राजनीति में सायि भागीदारी ली है। मसलन, पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोईं को राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में नामित किया गया और हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय बीजेपी में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं और सांसद बन चुके हैं। जस्टिस गवईं का कहना है कि अगर कोईं जज रिटायरमेंट के बाद तुरंत कोईं सरकारी पद या राजनीतिक जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तो इससे जनता के बीच यह संदेश जाता है कि शायद उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पैसले किसी स्वार्थ या लालच के तहत लिये थे। इससे न्यायपालिका की साख पर आंच आती है और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। वे कहते हैं, ''न्यायपालिका को केवल न्याय करना नहीं चाहिए, बल्कि ऐसा भी दिखना चाहिए कि वह पूरी तरह निष्पक्ष और ईंमानदार है। लोगों का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।'' भारत में न्यायपालिका को संविधान द्वारा स्वतंत्र और स्वायत्त घोषित किया गया है। लेकिन जब रिटायरमेंट के बाद कोई जज राजनीतिक दल में शामिल होता है या किसी सरकारी संस्था में उच्च पद ग्रहण करता है, तो इस स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो जाते हैं। यह सवाल केवल

वर्तमान के बारे में नहीं है, बल्कि यह भविष्य के लिए भी एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत हो सकती है, जिसमें न्यायिक पदों का राजनीतिक उपयोग होने लगे। जस्टिस गवईं का यह रुख ऐसे समय में आया है जब देश में न्यायपालिका और सरकार के बीच कईं मुद्दों को लेकर टकराव की स्थिति बनी हुईं है। हाल ही में चुनाव आयुत्तों की नियुत्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि नियुत्ति समिति में मुख्य न्यायाधीश या उनके प्रतिनिधि को शामिल किया जाए, लेकिन वेंद्र सरकार ने संसद से कानून पास कर इस व्यवस्था को बदल दिया और समिति से न्यायपालिका को बाहर कर दिया। इस घटनाव्राम ने फिर से न्यायपालिका की भूमिका और अधिकारों पर बहस को जन्म दे दिया। सिर्प राजनीतिक नियुत्तियों की बात नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कईं हाईं प्रोफाइल मामलों में भी सरकार की भूमिका पर सवाल उठाये हैं। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ एसआईंटी जांच की खबर सोशल मीडिया पर छाईं रही, लेकिन वे अब भी मंत्री पद पर बने हुए हैं। वहीं अशोका यूनिर्वसिटी के प्रोपेसर अली खान महमूदाबाद को भी एसआईंटी जांच का सामना करना पड़ा और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। यह दोहरे मापदंड न्यायपालिका पर उठ रहे सवालों को और हवा देते हैं। इन सबके बीच, जस्टिस गवईं ने कॉलेजियम प्रणाली की भी आलोचना की, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को किसी भी हाल में खतरे में नहीं डाला जा सकता। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम में पारर्दशिता की कमी है, लेकिन कोईं भी सुधार इस तरह नहीं होना चाहिए कि जजों की नियुत्ति पर सरकार का नियंत्रण बढ़ जाए। उनका यह बयान उस चल रही बहस में एक संतुलित दृष्टिकोण लेकर आया है, जिसमें कॉलेजियम प्रणाली को खत्म कर न्यायिक नियुत्तियों में कार्यपालिका की भूमिका बढ़ाने की मांग हो रही है। आज का दौर ऐसा है जब न्यायपालिका को सिर्प निष्पक्ष न्याय देने के अलावा खुद को निष्पक्ष दिखाने की भी जिम्मेदारी उठानी होगी। जस्टिस गवईं ने यह भी सुझाव दिया कि जजों की संपत्ति सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि जनता को यह भरोसा हो कि जज किसी भी तरह के लालच या दबाव में नहीं हैं। यह विचार न केवल पारर्दशिता को बढ़ावा देता है बल्कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता को भी मजबूत करता है। इस पूरी चर्चा का एक पहलू यह भी है कि न्यायपालिका में लंबे समय से वुछ नाम ऐसे उभरे हैं, जिन्होंने सेवा के बाद ऐसे निर्णय लिये जो विवाद का कारण बने। रंजन गोगोईं का राज्यसभा में जाना उस समय सरुखियों में रहा जब उन्होंने रापेल, राम मंदिर और एनआरसी जैसे महत्वपूर्ण मामलों में पैसले दिए थे। इसी तरह, जज अभिजीत गंगोपाध्याय ने टीचर भता घोटाले से जुड़े मामलों में सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और बाद में बीजेपी से चुनाव लड़कर संसद पहुंचे। इन घटनाओं ने यह संदेह पैदा किया कि कहीं जजों के पैसलों के पीछे भविष्य के लाभ की योजना तो नहीं छुपी होती? इस संदर्भ में, जस्टिस गवईं का निर्णय एक मिसाल बन सकता है, अगर आने वाले समय में अन्य न्यायाधीश भी इसी परंपरा का पालन करें। यह केवल एक व्यत्तिगत निर्णय नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और न्यायिक प्रणाली के लिए एक नयी दिशा और सोच का प्रतीक बन सकता है। लेकिन इस सब के बावजूद बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तरह के व्यत्तिगत निर्णयों से पूरे सिस्टम की खामियों को दूर किया जा सकता है? कॉलेजियम सिस्टम की अपारर्दशिता, जजों की जवाबदेही की कमी, न्यायिक नियुत्तियों में भाईं-भतीजावाद, और सरकार की बढ़ती दखल जैसे मुद्दों का समाधान केवल नैतिकता के भरोसे छोड़ा जा सकता है? सिस्टम में व्यापक सुधार की आवश्यकता अब पहले से कहीं ज्यादा है। संसद और न्यायपालिका के बीच विश्वास की डोर को मजबूत करने के लिए संवैधानिक मर्यादाओं और संतुलन की पुनस्र्थापना जरूरी है। न्यायपालिका को न केवल स्वतंत्र रहना चाहिए, बल्कि स्वतंत्र दिखना भी चाहिए। जस्टिस बीआर गवईं का पैसला इसलिए अहम है क्योंकि यह न केवल न्यायपालिका की छवि सुधारने का प्रयास है, बल्कि यह जनता को यह संदेश भी देता है कि देश में अब भी ऐसे लोग हैं जो सिर्प अपने पद की गरिमा के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए भी खड़े हैं। उनकी यह पहल भारत की न्यायिक प्रणाली को नईं दिशा दे सकती है अगर इसे एक स्थायी परंपरा में बदला जाए। न्यायपालिका पर जनता का भरोसा तभी कायम रह सकता है जब न्याय केवल हो ही नहीं, बल्कि होता हुआ भी दिखे। और जस्टिस गवईं की तरह अगर हर न्यायाधीश यह तय कर ले कि उनका काम सिर्प न्याय करना है, किसी पुरस्कार की उम्मीद में नहीं, तब ही भारत की न्यायिक प्रणाली दुनिया की सबसे ईंमानदार और मजबूत संस्थाओं में शुमार हो सकती है।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर राजनीति की आंच से बचाव, जस्टिस गवईं का साहसिक कदम भारत की न्यायपालिका में एक नईं और ऐतिहासिक पहल की शुरुआत हुईं है, जब देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस भूषण रामवृष्ण गवईं ने यह ऐलान किया कि वे रिटायरमेंट के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। इस साहसिक निर्णय ने सिर्प न्यायपालिका की गरिमा को नया सम्मान दिया है, बल्कि जनता के मन में भरोसे की उस डोर को भी मजबूत किया है जो पिछले वुछ समय से कईं घटनाओं के चलते कमजोर होती जा रही थी। यूनाइटेड किंगडम में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यांम में उन्होंने कहा कि उनके वुछ अन्य साथी न्यायाधीशों ने भी यह संकल्प लिया है कि वे भी सेवानिवृत्ति के बाद किसी सरकारी पद या राजनीतिक दल से जुड़ाव नहीं रखेंगे। चीफ जस्टिस गवईं का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं।

देश दुनिया से

लंबी यात्रा का प्रथम पग

सप्त सिंधु के मध्यकालीन इतिहास में दशगुरु परंपरा द्वारा स्थापित उदासी पंथ, सेवा पंथ, निर्मला पंथ और खालसा पंथ का ऐतिहासिक महत्व है। इन चारों पंथों को अलग-अलग काम दिए गए। इन चारों पंथों का प्रसार देश के लगभग हर हिस्से में हुआ। उदासी पंथ का एक मंदिर तो आज भी मध्य एशिया के अजरबैजान के बाकू शहर में मिलता है, जिसे आजकल वहां की सरकार का पुरातत्व विभाग संभालता है। कल्पना की जा सकती है कि उदासी पंथ के साधु गुरुवाणी के प्रचार-प्रसार के लिए कहां-कहां यात्रा करते रहे। जिस प्रकार कभी महात्मा बुद्ध के अनुयायी मध्य एशिया और चीन तक भारतीय दर्शन के प्रसार के लिए गए थे, उसी प्रकार उदासी साधु तत्व मीमांसा के लिए दूर-दूर तक पहुंचे। इन उदासी साधुओं ने ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन इसमें मुख्य कारण इन तपस्वी साधुओं का स्वयं का आचारण भी था। सेवा पंथ धर्म की सबसे सुंदर व्याख्या प्रस्तुत करता है। दशम गुरु श्री गोविंद सिंह जी के अनुयायी एक साथ एक ही स्थान पर कार्यरत हैं। वह स्थान युद्धभूमि है। गुरु जी के सैनिक युद्धभूमि में मुगल सेना से लड़ रहे हैं। जाहिर है दोनों पक्षों के सैनिक हताहत हो रहे हैं। गुरु जी ने इसी युद्धभूमि में अपना एक दूसरा अनुयायी भी तैनात किया हुआ है। वह अनुयायी भाई कन्हैया जी हैं। उनको गुरु जी ने आहत सैनिकों को पानी पिलाने का कार्य दिया है, ताकि जितना संभव हो सके, आहत सैनिकों को बचाया जा सके। गुरु जी के अनुयायियों का एक समूह प्राणपन से विरोधी सैनिकों को मारने में लगा है और उनका दूसरा अनुयायी उनको उतनी ही शिद्दत से बचाने के काम में भी लगा हुआ है। गुरु जी के सैनिकों ने आकर गुरुजी से शिकायत की कि भाई कन्हैया मुगलों के आहत सैनिकों को भी पानी पिला-पिला कर बचाने की कोशिश करता है। गुरु जी ने दोनों पक्षों की बात सुनी। भाई कन्हैया जी ने अपना स्पष्टीकरण दिया कि उन्हें तो घायल दिखता है, किसका घायल है, इसमें मैं कैसे भेद कर सकता हूं। उसने प्रतीक रूप में कहा कि मुझे तो आपका स्वरूप ही नजर आता है। गुरु जी ने उसके उत्तर से संतुष्ट होकर उसे मरहम वगैरह कुछ औषधियां भी दे दीं ताकि वह घायलों का ध्यान और भी अच्छे तरीके से रख सके। इस घटना का भाष्य स्पष्ट है। सैनिक का धर्म मारना है। अतः गुरु जी के सैनिक अपने धर्म का पालन कर रहे हैं। चिकित्सक यानी डाक्टर का धर्म घायल को बचाना है। डाक्टर इस आधार पर तो घायल से भेदभाव नहीं कर सकता कि घायल मेरा मित्र है या शत्रु, घायल इसका है या उसका। इस प्रकार कन्हैया जी भी अपने धर्म का पालन कर रहे थे। इस घटना में मारने वाले भी गुरु जी के साथी थे और लड़ाई से घायलों को बचाने वाले भी गुरु जी के शिष्य थे। दोनों ही अपने-अपने धर्म का पालन कर रहे थे। सैनिक अपने धर्म का पालन कर रहे थे और कन्हैया जी चिकित्सक के धर्म का पालन कर रहे थे। ऊपर से देखने पर दोनों का व्यवहार या धर्म परस्पर विरोधी दिखाई देता है। लेकिन गहराई से देखने पर दोनों के व्यवहार या धर्म में कोई विरोध नहीं है। दोनों ही अपने-अपने धर्म के अनुसार व्यवहार कर रहे हैं। धर्म की इससे सुंदर व्याख्या और भला क्या हो सकती है। भारत में धर्म का यही संकल्प है। एक ही व्यक्ति के अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग धर्म हो सकते हैं। पिता के नाते उसका अलग धर्म है। बेटे के नाते उसका अलग धर्म है। पति के नाते उसका अलग धर्म है। इसीलिए कहा गया है कि सभी को अपने-अपने धर्म का पालन करना चाहिए। अपना धर्म छोडक़र, यदि कोई दूसरे के धर्म का पालन करना शुरू कर दे तो अराजकता फैल जाती है। उदाहरण के लिए यदि सैनिक, डाक्टर के धर्म का पालन करना शुरू कर दें और डाक्टर सैनिक के धर्म का पालन करना शुरू कर दें तो अराजकता फैल जाती है। कहने का अभिप्राय है कि दशगुरु परंपरा के अलग-अलग पंथों के अलग-अलग कार्यक्षेत्र हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में गुरु जी के निर्मला पंथ को समझना होगा। दशम गुरु का निर्मला पंथ शास्त्र साधना का प्रतीक था और उनका खालसा पंथ शस्त्र साधना का प्रतीक था। निर्मला पंथ का साधक संत है और खालसा पंथ का साधक सिपाही है। लेकिन गुरु जी ने दोनों को एक साथ धारण किया था। इसीलिए वे संत सिपाही कहलाए। दोनों को एक साथ धारण करना वास्तव में बहुत ही कठिन साधना है। मध्यकाल में शस्त्र और शास्त्र की समन्वित साधना का मार्ग पहली बार गुरु जी ने ही प्रशस्त किया था। गुरु गोविंद सिंह जी ज्ञान एवं शौर्य के पुंज थे। निर्मला पंथ के आश्रम देश के विभिन्न हिस्सों में मिलते हैं। गुरु जी के खालसा पंथ को यह श्रेय जाता है कि उनके समन्वित प्रयासों से विदेशी मुगल शासन का अंत करने में सहायता मिली। कालांतर में खालसा पंथ 'निहंग समाज' के रूप में स्थिर हो गया। निहंगों की टकसालें आज भी सक्रिय हैं और गुरु ग्रंथ साहिब के साथ-साथ दशम ग्रंथ का अध्ययन और अभ्यास करती हैं। गुरु जी द्वारा स्थापित खालसा पंथ की चर्चा और उसके इतिहास के बारे में तो सारे देश में चर्चा होती है, लेकिन उनके निर्मला पंथ के बारे में पंजाब से बाहर जानकारियां कम ही हैं। उदासी पंथ और सेवा पंथ के बारे में तो चर्चा और भी कम होती है।

कुछ अलग

आहत बापू के बोल...

आज हमारे बीच गांधी होते तो रंज और मलाल से अपना सिर पकड़ लेते। आज न तो उनके अनशन की पूछ होती और न ही सत्याग्रह चल पाता। घोटालों की बाढ़ में उनके कुछ भी समझ में नहीं आता कि वे क्या करें या क्या न करें? ऐसी सरकार जिसमें बेमियादी अनशन करने वालों को खुद ही अनशन तोडऩा पड़े तो गांधी बेचारे आखिर करते भी क्या? गूंगी और बहरी बनी सरकार गांधी की गलफांस बन जाती। इस नक्कारखाने में लंगोटी वाले की सुनता भी कौन? मैं खुद आहत हूं, पशोपेश में हूं। गांधी चौक पार्क में जाकर गांधी की प्रतिमा के सामने खड़ा हो गया। अपलक उन्हें देखता रहा, आवाज आई – ''क्यों बेटा क्या बात है? मुझे जिस काल में कोई देखना नहीं चाहता, ऐसे में तुम अपना आहत हृदय लेकर क्यों वक्त बरबाद कर रहे हो?'' ''बाबा, देश का क्या होगा?'' मैंने प्रश्न किया तो मुस्कान के साथ आवाज आई -''किसका देश और कौनसा देश?'' ''बापू आपका भारतवर्ष।'' मेरे यह कहने पर प्रतिमा ने उत्तर दिया -''यह तुम्हारा वहम है बेटा। भारत नहीं यह अंग्रेजों का इंडिया बन गया है फिर से। भारत होता तो उसके सिद्धांत और संस्कृति का चलन होता। भारत बहुत पीछे छूट गया है। देशभक्ति का जज्बा आज है किसमें? सब इसे बेतहाशा गति से लूट रहे हैं। अब यह सोने की चिडिया नहीं रहा है। दूध-दही की नदियां नहीं बहती अब। चाय को राष्ट्रीय पेय बनाने की बहस चल रही है। बूचडख़ानों में रोज हजारों गायों की हत्याएं हो रही हैं। इसलिए दुखी होने से क्या फायदा। जाओ तुम भी इसी भीड़ में शामिल हो जाओ।'' मैं बोला -''नहीं बापू, इस देश को रास्ता दिखाओ, वरना यह तो आत्मघात की ओर बढ़ रहा है।'' ''बेटा, मैंने अन्ना नाम का एक बूढ़ा भेजा था, लोग उसे बेवकूफ बनाकर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हैं और उसकी किसने सुनी। जंतर-मंतर से वह भी चला गया। राजघाट आया तब मैंने उससे कहा था -''अन्ना, मत सिरफोड़ी करो। जाओ गांवों में गरीबों की सेवा करो। लेकिन टीम के बहाने आए लोग ही सत्ता सुख के सपने देखने लगे। उसकी दशा आज मेरी जैसी ही है। आहत होकर पड़ा है। निर्णय लेने की क्षमता इस मारामारी और आपाधापी के युग में खत्म हो गई है।'' ''तो बापू, मैं क्या करूं? मैं बहुत दुखी हूं। यहां का एक साधारण आम गरीब हूं। पेट की आग शांत करने का मार्ग सुझाओ।'' मैंने पूछा तो बापू बोले-''गरीब हो, यह मेरा और तुम्हारा दुर्भाग्य है। गरीबी हटाओ के कार्यक्रमों में तुमने देख ही लिया। नेता सब हड़प जाते हैं। गरीब रोते हैं। जिस देश का नेता भ्रष्ट हो, उसे भला कौन संभाल सकता है। जाओ अपने घर। मैं क्या बताऊं पेट की आग बुझाने का मार्ग!'' मैंने देखा बापू की प्रतिमा से दो बूंद अश्रु ढुलक पड़े। बोले -''बेटा मुझे जगह-जगह पूरे देश में खड़ा कर दिया गया है, मेरे आदर्श आज धूल चाट रहे हैं।

आप का नजरिया

आत्मनिर्भरता की कसौटियां

हिमाचल के मुख्यमंत्री राज्य की जेब में आत्मनिर्भरता का आत्मबल डालना चाहते हैं। जाहिर है आर्थिक चुनौतियों के दलदल को दरकिनार करके आगे बढऩा उस परिस्थिति में और भी मुश्किल है जब केंद्र की ओर से राज्य के अधिकार नजरअंदाज हो रहे हों। सपने और समृद्धि में हकीकत भर का अंतर है। बेशक कृषि और बागबानी क्षेत्र में नए प्रोत्साहन सामने आए हैं और ब्रांड हिमाचल के तहत मार्केटिंग के नए औजार-प्रचार इस्तेमाल हुए। गांव की मक्की अब अगर बाजार में उपभोक्ता खरीद का एक प्रतिष्ठित पैमाना है, तो प्राकृतिक खेती के मुहरबंद उत्पादों की ओर एक बड़ी संभावना का पीछा हिमाचल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आर्थिकी को बढ़ावा देने के लिए अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड दिया है। ऊना में आलू प्रसंस्करण प्लांट व नादौन में स्पाइस पार्क के अलावा कृषि उत्पादों का मानकीकरण अब 'हल्दी' को भी हिमाचल के नाम से बेचेगा। वैसे हिमाचली शहद, राजमाह, ब्राउन राइस, चायपत्ती, मिर्च, लहसुन, अदरक, अनारदाना व अनेक जड़ी-बूटियां पहले ही राज्य की महक लिए हुए बिक रही हैं, लेकिन ब्रांड हिमाचल की कसौटी में अगर मार्केटिंग की श्रृंखला खड़ी हो जाए, तो राष्ट्रीय पहचान में एक बड़ा बाजार प्रतीक्षारत रहेगा। हिम ईरा पोर्टल इस दिशा में एक प्रमुख उत्प्रेरक सिद्ध हो रहा है। राज्य के भीतर हिम ईरा के बिक्री केंद्र सीधे हिमाचली उत्पादों की गारंटी दे रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल प्रदेश राज्य हस्तशिल्प और हथकरघा निगम के निदेशक मंडल की बैठक भी आश्वस्त करती है। चंडीगढ़ में निगम अपने उत्पादों के बिक्री केंद्र के जरिए उद्यमशीलता को परवान चढ़ाना चाहता है। हिमाचल की आत्मनिर्भरता के सामने पिछले कुछ दशकों का उधार बाकी है। कर्ज लेने की रफ्तार अगर एक लाख करोड़ तक पहुंच रही है, तो यह हमारे व्यवहार की अशुद्धि भी है। हमने कर्ज को कल्याणकारी-कर्मचारी राज्य बनने की खुराक मान लिया। कर्ज इसलिए बढ़ा कि हमने निजी क्षेत्र को सदा पीछे किया। हमने जरूरत से ज्यादा स्कूल-कालेज ही नहीं, बल्कि मेडिकल कालेज व विश्वविद्यालय भी बना दिए। इमारतों के खंडहर में दफन हैं आहें, यहां कभी लोगों की तालियों से खरीदे थे पत्थर। आत्मनिर्भर हिमाचल का नए सिरे से पुनर्गठन करना होगा। आत्मनिर्भर हिमाचल को फिर से बसाना होगा। कहीं छोटा, तो कहीं बड़ा दिखाना होगा। नौकरी को सरकारी नौकरी बना कर हमने रोजगार के तमाम अवसर खो दिए। अगर कायदे से राज्य में आधा दर्जन आई टी पार्क भी बसा दिए होते, तो हमारे इंजीनियर और एमबीए बच्चे आर्थिकी का संबल बन जाते। आज भी सब्जी-फ्रूट मंडियों के दुकानदार पड़ोसी राज्यों के कोल्डस्टोर में अपना सामान रखते हैं, तो क्यों न हर मंडी को नई दृष्टि से सशक्त किया जाए। चंडीगढ़ के आसपास हमसे एक संपन्न हिमाचल अलग होकर वहां की रीयल एस्टेट का सहारा बन गया, तो क्या ऊना व नूरपुर में बड़े शहर बसा कर हम इस आर्थिक क्षमता को सहेज कर अपना उत्थान नहीं कर पाते। हमारी आर्थिकी को आज भी पंजाब पुनर्गठन ने रोका है, बड़े बांधों और बड़ी विद्युत परियोजनाओं ने रौंदा है।

दृष्टि कोण

प्रदेश को क्रीड़ा संस्थान की आवश्यकता

भारत 2036 के ओलंपिक व 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर चुका है। ऐसे में देश के खिलाडियों को इन खेलों में पदक विजेता प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश जहां यूरोप व अमेरिका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान हो, क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढिया प्रशिक्षण स्थल है, मगर वहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्वपटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कराने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश

में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम दे पाया हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोडक़र अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्य भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमियां खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही वह प्रशिक्षण सुविधा मिल सके।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

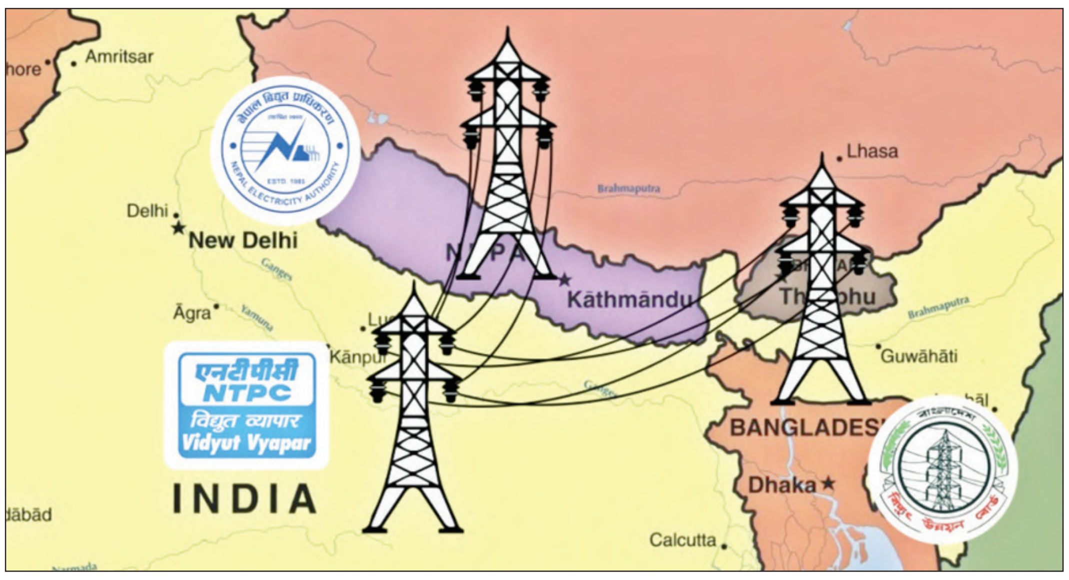

नेपाल भारत के रास्ते बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा

काठमांडू, 15 जून (एजेंसियां)। **नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते के तहत भारत के रास्ते नेपाल ने बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली के निर्यात करने का काम शुरू किया है।**

पिछले वर्ष हुए इस समझौते के बाद 15 नवंबर को आखिरी दिन बिजली निर्यात का सफल परीक्षण किया गया था। इसकी औपचारिक शुरुआत की गई है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात की शुरुआत की गई।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक हितेंद्र शाक्य के मुताबिक 15 नवंबर तक प्रतिदिन बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात की जाएगी। भारत के रास्ते यह बिजली बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्र तक निर्यात की जा रही है।

नेपाल से निर्यात की गई बिजली बिहार के मुजफ्फरपुर से होते हुए बांग्लादेश के बहरामपुर भेडमारा 400 ट्रांसमिशन लाइन के जरिए भेजा जा रहा है। नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने कहा कि अब तक सिर्फ भारत को ही निर्यात की जा रही बिजली अब बांग्लादेश में भी शुरुआत होना नेपाल के ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते के मुताबिक हर वर्ष 15 जून से 15 नवंबर तक नेपाल, भारत के रास्ते बांग्लादेश को बिजली निर्यात कर सकता है। नेपाल से विद्युत खरीद के लिए बांग्लादेश प्रति यूनिट 6.4 सेंट के दर से पैसे भुगतान कर रहा है। भारत के प्रसारण लाइन का प्रयोग करने पर उसे अलग से भुगतान करना पड़ेगा।

नेपाल सरकार ने 2035 तक 28000 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर 10000 मेगावाट बिजली भारत को, 5000 मेगावाट बिजली बांग्लादेश तथा 3000 मेगावाट बिजली नेपाल में खपत के लिए प्रयोग में लाने का लक्ष्य रखा है।

न्यूज ब्रीफ

कोई भी शराब सेहत के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं

लंदन। भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र के 22.4 प्रतिशत पुरुष और 0.7 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक, यह प्रतिशत अलग-अलग राज्यों में भिन्न है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, गोवा और तेलंगाना में पुरुषों द्वारा शराब पीने की दर सबसे अधिक पाई गई है। जब समाज का एक बड़ा वर्ग शराब का सेवन कर रहा हो, तो यह जानना भी जरूरी हो जाता है कि शराब के कौन-से प्रकार स्वास्थ्य की दृष्टि से अपेक्षाकृत कम नुकसानदायक हो सकते हैं। हालांकि कोई भी शराब पूरी तरह सुरक्षित नहीं है, फिर भी एल्कोहॉल कंटेंट के आधार पर कुछ विकल्प तुलनात्मक रूप से 'बेहतर' माने जा सकते हैं। बीयर को एल्कोहॉल की मात्रा कम होने के कारण एक हल्का विकल्प माना जाता है। इसमें कुछ खनिज और विटामिन्स भी होते हैं, लेकिन ज़्यादा मात्रा में सेवन से वजन बढ़ सकता है और लीवर को नुकसान हो सकता है। साइडर, जो सेब से बनती है और 4-7 प्रतिशत एल्कोहॉल युक्त होती है, स्वाद में हल्की और फाइबर युक्त होती है। इन दोनों विकल्पों को कभी-कभार सीमित मात्रा में पीने पर कम हानिकारक माना जाता है। वाइन, खासकर रेड वाइन, 11-13 प्रतिशत एल्कोहॉल कंटेंट के साथ आती है और इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स जैसे रेस्वेराट्रॉल दिल की सेहत के लिए थोड़ा फायदेमंद हो सकता है। लेकिन इसे भी सीमित मात्रा, यानी एक ग्लास तक ही सीमित रखना चाहिए। इसके विपरीत वोडका और व्हिस्की में एल्कोहॉल की मात्रा 35-50 प्रतिशत के बीच होती है, जो कि स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकती है। ये केवल संयम में ही पीनी चाहिए, और विशेषकर नियमित रूप से नहीं।

ठीक से नहीं सोए तो बढ सकता है दिल की बीमारियों का खतरा

स्टॉकहोल्म। अगर कोई व्यक्ति लगातार तीन रातों तक ठीक से नहीं सोता है, तो उसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। यह खुलासा हुआ है स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए ताजा अध्ययन में। नींद की कमी से शरीर में सूजन की मात्रा बढ़ जाती है, जो हृदय रोगों का कारण बन सकती है। यह रिसर्च खास तौर पर स्वस्थ और जवान लोगों पर किया गया, जिससे यह पता चला कि नींद का दिल के स्वास्थ्य पर प्रभाव जीवन के शुरुआती दौर से ही महत्वपूर्ण होता है। अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता डॉ. जोनाथन सेडरनेस ने बताया कि पहले किए गए ज्यादातर शोध अधेड़ उम्र के लोगों पर केंद्रित थे, जो पहले से ही दिल की बीमारियों के जोखिम में होते हैं। लेकिन इस बार पूरी तरह स्वस्थ और जवान पुरुषों को तीन रातों तक कम नींद दी गई, जिससे उनके शरीर में सूजन और हृदय से जुड़ी अन्य बायोमार्कर्स की मात्रा बढ़ी। अध्ययन में 16 स्वस्थ पुरुषों को शामिल किया गया, जिनका वजन और नींद का सामान्य पैटर्न था।

एआई की मदद से पता कर सकते हैं टाइप 1 डायबिटीज का खतरा

सिडनी। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा अत्याधुनिक उपकरण विकसित किया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(एआई) की मदद से व्यक्ति के स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण करके यह अनुमान लगा सकता है कि उसे भविष्य में टाइप 1 डायबिटीज होने का कितना खतरा है। यह दावा किया है ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने। यह उपकरण केवल संभावित खतरे की पहचान नहीं करता, बल्कि यह भी बताने में सक्षम है कि मरीज के शरीर पर इलाज का किस प्रकार असर होगा। शोधकर्ताओं ने इस उपकरण में 'डायनेमिक रिस्क स्कोर फॉर क्लीनिकल केयर' (डीआरएस4सी) नामक प्रणाली का इस्तेमाल किया है, जो माइक्रो आरएनए आधारित तकनीक पर काम करती है। इसमें खून से प्राप्त बेहद छोटे आरएनए अंशों के विश्लेषण के ज़रिए यह पता लगाया जाता है कि व्यक्ति में टाइप 1 डायबिटीज विकसित होने की कितनी संभावना है। जानकारी के मुताबिक, यह उपकरण विशेष रूप से बच्चों के लिए उपयोगी हो सकता है, क्योंकि उनमें यह बीमारी तेजी से फैलती है और जीवन प्रत्याशा को औसतन 16 साल तक घटा सकती है। ऐसे में समय रहते खतरे की पहचान होने पर इलाज जल्द शुरू किया जा सकता है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने गोली मारकर और जलाकर की 100 लोगों की हत्या

अबुजा, 15 जून (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश नाइजीरिया के एक गांव में बंदूकधारियों ने भयावह हमले करते हुए 100 से ज्यादा लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी है।

बंदूकधारियों ने बेन्यू राज्य के येलेवाटा गांव में इस घटना को अंजाम दिया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने इसकी पुष्टि की है।

शुक्रवार देर रात गांव में पहुंचे बंदूकधारी शनिवार सुबह तक लोगों को ढूंढ-ढूंढकर उनकी हत्या करते रहे। इससे पूरा गांव किसी खुले कब्रिस्तान में बदल गया, जहां चारों ओर लाशें बिखरी थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, येलेवाटा में हुए इस भीषण हमले के बाद कई लोग लापता हैं। उनके या तो बच निकलने या फिर अपहरण किए जाने की आशंका है। वहीं दर्जनों लोग घायल हैं। इनको उचित चिकित्सा देखभाल भी नहीं मिल पा रही है। बेन्यू राज्य में हालिया समय में इस तरह के नरसंहार के मामले लगातार देखे गए हैं। मुस्लिम और ईसाई आबादी वाले देश नाइजीरिया में बढ़ते हमलों को लेकर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने चिंता जताई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है, हमलावरों ने कई परिवारों को उनके घरों में बंद कर जिंदा जला दिया। ये जुल्म की इंतहा है। हम बेन्यू राज्य में हमलों के खतरनाक बढने का दस्तावेजीकरण कर रहे हैं, जहां बंदूकधारी बिना किसी डर के लोगों को मार रहे हैं।

उसने कहा, ये हमले बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन रहे हैं। इस तरह की हिंसा से वहां की खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है क्योंकि ज्यादातर पीड़ित किसान हैं।

नाइजीरिया का बेन्यू राज्य देश के मध्य में है। इस क्षेत्र में लंबे समय से हरीभरी जमीन की तलाश करने वाले चरवाहों और खेती करने वाले किसानों के बीच हिंसा होती रहती है।

भूमि के विवाद अक्सर बढ़ते हुए जातीय और धार्मिक तनाव का कारण बन जाते हैं।

इन हमलों के लिए अधिकतर फुलानी चरवाहों को दोषी ठहराया जाता है। ये पारंपरिक खेती वाले इलाकों में मवेशियों को चरवाते हैं। किसान इनपर खेतों को नष्ट करने का आरोप लगाते हैं।इस क्षेत्र में पिछले महीने भी संदिग्ध चरवाहों ने ग्वेर पश्चिम जिले में कम से कम 42 लोगों की हत्या कर दी थी।

एसबीएम इंटेलिजेंस के अनुसार, 2019 से इस तरह की झड़पों में 500 से अधिक लोग मारे गए हैं और करीब 22 लाख लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हुए हैं।

नाइजीरियाई सरकार ने बेन्यू राज्य में शांति स्थापित करने के लिए कई प्रयास किए हैं, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली है।

पुतिन ने की इजराइल-ईरान युद्ध रोकने की मांग, ट्रंप से भी हुई चर्चा

मॉस्को, 15 जून (एजेंसियां)। मध्यस्थ देश ओमान ने इस बात की पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच इस सप्ताह के अंत में प्रस्तावित छठे दौर की परमाणु वार्ता को रद्द कर दिया गया है। वहीं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीयर स्टारमर और ट्रंप दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि संकट का समाधान कूटनीति और संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर बातचीत कर इस बात पर सहमति जताई कि यह युद्ध अब समाप्त होना चाहिए। ट्रंप ने यह जानकारी शनिवार को ट्रुथ सोशल पर दी और बताया कि पुतिन ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के साथ-साथ ईरान-इजरायल संकट पर लंबी बातचीत की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, पुतिन ने मुझे फोन किया, उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। लेकिन इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी हम दोनों इस बात सहमत हुए कि यह युद्ध खत्म होनी चाहिए। आपको बता दें कि रूसी राष्ट्रपति खुद युक्रेन के खिलाफ करीब तीन वर्षों से युद्ध लड़ रहे हैं। भारत और अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों ने उनसे युद्ध समाप्त करने की अपील की है।इजरायल ने अपनी सैन्य कार्रवाई के तहत ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिनमें ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी और सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी की मौत हो गई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन हमलों को ईरानी परमाणु खतरे को पीछे धकेलने की कार्रवाई बताया और दावा किया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम इस स्तर पर पहुंच चुका था कि वहां से वापस नहीं आया जा सकता था। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश बलपूर्वक जवाब देगा और इसके बाद ईरान ने तेल अवीव सहित कई ठिकानों पर मिसाइल हमले किए।

मिनेसोटा में 'नो किंग्स' रैलियां रद्द, दो विधायकों पर हमले के बाद प्रशासन सतर्क

मिनेसोटा में 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत शनिवार को होने वाली सभी रैलियां उस वक्त रद्द कर दी गईं जब दो डेमोक्रेटिक सांसदों और उनके जीवनसाथियों पर जानलेवा हमला हुआ। राज्य पुलिस की ओर से सुरक्षा कारणों से लोगों से प्रदर्शन में शामिल न होने की अपील की गई थी। राज्य पेट्रोल की कर्नल क्रिस्टिना बोगोयेविक ने कहा कि अत्यधिक सतर्कता के दृष्टिकोण से लोगों को रैलियों से दूर रहने की सलाह दी गई। राजनीतिक हिंसा की आशंका के चलते आयोजकों ने लिया फैसला उन्होंने बताया कि भले ही पुलिस के पास इस बात के कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं कि प्रदर्शन लक्षित हो सकते हैं, लेकिन संदिग्ध की कार से 'नो किंग्स' से जुड़े फ्लायर बरामद हुए हैं। शनिवार तड़के ब्रुकलिन पार्क स्थित अपने घर में मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं, एक अन्य राज्य सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर भी चैंपलिन स्थित उनके घर में गोलियां चलाई गईं, जिससे वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने इन घटनाओं को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। 'नो किंग्स' अभियान के आयोजकों ने राज्यभर में प्रस्तावित सभी प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पुलिस की सिफारिश और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

दुबई की गगनचुंबी इमारत टाइगर टॉवर में लगी भीषण आग करीब 4 हजार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

दुबई, 15 जून (एजेंसियां)। दुबई के मरीना क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध टाइगर टॉवर (मरीना पिनेकल) में देर रात भीषण आग लग गई। घटना के वक्त इमारत में लगभग 4,000 लोग मौजूद थे। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से 3,800 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और एक बड़े हादसे को टाल दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें अचानक ऊपरी मंजिलों तक फैल गईं। दमकल विभाग, रेस्क्यू टीम और पुलिस ने मिलकर रातभर बचाव और कूलिंग ऑपरेशन चलाया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि आग देर रात टाइगर टॉवर की ऊपरी मंजिलों पर लगी थी। इस बीच प्रशासनिक अमले ने तत्परता दिखाते हुए करीब 3,800 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। बताया जा रहा है कि कूलिंग ऑपरेशन अभी भी जारी है। आग लगने के कारणों की जांच चल रही है। पूरी स्थिति नियंत्रण में है।

प्रशासन की तत्परता ने बचाई जानें – दुबई सिविल डिफेंस विभाग की तत्परता और समन्वय से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। टॉवर से सटे इलाकों को भी एहतियातन खाली कराया गया। स्थानीय पुलिस और अधिकारी स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

तीसरी बड़ी आग की घटना – पिछले दो वर्षों में दुबई की गगनचुंबी इमारतों में आग की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 2023 और 2024 में भी मरीना और डाउनटाउन क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। फिलहाल, अग्निकांड की वजह और नुकसान के सही आंकलन के लिए प्रशासन की टीम जांच में जुटी है। टाइगर टॉवर के निवासियों को फिलहाल पास के होटलों और राहत केंद्रों में ठहराया गया है।

इजरायइल-ईरान युद्ध पर 2 खेमों में बंटी दुनिया, किस की तरफ है भारत

वॉशिंगटन, 15 जून (एजेंसियां)। इजरायल और ईरान के बीच चल रहे मौजूदा संघर्ष को लेकर पूरी दुनिया दो धड़ों में बंट गई है। इजरायल का दावा है कि उसकी यह कार्रवाई दुनिया के अस्तित्व को बचाने के लिए है। ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है और इसे रोकना जरूरी था। इजरायल की कार्रवाई पर अमेरिका, फ्रांस, यूके, जर्मनी और इटली जैसे देश खुलकर उसके समर्थन में हैं, वहीं चीन, यमन, इराक विरोध में हैं। वहीं, भारत ने शनिवार को कहा कि उसने इजरायल-ईरान के संघर्ष पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बयान पर चर्चा में भाग नहीं लिया। इस दौरान भारत ने तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने अपने बयान में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को अपने ईरानी समकक्ष के साथ इस मामले पर चर्चा की और घटनाक्रम पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गहरी चिंता से अवगत कराया। एमईए ने कहा, एससीओ ने 13 जून को इजरायल और ईरान के बीच हाल के घटनाक्रमों पर बयान जारी किया। इसमें संगठन ने ईरान पर हमले के लिए इजरायल की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि हम आग्रह करते हैं कि बातचीत और कूटनीति के माध्यमों का उपयोग तनाव कम करने की दिशा में काम करने के लिए किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की

स्थिति से अन्य एससीओ सदस्यों को अवगत करा दिया गया है। दरअसल, ईरान एससीओ का सदस्य है। बयान में कहा गया कि एससीओ सदस्य देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी स्थिति का शांतिपूर्ण, राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से समाधान करने की दृढ़ता से वकालत करते हैं। इसमें इजरायल के हमले की निंदा करने के लिए आग्रह किया गया था। हालांकि, भारत ने अब इस पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

इटली: इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने बातचीत का आह्वान किया है। बयान में कहा कि तजानी ने ईरान से इजरायल के साथ संघर्ष में सैन्य वृद्धि से बचने का आह्वान किया, जो पूरे क्षेत्र के लिए बेहद खतरनाक होगा।

पाकिस्तान: पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर लिखा है कि ईरान पर अनुचित इजरायली हमलों की कड़ी निंदा करता हूं। पाकिस्तान ईरान की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है।

तुर्किये: इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हवाई हमला दिखाता है कि इजरायल नहीं चाहता कि मुद्दों को कूटनीतिक तरीकों से सुलझाया जाए।

फ्रांस: फ्रांस ने सभी पक्षों से आगे की स्थिति को और खराब करने से बचने का आग्रह किया है। विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने एक्स पर पोस्ट किया कि पेरिस ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को लेकर चिंता में है और इजरायल के साथ है।

कतर: कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजरायली उल्लंघनों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार कतर इजरायली हमले की कड़ी निंदा करता है और इसे ईरान की संप्रभुता व सुरक्षा का घोर उल्लंघन मानता है।

यूके: ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टारमर ने कहा कि ईरान पर इजरायल के हमले चिंताजनक हैं और सभी पक्षों को पीछे हटकर तनाव कम करने की जरूरत है।

चीन: विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने चीन इस अभियान के गंभीर परिणामों को लेकर बहुत चिंतित है। बीजिंग करीबी नजर रख रहा है और ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने वाली कार्रवाइयों का विरोध करता है।

मालदीव और भारत के बीच 40 करोड़ डॉलर अदला-बदली से विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

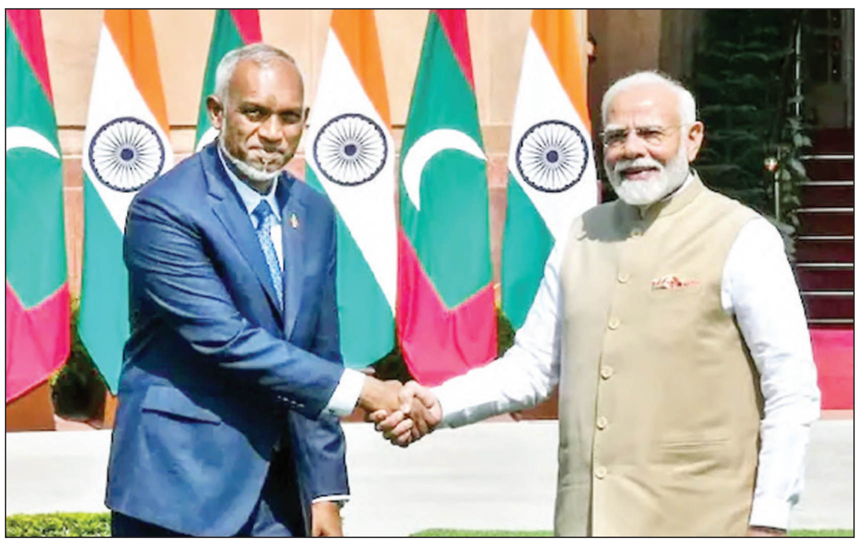

माले, 15 जून (एजेंसियां) ।

मालदीव में एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जो विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। भारत और मालदीव के बीच हुई 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मुद्रा अदला-बदली के बाद सरकार ने इसे स्वीकार किया है।

इस समझौते ने मालदीव की सीसी रेटिंग की पुष्टि कर दी है। भारतीय उच्चायोग ने इस समझौते की सराहना करते हुए कहा कि यह मालदीव के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि लाने में सहायक साबित होगा।

इस अनुबंध के तहत 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लेन-देन हुआ, जिससे मालदीव को आर्थिक मजबूती मिल सकती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण (एमएमए) के बीच इस मुद्रा अदला-बदली के बारे में अक्टूबर 2024 को एक समझौता हुआ था। यह अनुबंध मालदीव के लिए फिच क्रेडिट रेटिंग द्वारा उल्लिखित बाहरी नकदी तनाव को कम कर सकता है।

इस समझौते के माध्यम से, भारत और मालदीव के बाहरी भंडारों में सुधार होने की संभावना है, जिससे दोनों देशों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है। यह समझौता भारत और मालदीव के बीच मजबूत आर्थिक मित्रता का संकेत हो सकता है।

अमेरिका में बिकने वाले 97 फीसदी आईफोन भारत में बने

नई दिल्ली। एपल ने अमेरिका में बिकने वाले अपने आईफोन की विपरीत स्थिति में सततता बनाए रखने के लिए भारत में नेटवर्क को मजबूत कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च से मई 2025 के बीच, भारत से जितने भी आईफोन एक्सपोर्ट किए गए, उनमें से 97 फीसदी अमेरिका को भेजे गए हैं। एपल ने इन आईफोन को अमेरिका के लिए भारत में बनाने का निर्णय लिया है। मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए ताजा आंकड़ों के अनुसार सिर्फ मई महीने में ही भारत से क़रीब 1 बिलियन डॉलर के आईफोन अमेरिका भेजे गए हैं। इससे पता चलता है कि एपल अब अमेरिकी बाजार के लिए भारत में आईफोन की मानवाहन कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 23 मई को कहा था कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाती, तो उस पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

हीरो फिनकॉर्प ने आईपीओ पूर्व दोर में 260 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प की वित्तीय सेवा इकाई हीरो फिनकॉर्प ने अपने नए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूर्व नियोजन दौर में 260 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे नए निर्गम का आकार 2,100 करोड़ रुपये से घटकर 1,840 करोड़ रुपये रह गया है। अब कुल आईपीओ 3,408 करोड़ रुपये है। इसमें मौजूदा निवेशकों की ओर से 1,568 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। पहले आईपीओ का कुल आकार 3,668 करोड़ रुपये था। कंपनी को मई में आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिली थी। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी का पूंजी आधार बढ़ाने के लिए किया जाएगा, ताकि भविष्य की कर्ज गतिविधियों के लिए कोष की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

अमेरिका ने आव्रजन नीतियां ठीक से लागू नहीं कीं : जेपी मॉर्गन

न्यूयॉर्क। जेपी मॉर्गन चेस के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेमी डिमन ने योग्यता आधारित आव्रजन के लिए समर्थन जताते हुए कहा है कि अमेरिका ने आव्रजन नीतियों को ठीक से लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपरिहार्य है। यह अपरिहार्य नहीं है क्योंकि हम बेहतर हैं। यह अपरिहार्य है क्योंकि हमारे पास दुनिया की सबसे अच्छी सेना है, दुनिया का सबसे समृद्ध राष्ट्र है, दुनिया की सबसे अच्छी अर्थव्यवस्था है, सबसे अच्छी प्रौद्योगिकी है, उस प्रौद्योगिकी की जड़ें हैं, हमारे पास जो आजादी हैं। यही वह है जो लोगों को यहां खींच कर लाया है। उनकी टिप्पणी पिछले सप्ताह सैन फ्रांसिस्को में डेटा प्लस एआई समिट-2025 में डेटाब्रिक्स के सीईओ और सह-संस्थापक अली घोडसी के साथ बातचीत के दौरान आई। डिमन ने कहा कि अमेरिका की भूमिका अपरिहार्य है। वह भूमिका आर्थिक है, वह सैन्य है, वह शिक्षा है, वह लोगों को यहां आने, यहां रहने की इच्छा रखने, और अधिक योग्यता की अनुमति दे रही है। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।

बोइंग ने अहमदाबाद विमान हादसे के बाद चीन को 787-9 विमान दिया

वाशिंगटन । अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के दो दिन बाद अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने चीन को एक नया 787-9 विमान सौंपा। इससे पहले अहमदाबाद में बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 275 लोगों की मौत हुई थी। चीनी मीडिया के अनुसार बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। इसके बाद 9 जून को शियामेन एयरलाइंस के लिए भी एक बोइंग 737 मैक्स विमान चीन पहुंचा। मई में चीन ने विमान खरीदी पर लगाई थी रोक एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे। बोइंग और जुनयाओ एयरलाइंस ने इस डिलीवरी पर टिप्पणी करने से किया इनकार चीनी सरकार ने यह आदेश अमेरिका के 145 फीसदी टैरिफ के जवाब में दिया था। अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स की खरीद रोकने का आदेश भी दिया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच लंदन में दो दिन की बातचीत हुई, जिसमें टैरिफ दरों पर एक समझौता हुआ। बोइंग के लिए चीन एक महत्वपूर्ण बाजार कोरोना महामारी से पहले, बोइंग के लगभग एक तिहाई 737 विमान देश में डिलीवर किए जा रहे थे। बोइंग के अनुमान के अनुसार अगले दो दशकों में चीन ग्लोबल एयरप्लेन डिमांड का 20 फीसदी हिस्सा होगा।

ब्याज दरों में कटौती के बाद हुआ निवेशकों का भरोसा मजबूत

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां) ।

विदेशी निवेशकों का भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद भरोसा मजबूत हुआ। यही वजह हैक कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपए का निवेश किया।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों, 9 जून से 13 जून के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। बाजार में सकारात्मक माहौल मुख्य रूप से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने के फैसले से जुड़ा था, जिसे कई लोगों ने आर्थिक विकास को समर्थन देने और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज दरों में इस आश्चर्यजनक कटौती ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि यह केंद्रीय बैंक के विकास समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

6 जून को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय का निवेशकों ने स्वागत किया है। निवेशकों ने इसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कॉर्पोरेट आय में सुधार के लिए समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना। एक ओर जहां वैश्विक कारक बाजार की गतिविधियों को प्रभावित करना जारी रखते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत अपनी मजबूत बुनियादी बातों, नीति समर्थन और बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपए निवेश किए, जिससे यह विदेशी निवेश के लिए साल का अब तक का सबसे अच्छा महीना बन गया। इस बीच, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और यह आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर समाप्त हुआ। हालांकि सप्ताह की शुरुआत अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण सकारात्मक रही, लेकिन इजरायल द्वारा ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमले करने के बाद यह आशावाद जल्दी ही खत्म हो गया। इस घटना ने वैश्विक निवेशकों के बीच सतर्कता की लहर पैदा कर दी, जिससे वे सोने और अमेरिकी बॉन्ड जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ गए।

भारत में विदेशी निवेश के मोर्चे पर सिंगापुर का दबदबा

नई दिल्ली। भारत में सिंगापुर द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के बढ़ते मोर्चे पर एक नजर खींची जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंगापुर ने भारत में कुल 14.94 अरब डॉलर का एफडीआई किया, जो कुल विदेशी निवेश का लगभग 19 फीसदी है। यह सिंगापुर को भारत में सबसे बड़ा एफडीआई निवेशक बनाता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस वित्तीय वर्ष में कुल एफडीआई 14 फीसदी की वृद्धि से 81.04 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंगापुर ने भारत में कुल 14.94 अरब डॉलर का एफडीआई किया यह निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के सकारात्मक संकेत के रूप में खड़ा है और देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सिंगापुर ने वर्ष 2018-19 से ही भारत में एफडीआई का बड़ा स्रोत बनाया है और 2023-24 में निवेश में 27 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। माना जा रहा है कि सरकारी नीतियों का असर भी इस में दिख रहा है। स्पष्ट रूप से, एफडीआई से सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा है और निवेशकों के भरोसे को सुनिश्चित करता है।

भारत के पर्यटन उद्योग विकास में तेजी से विदेशी मुद्रा आय में भी वृद्धि की संभावनाः रिपोर्ट

नई दिल्ली, 15 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय पर्यटन उद्योग के विकास में तेजी से बढ़ोतरी के साथ-साथ विदेशी मुद्रा आय में भी काफी वृद्धि की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में विदेशी मुद्रा आय दर बढ़ी है और यह दर 2030 तक 4.5 लाख करोड़ को पार कर सकती है। इस बढ़ती दर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन का हिस्सा भी सात प्रतिशत से अधिक हो सकता है।

भारत में पर्यटन के विकास से न केवल रोजगार की स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार भारतीय पर्यटन शीर्ष देशों में एक प्रमुख स्थान हासिल कर रहा है और मानव समृद्धि विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के पर्यटन क्षेत्र के इस विकास से ग्राहक और उद्योग दोनों ही फायदा उठा रहे हैं।

भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है

आगामी वर्षों में इस क्षेत्र में नए यात्रा रुझान उभरकर आ रहे हैं, जो इनोवेटिव ट्रैवल बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, सरकार के पर्यटकों के समर्थन के प्रयास से भारत एक प्रीमियम वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

साथ ही पर्यटन उद्योग में प्रौद्योगिकी के संचालन से ग्राहकों को अधिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे उनकी संतुष्टि में वृद्धि हो रही है। आने वाले समय में सभी सेवाएं पूरी तरह से बहाल होने से पर्यटन क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में और भी सुधार हो सकता है।

बुखारेस्ट में लिंक एंड कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों को देखते हुए लोग

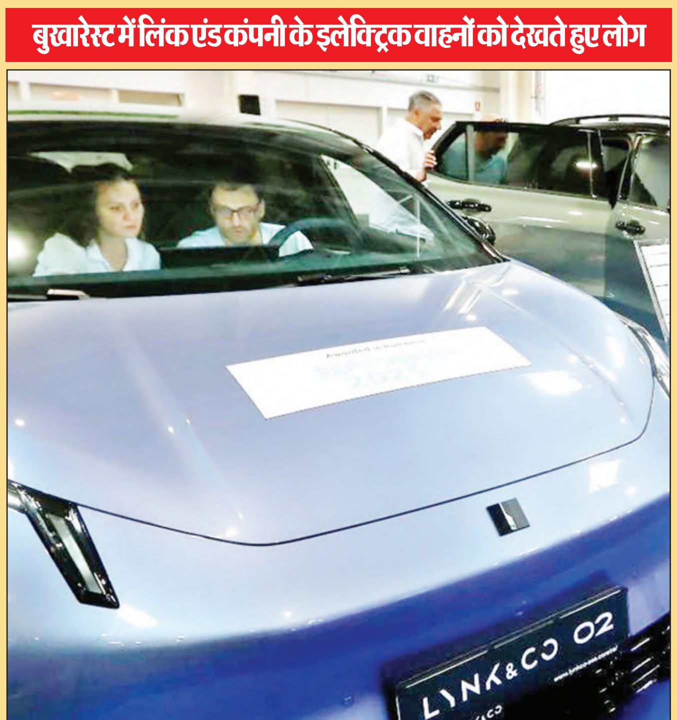

रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में लिंक एंड कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों को देखते हुए लोग। इस टेक एक्सो में नये उत्पाद पेश किये जाते हैं।

वैश्विक बाजारों में सुधार से घरेलू तेल तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद

नई दिल्ली,15 जून (एजेंसियां) ।

वैश्विक बाजारों में खाने के तेल के भाव में तेजी देखने को मिल रही है, जिसका सीधा असर घरेलू तेल-तिलहन बाजार में देखा जा रहा है। पिछले सप्ताह सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहनों की कीमतें पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार के साथ बंद हुए।

शिकॉगो एक्सचेंज में 13 जून को सोयाबीन डीगम तेल के भाव में 56 डॉलर प्रति टन की बढ़ोतरी होने के बाद वहां बाजार में ऊपरी सर्किट लगाना पड़ा। इसके बाद डीगम के दाम में हुई बढ़ोतरी के असर से बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम में तेजी देखी गई। घरेलू बाजार में भी सोयाबीन के दाम में मजबूती आई है, इसके अलावा सरसों, मूंगफली जैसे अन्य तेल-तिलहन के दाम भी मजबूत हो गए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,725-6,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और

सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपए बढ़कर 14,150 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद

कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। इसके साथ ही सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत बंद हुए हैं। सीपीओ तेल का दाम भी मजबूती के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसमें पामोलीन, पामोलीन एक्स कांडला तेल, बिनौला तेल के भाव भी बढ़े हैं। सूत्रों के मुताबिक इसमें सोयाबीन, मूंगफली और अन्य तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बदलाव देखने को मिल रहा है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने लॉन्च किया एक नया वैरिएंट स्कॉर्पियो-एन जेड4

जेड4 पेट्रोल ऑटोमेटिक की कीमत 17.39 लाख रुपए

नई दिल्ली,15 जून (एजेंसियां) ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रसिद्ध एसयूवी, स्कॉर्पियो-एन का एक नया वर्शन, जेड4 ऑटोमेटिक लॉन्च किया है। यह नया वैरिएंट जेड2 के ऊपर प्रस्थापित किया गया है और इसके आने से स्कॉर्पियो-एन की ऑटोमैटिक वेरिएंट की कीमत में कमी आई है। जेड4 मॉडल में पहले सिर्फ मैनुअल गियरबॉक्स उपलब्ध था, लेकिन अब इसमें पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन भी शामिल है। जेड4 पेट्रोल ऑटोमेटिक की कीमत 17.39 लाख रुपये है, जबकि डीजल ऑटोमेटिक की कीमत 17.86 लाख रुपये है। इस अपडेट से पहले स्कॉर्पियो-एन में ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन डीजल में जेड6 वेरिएंट और पेट्रोल में जेड8 सेलेक्ट वैरिएंट में था। नए जेड4 ऑटोमेटिक मॉडल की कीमत में दोनों वर्जनों में भारी कटौती हुई है। भारतीय बाजार में इसकी प्रतियोगिता है टाटा हैरियर और सफारी, जबकि इस कीमत में ह्युंडई क्रेटा और किया सेल्टोस भी शामिल है। स्कॉर्पियो-एन की पेट्रोल वेरिएंट में टर्बोचार्ज्ड इंजन है जो 203 एचपी पावर और 370 एनएम पीक टॉर्क उत्पन्न करता है।

एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंडः अच्छे रिटर्न के साथ सर्वश्रेष्ठ फंडों में से एक

मुंबई। एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंड, जिसे पहले एसबीआई एफएमसीजी फंड के नाम से जाना जाता था, ने विभिन्न अवधियों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिष्ठिता सिद्ध की है। इस फंड ने पिछले 26 वर्षों में 15.5 फीसदी का औसत वार्षिक रिटर्न देकर निवेशकों को खुश किया है। फंड का मुख्य उद्देश्य लॉन्ग टर्म कैपिटल ग्रोथ हासिल करना है और इस में भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी, जुबिलेंट फूडवर्क्स, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, और गणेश इकोस्पायर जैसे टॉप होल्डिंग्स हैं। फंड का सेक्टोरल एलोकेशन भी दृढ़ है, जिसमें उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्रों में 46 फीसदी का निवेश किया जाता है। इसके बारे में अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए एसबीआई कंजम्पशन ऑपर्च्युनिटीज फंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विश्वसनीयता भी बढ़ाती है। फंड ने लंबी अवधि में निवेशकों के लिए सुविधाजनक रिटर्न प्रदान किया है और उन्हें अच्छा मुनाफा उठाने का अवसर दिया है। निवेशकों के लिए यह एक विकल्प हो सकता है जो दुनियाभर में उपभोक्ता गुड्स और सर्विसेज सेगमेंट में निवेश करना चाहते हैं।

युवा अक्षत रघुवंशी की बल्लेबाजी के फैन हुए वेंकटेश अय्यर, बांधे तारीफों के पुल

ग्वालियर, 15 जून (एजेंसियां) ।

मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीएल) 2025 के पांचवें मुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने जबलपुर रॉयल लायंस को 6 रन से हराकर सीजन की शानदार शुरुआत की। मैच के बाद टीम के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने युवा बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी की जमकर तारीफ की।

अय्यर ने कहा कि का असली हीरो अक्षत है। जिस तरह से उसने पूरे मैदान में शॉट्स लगाए, वह काबिले-तारीफ है। 21 साल की उम्र में मैंने इससे बेहतर टैलेंट नहीं देखा। मैं उसकी तरक्की के लिए दुआ करता हूं, भविष्य में वह बहुत आगे जाएगा।

अक्षत रघुवंशी ने मैच में 46 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने इंदौर को 20 ओवर में सात विकेट पर 183 रन तक पहुंचाया। जवाब में जबलपुर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 177 रन बना सकी। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार ने 40, धर्मेश पटेल ने 55 रन और राहुल बाथम ने 58 रन बनाए। इनके अलावा अन्यकोई बल्लेबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका इंदौर पिंक पैंथर्स की ओर से स्पिनर मिहिर हिरवानी ने 3 विकेट लिए। कप्तान वेंकटेश अय्यर ने भी गेंदबाजी में योगदान देते दो विकेट लिए। कुलवंत खेजरोलिया और पी. निरवानी ने एक-एक विकेट लिए।

अय्यर ने आगे कहा, मेरे लिए की सबसे बड़ी बात मेरी गेंदबाजी थी। काफी समय बाद गेंद डाली, अनुभव अच्छा रहा। टूर्नामेंट की अहमियत पर अय्यर ने कहा कि एमपीएल मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है। पिछली बार भी यहां से खिलाड़ी आईपीएल तक पहुंचे। ये सिर्फ एक मौका नहीं, बल्कि ज़िंदगी बदलने वाला मंच है। एमपीएल को इस बेहतरीन टूर्नामेंट के आयोजन का पूरा श्रेय जाता है। यह सिर्फ युवाओं के लिए नहीं, हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए भी एक अच्छा अभ्यास का मौका है। अंत में उन्होंने कहा, मैं नजर नहीं लगाना चाहता, लेकिन अक्षत और अर्पित से मुझे बहुत उम्मीदें हैं।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद के चार खिलाड़ी झारखंड के लिए रवाना

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के चार रोल बॉल खिलाड़ी 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए रविवार को झारखंड के लिए रवाना हो गए। जिला रोल बॉल संघ के सचिव शाहवेज़ अली ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद के शिवओम सैनी, गोविंद गौर, सचिन सैनी और खेतान सैनी 16 जून से 21 जून तक झारखंड के रांची के स्टेडियम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर रोल बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। शाहवेज़ अली ने आगे बताया कि 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता में देशभर से टॉप 10 राज्यों की टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिसमे उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र, राजस्थान, केरल, कर्नाटक, झारखंड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, उड़ीसा, चंडीगढ़ की टीमें शामिल है। इस अवसर पर जिला रोलबॉल संघ के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, डॉ विनोद कुमार, डॉ जी कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की।

विमान हादसे के कारण एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का अनावरण स्थगित

लंदन। अहमदाबाद में हुए एयरइंडिया विमान हादसे के कारण भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का अनावरण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। इस ट्रॉफी का अनावरण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) फाइनल के दौरान किया जाना था पर इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद इसे स्थगित कर दिया। ईसीबी के एक अधिकारी ने कहा, भारत में हुई दुखद घटना को देखते हुए नई तारिख की घोषणा में कुछ समय लग सकता है। भारतीय बोर्ड इसके लिए सही समय का इंतजार करेगा। गौरतलब है कि पहले ये ट्रॉफी पटौदी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। इसका नाम तेंदुलकर-एंडरसन के नाम पर इसलिए रखा गया ताकि इन दोनो ही खिलाड़ियों के प्रति सम्मान प्रकट किया जा सके। जहां तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलना और सबसे ज्यादा 15,921 टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है। वहीं एंडरसन ने पिछले साल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। एंडरसन दूसरे सबसे ज्यादा 188 टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वे टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा 704 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच 20 जून से लीड्स में 20 जून को खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने रणजी सहित घरेलू टूर्नामेंटों के प्रारुप में बदलाव किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी सहित सभी टूर्नामेंटो को अधिक

प्रतिस्पर्धी बनाने इसमें बदलाव किये हैं। बोर्ड की अपेक्स काउंसिल ने इस बदलाव के तहत ही अगले सत्र से इस टूर्नामेंट में एक-एक टीमों को प्रमोट करने के साथ ही रेलीगेट करने की भी घोषणा की है। ये बदलाव बोर्ड के सभी उम्र समूहों पर लागू होंगे। बोर्ड ने अपने एक बयान में कहा है कि सभी एक से अधिक दिनों वाले मल्टी-डे मेंस टूर्नामेंट (सीनियर और जूनियर) में अगले साल 2026-27 सत्र से एक टीम को प्रमोट किया जाएगा। वहीं एक टीम को रेलीगेट किया जाएगा। अभी तक रणजी के हर सत्र के बाद 2 टीमों को प्लेट से एलीट ग्रुप में प्रमोट किया जाता था जबकि सबसे निचले स्थान पर रहने वाली 2 टीमों को एलीट से प्लेट ग्रुप में रेलीगेट किया जाता है। रणजी ट्रॉफी सत्र 2025-26 15 अक्टूबर से 28 फरवरी तक दो दौर में खेला जाएगा। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक जबकि दूसरा चरण 22 जनवरी से एक फरवरी तक चलेगा। वहीं नॉकआउट मुकाबले छह से 28 फरवरी तक होंगे। दूसरी ओर दलीप ट्रॉफी को जोनल प्रारुप में शामिल किया गया है। यह इस सत्र का पहला टूर्नामेंट होगा। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से 15 सितंबर तक खेला जाएगा। वहीं ईरानी कप एक से पांच अक्टूबर तक होगा। टीम का चयन पहले की तरह ही क्षेत्रीय चयन समिति करेंगी। इसके अलावा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट को सभी एकदिवसीय टूर्नामेंट में प्लेट डिवीजन को फिर से शामिल किया गया है। अब तक नॉकआउट चरण में टीमें क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेलती थीं पर इस सत्र से शीर्ष टीमों को सुपर लीग में तीन और मैच खेलने होंग। वहीं ग्रुप ए और बी की शीर्ष टीमें फाइनल में पहुंचेगी। इसके अलावा (बॉटम) नीचे की 6 टीमें प्लेट ग्रुप में शामिल होंगी जबकि एसएमएटी 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक खेला जाएगा।

12 सेमीफाइनल हारने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम को मिली सफलता

जोहांसबर्ग, 15 जून (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम की मेहनत आंखिरकर रंग लायी और 12 सेमीफाइनल हारने के बाद उसे आईसीसी खिताब जीतने में सफलता मिल ही गयी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने आईपीसी विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब अपने नाम किया है। इस जीत में कप्तान टेम्बा बावुमा, बैटर ऐडन मार्करम और पेसर कगिसो रबाडा ने अहम भूमिका निभाई। अफ्रीकी टीम को करीब तीन दशक के बाद आईसीसी खिताब जीता है। इससे पहले उनने 1988 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। साल 1991 में 22 साल प्रतिबंध के बाद विश्व क्रिकेट में वापसी करने वाली दक्षिण अफ्रीका इससे पहले तीनों प्रारुपों के अलग-अलग विश्व कप में एक फाइनल और सात सेमीफाइनल हारी थी। साल 1970 तक अफ्रीकी क्रिकेट टीम में सिर्फ श्वेत खिलाड़ियों को मौका मिलता था। दक्षिण अफ्रीका उन टीमों के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलता था जिनमें एक भी अश्वेत खिलाड़ी हो। इसलिए वह भारत, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान जैसी टीमों से नहीं खेलता था। दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति का भारत और वेस्टइंडीज ने कड़ा विरोध किया और अफ्रीका पर 22 साल का प्रतिंध लग गया था। यह बैन 1991 में तय समय से करीब एक साल पहले हटा। इसके बाद अफ्रीकी टीम सबसे पहले भारत दौरे पर पहुंची थी।

1992 में अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। तब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी में हुए एकदिवसीय विश्वकप में दक्षिण अफ्रीकी टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। आईसीस टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत के बाद 1996 से 2015 तक टीम 6 में 5 बार नॉकआउट राउंड में पहुंची पर उसे यहां हार झेलनी पड़ी। टीम कभी क्वार्टर फाइनल तो कभी सेमीफाइनल हारकर बाहर हो गई। 2003 और 2019 में टीम नॉकआउट राउंड में भी नहीं पहुंच पायी।2023 में टीम ने फिर वापसी की पर वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गयी। इसके अलावा वह 2 बार न्यूजीलैंड और एक-एक बार वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से भी नॉकआउट हारी। टीम ने एकमात्र नॉकआउट मैच 2015 में जीता, तब दक्षिण अफ्रीका ने क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका को हराया था।

भारत ए ने सरफराज के शतक से बनाये 6 विकेट पर 299 रन

बेकनहम। इंग्लैंड दौरे पर गयी भारतीय टीम अभ्यास के लिए भारत ए टीम से मैच खेल रही है। इस मैच के दूसरे दिन भारत ए के सरफराज खान ने शानदार शतक लगाया। सरफराज ने 76 गेंदों पर ही तेजी से खेलते हुए 101 रन बना दिया। सरफराज की अच्छी बल्लेबाजी से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने 6 विकेट प 299 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय ईशान किशन 45 रन और शार्दुल ठाकुर 19 रनों पर खेल रहे थ। सरफराज ने इस मैच में शतक लगाकर पहले टेस्ट के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सरफराज ने इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में भी 92 रन बनाए थे। वहीं ऋतुराज गायकवाड़ इस मैच में असफल रहे और 2 गेंद ही खेल पाये। इसके बाद अभिमन्यु ईश्वरन ने 39 और साई सुदर्शन ने 38 रन बनाए। ये दोनों ही टेस्ट टीम में शामिल है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं नितीश कुमार रेड्डी ने एक खिलाड़ी को आउट किया। इस मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह प्रभाव असफल रहे और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। वहीं इस मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने अर्धशतक लगाये हैं।

बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित किया

मुंबई, 15 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड से 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी सीरीज के लिए कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। तय कार्यक्रम के अनुसार न्यूजीलैंड की टीम भारत से 11 जनवरी से 18 जनवरी तक तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। उसके बाद 21 जनवरी से 31 जनवरी तक 5 टी-20 मैच खेले जाएंगे। बोर्ड ने इन मैचों के लिए 8 स्थलों की घोषणा की है। एकदिवसीय मैच बड़ौदा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे जबकि नागपुर, रायपुर, गुवाहाटी, वाईजैक, त्रिवेंद्रम में टी-20 मैच खेले जाएंगे।

आठ स्थलों पर खेले जाएंगे मुकाबले

इस सीरीज के बाद भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से टी-20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। ऐसे में कीवी टीम का ये दौरा भारतीय टीम की तैयारियों के लिए अहम रहेगा। इसमें भारतीय टीम को अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा भारतीय टीम ने पिछे टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर टी20 विश्वकप जीता था।

इस सीरीज के अलावा भारतीय टीम को इस सत्र मे वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम का वेस्टइंडीज से 2 टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया में सीमित ओवरों की सीरीज और दक्षिण अफ्रीका से तीनों प्रारुपों की सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम अभी इंग्लैंड दौरे पर है जहां उसे 20 जून से मेजबान टीम से पांच मैचों की सीरीज खेलनी है। वहां से वापसी के बाद भारतीय टीम को बांग्लादेश वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना है इसके बीच में एशिया कप भी होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

25 से ज्यादा...

जब पुल का एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। यह हादसा अचानक हुआ और लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुल की हालत लंबे समय से खराब थी और इसकी शिकायतें प्रशासन तक पहले भी पहुंची थीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बीते कुछ दिनों से पुणे और उसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही थी, जिससे इंद्रायणी नदी का जलस्तर बढ़ गया था और बहाव तेज था। इसी तेज बहाव और पुल की जर्जर हालत ने मिलकर इस हादसे को जन्म दिया। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ने कहा कि फिलहाल मौके पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। पुलिस, प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों की मदद से लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

हैदराबाद के 5...

युवकों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं था। नदी किनारे मौजूद परिवार के अन्य सदस्यों ने शोर मचाया। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिन्होंने विशेषज्ञ तैराकों की मदद से शवों को बाहर निकाला। हाल ही में ऊपरी इलाकों में हुई बारिश के कारण नदी में पानी का बहाव बढ़ गया था। शवों को भैंसा के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। गोदा-वरी घाट पर इस तरह की घटनाओं की एक श्रृंखला को देखते हुए, स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना में पांच युवकों की मौत की खबर से उन्हें दुख हुआ है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।मंत्री ने नदियों और सिंचाई परियोजनाओं पर जाने वाले लोगों को सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को जलाशयों, नदियों और परियोजनाओं पर लोगों को गहराई के बारे में सावधान करने के लिए बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया। प्रभाकर ने बताया कि जनवरी में हैदराबाद के पांच युवक कोंडापोचम्मा जलाशय में डूब गए थे। हैदराबाद के छात्र सेल्फी लेने के प्रयास में गहरे पानी में चले गए थे।

मंत्री ने कहा कि एक सप्ताह पहले जयशंकर भूपालपल्ली जिले के मेदिगड्डा बैराज में छह युवक डूब गए थे।

विजय रूपाणी...

शवों को रखने के लिए 170 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से करीब 100 ताबूत वडोदरा से अहमदाबाद लाए गए हैं। बाकी के ताबूत बनाने का काम जारी है।अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर राहत आयुक्त एवं राजस्व विभाग के सचिव आलोक कुमार पांडेय ने कहा, 'मृतकों के परिजनों की सहायता के लिए 230 टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें परिजन को उनके गांव तक ले जाएंगी और अंतिम संस्कार तक उनके साथ बनी रहेंगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा ना हो।'विमान कंपनी बोइंग की रविवार को एक टीम अहमदाबाद प्लेन क्रैश साइट पर पहुंची। 12 जून को टेकऑफ के कुछ ही समय बाद ही बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अहमदाबाद प्लेन...

पहला इलेक्ट्रिकल फेल्योर दूसरा दोनों ईंजन फेल या फिर तीसरा हाइड्रोलिक फेल्योर। स्टीव ने इस हादसे के एकमात्र सर्वाइवर विश्वास के बयान का भी सहारा लिया है। कैप्टन स्टीव ने पहली संभावना दोनों इंजन के एक साथ फेल होना बताया है, इसका मतलब ये हादसा लिफ्ट लॉस यानि जहाज के पंखों से पर्याप्त हवा न मिलने की वजह से हुआ हो सकता है। सटीव के मुताबिक विमान में पर्याप्त ताकत नहीं थी, जो उसे ऊपर की ओर उठाए रख सके। अगर ऐसा हुआ है तो विमान किसी बड़े पक्षियों के झुंड से टकराया होगा, जिस कारण दोनों इंजन खराब हो गए होंगे।पायलट फ्लैप्स लगाना भूल गए होंगे!दूसरा कारण ये हो सकता है कि विमान के टेकऑफ से पहले कुछ विशेष तकनीकी सेटिंग्स की जरूरत होती है, जिनमें मुख्य होता है फ्लैप्स को नीचे करना। फ्लैप्स जहाज के पंखों के वो हिस्से होते हैं, जो टेक ऑफ के दौरान लिफ्ट बढ़ाते हैं। कैप्टन स्टीव के मुताबिक अगर पायलट फ्लैप्स लगाना भूल गए होंगे, तो विमान हवा में टिक नहीं पाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा होने के भी चांस इसलिए कम हैं क्योंकि 787 जैसे आधुनिक विमान में अगर फ्लैप्स सेट नहीं होते, तो कॉकपिट में जोर-जोर से अलार्म बजने लगते हैं और स्क्रीन पर वॉर्निंग भी आती है। तीसरी संभावना ये हो सकती है कि पायलट ने गलती से गलत लीवर खींच दिया हो। स्टीव के मुताबिक विमान जैसे ही टेकऑफ करता है तो को-पायलट कहता है विमान हवा में उठ चुका है। इसके बाद पायलट कहता है कि गियर अप। हो सकता है कि को-पायलट ने गलती से गियर की बजाए फ्लैप्स वाला हैंडल खींच दिया हो। इसका मतलब, विमान से वो हिस्से हट जाए जो उसे हवा में टिकाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में एक्सपर्ट इसी निष्कर्ष पर पहुंचते दिखते हैं कि दोनों ईंजन फेल होने की वजह से ये हादसा हुआ होगा। हालांकि, भारत में इस मामले की जांच अभी जारी है।

मोदी तीन देशों ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस में पहुंच गए हैं। गहरे ऐतिहासिक संबंधों को प्रतिबिंबित करने वाले एक विशेष संकेत के रूप में राष्ट्रपति क्रिस्टोडोलिड्स और विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटीनोस कॉम्बोस ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया । द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए व्यापक चर्चाएं होनी हैं।श्री मोदी तीन देशों के दौरे पर हैं। साइप्रस के बाद वह 16-17 जून को कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वापसी में क्रोएशिया का भी दौरा करेंगे।

उत्तराखंड में ...

स्थान पर पहुँचे जहाँ तलाश और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि हादसे का शिकार लोगों के शव बुरी तरह से जल गए हैं।श्री रजवार ने बताया कि हेलीकाप्टर में कुल सात लोग सवार थे। जिनमें पायलट सहित 06 वयस्क और 01 बच्चा हैं। सभी की हादसे में मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान कैप्टन राजबीर सिंह चौहान, पायलट, निवासी जयपुर, विक्रम रावत, कर्मचारी, बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति, निवासी रासी ऊखीमठ, (45), विनोद देवी, निवासी उत्तर प्रदेश, (66) , तृष्टि सिंह उत्तर प्रदेश, (19) , राजकुमार पुत्र सुरेश जायसवाल, निवासी महाराष्ट्र, (41) , श्रद्धा पत्नी राजकुमार जायसवाल, निवासी महाराष्ट्र, (35) , काशी पुत्री राजकुमार, निवासी महाराष्ट्र, बालिका (02) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। फारेंसिक टीम तथा डीएनए सेंपलिंग टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है।श्री रजवार ने बताया कि प्रभावितों के परिवार के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। इसके लिए राज्य आपातकालीन प्रचालन केन्द्र 0135-2710334, 9058441404 1070 (टोल फी) तथा रूद्रप्रयाग हेल्पलाइन नम्बर- 8958757335, 01364-233727 जारी किए गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ...

पुलिस ने बताया कि कुंदी ने गिरफ्तारी के दौरान हाथापाई करने की कोशिश की और वह नशे में था। पुलिस के मुताबिक, कुंदी और उनकी पत्नी के बीच कथित तौर पर बहस हो रही थी और वहां से गुजर रहे पुलिस के एक गश्ती दल ने इस घटना को घरेलू हिंसा समझ लिया। कौर ने कहा कि उनके पति बस नशे में थे और शोर मचा रहे थे, लेकिन उन्होंने किसी प्रकार की हिंसक गतिविधि नहीं की। इस बीच, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई पुलिस आयुक्त ग्रांट स्टीवंस ने 'एबीसी रेडियो एडिलेड' को बताया कि वह आंतरिक जांच अनुभाग द्वारा की जाने वाली जांच के अलावा घटना की तहकीकात करेंगे। जांच के दौरान घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के संबंध में प्रशिक्षण सहित पुलिस की नीतियों, तौर-तरीकों, प्रक्रियाओं की समीक्षा की जाएगी। पुलिस ने बताया कि किसी को गोली नहीं मारी गयी और घटनास्थल पर कोई 'टेजर' नहीं मिला। 'टेजर' एक प्रकार का बंदूक नुमा विद्युत हथियार है, जिसका उपयोग कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किसी व्यक्ति को बिजली का तेज झटका देने के लिए किया जाता है।

जम्मू कश्मीर के...

श्रीनगर के सिविल लाइंस क्षेत्र की निवासी अलीना जान ने कहा, इस बार सेवा प्रदाता स्थानीय लोगों के प्रति अधिक मित्रवत हैं। पिछले वर्षों में ऐसा नहीं था, जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते थे।अधिकांश स्थानीय पर्यटक इस बात से खुश हैं कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम में पार्क खोलने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे इस स्थान पर अधिक लोग आकर्षित होंगे।एक 'टूरिस्ट हट' के मालिक मोहम्मद इशाक ने कहा, 'मौखिक प्रचार से बेहतर कोई विज्ञापन नहीं है। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से लोग ईद के तुरंत बाद यहां आना शुरू हो गए थे, लेकिन संख्या में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि सभी पार्क बंद होने के कारण उनके पास बैठने के लिए कोई जगह नहीं थी। हमें उम्मीद है कि अब इसमें बदलाव आएगा, क्योंकि उपराज्यपाल ने शनिवार को घो-षणा की है कि पार्क फिर से खोले जाएंगे।' इशाक ने कहा कि पिछले 10 दिनों में अन्य राज्यों से भी कुछ पर्यटक पहलगाम पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि उनमें से अधिकतर पंजाब से आए पर्यटक थे और वे निराश थे, क्योंकि वे पहलगाम की सुंदरता का आनंद नहीं ले पाए, जिसके लिए यह प्रसिद्ध है।एक खच्चर वाले मोहम्मद रमजान ने कहा कि उनके समुदाय को उम्मीद है कि पहलगाम में पर्यटकों की बढ़ती संख्या जारी रहेगी।उन्होंने कहा, 'हमारी कमाई का मुख्य वक्त बीत गया है।...लेकिन हमें उम्मीद है कि सर्दियों के शुरू होने से पहले अगले कुछ महीनों में अधिक स्थानीय लोग (कश्मीरी) हमारे पास आएंगे। इससे कुछ नुकसान की भरपाई हो सकती है।'

भद्र राजयोग में पांच राशियों पर रहेगा शिवजी का आशीर्वाद, काम धंधे में अच्छी कमाई के योग

सोमवार 16 जून को भद्र राजयोग के प्रभाव और भगवान शिव के आशीर्वाद से मिथुन और तुला सहित 5 राशियों के लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। आपकी करियर से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में बड़ी डील होने की उम्मीद है। आपको अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है या फिर कहीं से नौकरी का कोई बड़ा ऑफर आपको मिल सकता है। आपका दिन सम्मान और तरक्की से भरा होगा।

मेष राशि– मेष राशि वालों का दिन शुभ है और आपकी वाणी में विशेष मिठास रहेगी जिससे संबंधों में सौहार्द बढ़ेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठों और सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा, जिससे अधूरे कार्यों में तेजी आएगी। आज आप किसी संस्था या प्रतिष्ठान से सम्मानित हो सकते हैं। पुराने मित्रों का साथ मिलेगा और कोई रुका हुआ शुभ समाचार मिलने की संभावना है। संतान से प्रसन्नता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा परंतु अत्यधिक भागदौड़ से बचें। रात्रि का समय आनंद और आत्मिक संतोष में बीतेगा।

वृषभ राशि –वृषभ राशि दिन अत्यधिक व्यस्तताओं से भरा रहेगा। भागदौड़ के कारण थकान हो सकती है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आर्थिक दृष्टि से आपको लाभ पहुंचा सकती है। रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी, खासकर जमीन–जायदाद या बैंक से जुड़े मामलों में प्रगति होगी। सामाजिक रूप से आपकी छवि मजबूत होगी। विवाह या मांगलिक आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है। शाम के समय मन हल्का होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और आराम भी करें।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के लोगों के लिए दिन वित्तीय दृष्टि से थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं, विशेषकर विलासिता की वस्तुओं पर। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो तकलीफ थोड़ी बढ़ सकती है। सामाजिक दायरे में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, परंतु अचानक लाभ के योग भी बनेंगे। धर्म–कर्म या आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर झुकाव बढ़ेगा। संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है, जिससे घर का माहौल सकारात्मक रहेगा। संगीत, कला या रचनात्मक गतिविधियों में मन लगेगा।

कर्क राशि –कर्क राशि वालों का दिन सौभाग्यदायक रहेगा। भाग्य के साथ के कारण आप जिस भी कार्य में हाथ डालेंगे उसमें सफलता के संकेत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए प्रमोशन या मान–सम्मान का योग है। व्यापारियों को भी लाभ होगा। पारिवारिक दृष्टि से दिन अच्छा है, माता–पिता से विशेष आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। आप शान–शौकत में खर्च करेंगे, जिससे समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। संतान पक्ष से संतोष मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा परंतु रक्तचाप या पाचन से जुड़ी समस्या को नज़रअंदाज़ न करें। ननिहाल पक्ष से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

सिंह राशि –सिंह राशि के लोगों को थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। मानसिक रूप से थोड़ी अशांति, चिड़चिड़ापन और उदासी महसूस हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण मन में असंतोष रहेगा। माता–पिता का सहयोग और मार्गदर्शन राहत देगा। घर या वाहन संबंधी खर्च संभव है। ससुराल पक्ष से संबंधों में थोड़ी तल्खी आ सकती है, अतः वाणी में संयम और मधुरता बनाए रखें। कार्यों में स्थिरता लाने के लिए ध्यान और शांत रहना लाभदायक होगा।

कन्या राशि – कन्या राशि के लोगों को आत्मविश्वास और निर्भीकता से कार्यों को पूरा करेंगे। कठिन से कठिन कार्यों में भी साहसपूर्वक निर्णय लेंगे, जिससे सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोतरी होगी, जिससे बजट पर प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी सोच को सराहा जाएगा, लेकिन कुछ लोग आपकी भावना को स्वार्थ समझ सकते हैं। व्यापार में अच्छे लाभ के संकेत हैं। संतान से भी सहयोग और आनंद मिलेगा।

तुला राशि– तुला राशि का दिन शुभ संकेत दे रहा है। आपके अधिकारों और संपत्ति में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आप दूसरों के भले की सोचेंगे और सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे जिससे मान–सम्मान बढ़ेगा। आपके लिए भाग्योदय का संकेत है। आप अपने गुरु, बुजुर्गों और शिक्षकों का सम्मान करें। उनका आशीर्वाद चमत्कारी सिद्ध हो सकता है। नए व्यवसाय या निवेश के लिए दिन शुभ है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं और आपको लाभ होगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोगों के लिए मन थोड़ा अशांत और अस्थिर रह सकता है, जिससे निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। व्यापार में लगे लोग आज उम्मीद के मुताबिक लाभ न मिलने से परेशान हो सकते हैं। दोपहर के बाद स्थिति में धीरे–धीरे सुधार आएगा। यदि कोई वाद–विवाद या कानूनी मामला लंबित है तो उसमें सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। शत्रु पक्ष पर विजय संभव है। आज अनावश्यक बातों में समय न गंवाएं। संतान के व्यवहार से थोड़ा चिंतित हो सकते हैं, परंतु धैर्य रखें, समाधान निकलेगा।

धनु राशि –धनु राशि के लोगों का दिन शिक्षा, ज्ञान और धर्म के क्षेत्र में प्रगति देने वाला रहेगा। यदि आप किसी परीक्षा या साक्षात्कार की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता के संकेत हैं। धार्मिक क्रियाकलापों में भागीदारी होगी, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। भाग्य का साथ मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। सामाजिक रूप से सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का भी योग बन रहा है जो लाभकारी होगी। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और आपके धन में वृद्धि योग हैं।

मकर राशि – मकर राशि के लोगों का दिन शुभ है और दिन की शुरुआत अच्छे समाचारों से हो सकती है। किसी बहुमूल्य वस्तु या प्रॉपर्टी की प्राप्ति संभव है। वहीं कुछ अनचाहे खर्चे भी सामने आ सकते हैं जिन्हें टालना मुश्किल होगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति बनेगी और रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान–सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा निर्णय लेना पड़े तो आत्मविश्वास बनाए रखें। यदि कोई नया निवेश करना हो तो समय अनुकूल है। जीवनसाथी से भी सकारात्मक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा परंतु तनाव से बचें।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लोगों का दिन सुख से भरा होगा। दिन विवेक और विश्लेषणात्मक सोच में बीतेगा। आप किसी नई खोज या रचनात्मक कार्य में लगे रहेंगे। व्यर्थ खर्चों से बचें और आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। पारिवारिक स्तर पर थोड़ा अविश्वास का वातावरण बन सकता है, अतः संवाद में स्पष्टता रखें। सांसारिक सुख–सुविधाएं उपलब्ध होंगी। दफ्तर में अधीनस्थों और नौकर–चाकरों से सहयोग मिलेगा। संध्या के बाद किसी छोटी यात्रा के योग है, जो लाभकारी साबित होगी। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं।

मीन राशि –मीन राशि के लोगों को करियर में लाभ के योग बने हैं। पारिवारिक मामलों में राहत दिलाने वाली है। लंबे समय से चला आ रहा कोई संतान संबंधी विवाद सुलझ सकता है। आपका व्यवहार इतना सौम्य रहेगा कि आसपास के लोग आपके साथ संबंध बनाने को प्रेरित होंगे। सामाजिक मान–सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन ठीक–ठाक है, परंतु निवेश सोच–समझकर करें। प्रियजनों के साथ हंसी–खुशी और मेल–मिलाप में बीतेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

शनि मीन राशि में होंगे वक्री, इस जातक की चमकेगी किस्मत

शनि देव मीन राशि में 18 जुलाई 2025 से वक्री होकर मेष राशि के द्वादश भाव में गोचर करेंगे। यह भाव मेष राशि के जातकों के आत्मचिंतन, एकांत, विदेशी संबंधों, खर्च और मोक्ष से जुड़ा होता है। इस समय करियर में रुकावटें और भावनात्मक दूरी आपकी धैर्यता की परीक्षा ले सकती हैं। विदेश यात्रा, नींद की समस्याएं और पुराने स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी होगा। यह समय सेवा, संयम और आध्यात्मिक साधना का है।

परिचय: 18 जुलाई से 30 नवंबर 2025 तक शनि देव मीन राशि में वक्री होकर मेष राशि के द्वादश भाव में स्थित रहेंगे। यह भाव आत्मनिरीक्षण, कर्मों की शुद्धि, विदेश, खर्च और मोक्ष से जुड़ा होता है। शनि का यह गोचर आपके भीतर के डर, अधूरे कर्म और आध्यात्मिक प्रगति को समझने का अवसर देता है। भले ही गति धीमी हो, लेकिन भीतर से खुद को पुनः व्यवस्थित करने का यह श्रेष्ठ समय हो सकता है।

करियर: करियर को लेकर भ्रम या अकेलापन महसूस हो सकता है। विदेश से संबंधित नौकरी प्रस्तावों में देरी हो सकती है या वर्तमान काम में संतुष्टि की कमी रह सकती है। शोधकर्ता, चिकित्सक, या आध्यात्मिक कार्यों से जुड़े लोग इस दौरान बेहतर कर सकते हैं। यह समय करियर को दीर्घकालिक लक्ष्य से जोड़ने का है। बदलावों को लेकर जल्दबाजी न करें। वरिष्ठों या विदेशी संपर्कों से अनावश्यक विवाद से बचें।

फाइनेंस: इस समय खर्चों में वृद्धि हो सकती है, विशेषकर इलाज, विदेश यात्रा या दान–पुण्य से जुड़े मामलों में। शनि की दृष्टि द्वितीय भाव (धन), षष्ठ भाव (ऋण) और नवम भाव (भाग्य) पर है। पुराने कर्ज चुकाने की जरूरत हो सकती है, इसलिए समझदारी से बजट बनाएं और किसी भी तरह की सट्टा प्रवृत्ति से दूर रहें। अपनी बचत की रणनीति की समीक्षा करें और पहले की वित्तीय गलतियों को सुधारें।

स्वास्थ्य: नींद की दिक्कतें, थकावट या पुराने रोग फिर से उभर सकते हैं। शनि आपको शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक उपचार पर ध्यान देने की ओर प्रेरित करेंगे। भावनाओं को दबाना नुकसानदेह हो सकता है। विशेषकर पैरों और आंखों की देखभाल ज़रूरी है। नियमित दिनचर्या, प्राणायाम और सात्त्विक भोजन से मानसिक शांति बनी रह सकती है।

परिवार:आप परिवार से भावनात्मक या शारीरिक रूप से थोड़ा दूर महसूस कर सकते हैं। बुज़ुर्ग परिजनों को आपकी देखभाल की जरूरत पड़ सकती है। ससुराल पक्ष या घरेलू स्टाफ से विवाद की संभावना है। समझदारी से बात करें और अत्यधिक नियंत्रणकारी रवैये या दूरी बनाने से बचें। शनि इस दौरान रिश्तों में परिपक्वता सिखाते हैं।

शिक्षा:जो विद्यार्थी परीक्षा या विदेश शिक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए प्रगति धीमी हो सकती है। कभी–कभी मानसिक अवरोध का भी अनुभव होगा। पर यह आत्म–चिंतन, अध्ययन और सीखने का उपयुक्त समय है। आप आध्यात्मिकता या दर्शन जैसे विषयों पर ध्यान दे सकते हैं। रिसर्च में लगे छात्रों को स्थिरता से लाभ मिलेगा। दूसरों से तुलना करना बंद करें और अपनी गति को समझें।

निष्कर्ष:मेष राशि में शनि का वक्री होकर द्वादश भाव में स्थित होना आत्म–विश्लेषण और आध्यात्मिक विश्राम का आह्वान है। हालांकि देरी और अंदरूनी तनाव हो सकता है, यह समय पुराने बोझों को हल्का करने, रुकने और खुद को सहेजने का अवसर भी है। यह समय पुराने ऋण। चाहे वे भावनात्मक हों या आर्थिक। चुकाने का है। जब शनि मार्गी होंगे, आप पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरेंगे।

उपाय: रोजाना ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करें, विशेष रूप से शनिवार को।

हर शनिवार की रात पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

जरूरतमंदों को काले तिल या कंबल दान करें।

कृतज्ञता डायरी लिखें। इससे अव–चेतन मन के बोझ हल्के होंगे।

प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट ध्यान करें, विशेषकर जल तत्व के साथ ध्यान करना उपचारदायक रहेगा।

तुलसी के उपायों से दूर होगा पारिवारिक कलह

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पूजनीय माना जाता है । मान्यता है कि अगर तुलसी के पौधे आपके घर में रहे तो इससे आपकी भाग्य चमकता है, इसके साथ ही घर के वास्तु दोष भी दूर होते हैं । तुलसी भगवान विष्णु का प्रिय है, इसलिए तुलसी पूजनीय और बेहद चमत्कारिक है । वहीं, स्वास्थ्य के लिहाज से भी तुलसी का सेवन करना काफी लाभदायक होता है । पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इसके अलावा तंत्रशास्त्र की मानें तो तुलसी के कुछ विशेष उपाय से किस्मत चमक ही उठती है ।

तंत्र शास्त्र के अनुसार प्रतिदिन रोसोई घर में कुछ तुलसी के पत्ते प्रतिदिन रख दें। ऐसा करने में परिवार में कलह का अंत हो जाएगा। तंत्र शास्त्र के अनुसार यह उपाय करने पर घर में सुख शांति रहती है। वहीं, सदस्यों के बीच रिश्ते में मिठास बढ़ती है । इसके अलावा घर के सभी सदस्य नहाने के दौरान पानी में तुलसी के कुछ पत्ते डाल दें। इससे प्रेम भाव बढ़ता है और कलह से मुक्ति मिलती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि अगर आपके घर के छोटे बच्चों को अक्सर बुरी नजर लग जाती है या फिर कोई सदस्य मानसिक रूप से परेशान रहता हो तो तुलसी के कुछ पत्तों और सात काली मिर्च को अपनी मुट्ठी में लेकर 21 बार उसके शरीर पर ऊपर से नीचे तक वार लें । साथ ही ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः का जाप करें । इसके बाद तुलसी पत्ता और काली मिर्च को उस व्यक्त को खाने के लिए दे दें, फिर उसे उल्टा करके पांव के तलवों को किसी कपड़े से 7 बार झाड़ लगा दें. इससे सभी कष्ट दूर हो जाते है।

धन की कमी को दूर करने का उपाय

तुलसी मंगल ग्रह के साथ जुड़ी हुई है । ऐसे में आप अपने पर्स या फिर आलमारी में एक तुलसी का पत्ता हमेशा रख लें, इससे पैसा आपकी ओर आकर्षित होने लगेगा । इसके अलावा आप जहां पैसा का लेखा जोखा रखते हैं, वहां भी कुछ तुलसी के पत्ते रख दें. ऐसा करने से धन की कमी नहीं होती है ।

नौकरी छूटने का डर करें कम

बाजार की मंदी के कारण नौकरी छूट जाने का डर सता रहा है या फिर आपका प्रमोशन पिछले कई दिनों से रूका है । गुरुवार को तुलसी के पौधे को पीले कपड़े में बांधकर अपने कार्यस्थल पर रख दें । इसके अलावा सोमवार के दिन सुबह–सुबह सफेद कपड़े में तुलसी के 16 बीजों को ऑफिस की मिट्टी में दबा दें । इस उपाय से आपके नौकरी छूट जाने का डर दूर होगा, साथ ही आपके प्रमोशन के चांस बढ़ जाएगा।

व्यापार में नहीं होगा कभी घाटा

व्यापार में हमेशा आपको घाटा हो रहा है तो आप तुलसी के कुछ पत्तों को तीन दिनों तक पानी में रख दें। इसके बाद इस पानी को अपने कार्य'स्थल पर छिड़क दें । ऐसा करने से व्यापार में फायदा पहुंचता है।

आषाढ़ अमावस्या के दिन इन स्थानों पर दीपक जलाने से मिलेगी सुख-समृद्धि

आषाढ़ महीने की अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है। इसे आषाढ़ी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। यह दिन पितृ तर्पण और उनकी शांति के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ अमावस्या 25 जून को मनाई जाएगी। वहीं, इस दिन कुछ विशेष स्थानों पर दीपक जलाने से घर में सुख–समृद्धि आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है ।

आषाढ़ अमावस्या पर दीपक से करें ये उपाय

घर के मुख्य द्वार पर – आषाढ़ अमावस्या की शाम को घर के मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाएं। मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती और सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। साथ ही इससे घर में सुख–समृद्धि और शांति बनी रहती है।

तुलसी के पौधे के पास – अगर आपके घर में तुलसी का पौधा है, तो आषाढ़ अमावस्या की शाम को उसके पास एक दीपक जरूर जलाएं। तुलसी को बहुत ही पूजनीय माना जाता है। कहते हैं कि तुलसी के पास दीपक जलाने से मां लक्ष्मी खुश होती हैं और घर में धन–धान्य की कमी नहीं होती है।

रसोई घर में – रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है। ऐसे में आषाढ़ अमावस्या की रात में रसोई घर में एक दीपक जलाएं। इससे घर में कभी अन्न और धन की कमी नहीं होती है। साथ ही जीवन में समृद्धि और खुशहाली आती है।

पीपल के पेड़ के नीचे – अगर आपके घर के पास कोई पीपल का पेड़ है, तो आषाढ़ अमावस्या की शाम को उसके नीचे एक दीपक जरूर जलाएं। पीपल के पेड़ में ब्रह्मा जी, भगवान विष्णु और शिव जी का वास होता है। पीपल के नीचे दीपक जलाने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

मंदिर के पास – आषाढ़ अमावस्या के दिन अपने घर के मंदिर में नौ छोटे दीपक जलाएं। ऐसा करने से देवी–देवताओं की कृपा मिलती है और घर में खुशियां और समृद्धि आती है।

जल स्थान पर – अगर आपके घर के आसपास कोई नदी, तालाब या कुआं है, तो वहां एक दीपक जरूर जलाएं। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। इसके साथ ही उनका आशीर्वाद मिलता है।

गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी

गुरु पूर्णिमा का पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार, अबकी बार 10 जुलाई को मनाया जाएगा। आषाढ़ मास की इस पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान करने और दान पुण्य के कार्य करने का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की पूजा विशेष रूप से की जाती है। साथ ही इस दिन घरों में सत्य नारायण भगवान की कथा करने का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से आपको हर तरह के पाप से मुक्ति मिलती है और महापुण्य की प्राप्ति होती है। आइए आपको बताते हैं गुरु पूर्णिमा की पूजा का शुभ मुहूर्त, महत्व और पूजाविधि।

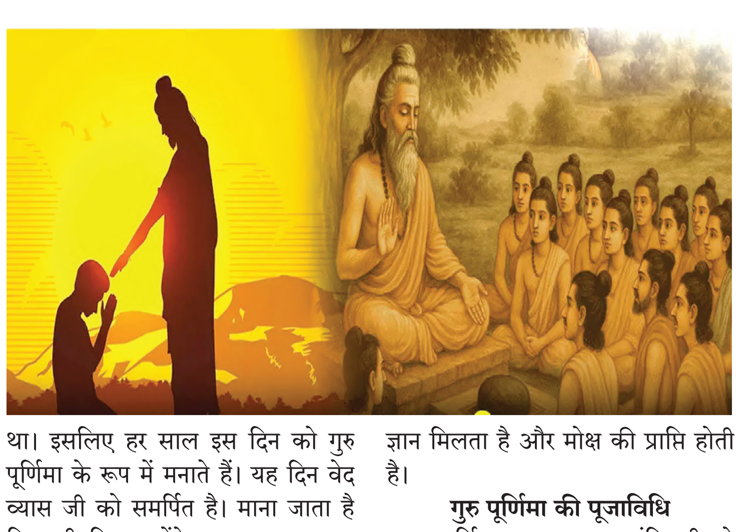

गुरु पूर्णिमा की तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार, गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि 10 जुलाई को रात 1 बजकर 36 मिनट पर शुरू होगी और यह 11 जुलाई को रात 2 बजकर 06 मिनट पर खत्म होगी। इसलिए गुरु पूर्णिमा 2025, 10 जुलाई को मनाई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

पौराणिक मान्यताओं में बताया गया है कि लगभग 3000 ई.पूर्व, आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाते हैं। यह दिन वेद व्यास जी को समर्पित है। माना जाता है कि इसी दिन उन्होंने भागवत पुराण का ज्ञान दिया था। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। साथ ही पूर्णिमा का दिन होने की वजह से इस दिन विष्णु भगवान और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन गुरुओं का सम्मान किया जाता है और साथ ही उन्हें गुरु दक्षिणा भी दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गुरु और बड़ों का सम्मान करना चाहिए। जीवन में मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त करना चाहिए, गुरु पूर्णिमा पर व्रत, दान और पूजा का भी महत्व है। व्रत रखने और दान करने से ज्ञान मिलता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गुरु पूर्णिमा की पूजाविधि

गुरु पूर्णिमा पर अगर आप पंडितजी को बुलाकर सत्यनारायण भगवान की कथा करवा पाने में असमर्थ हैं तो चिंता न करें। आप भगवान विष्णु की पूजा स्वयं करके भी शुभ फल पा सकते हैं। भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी, धूप, दीप, गंध, पुष्प और पीले फल चढ़ाएं। श्रीहरि का स्मरण करें और अपनी मनोकामना बताएं। भक्ति भाव से पूजा करना जरूरी है। पूजा के बाद भगवान को अलग–अलग तरह के पकवानों का भोग लगाएं और प्रणाम करें और फिर भोग को प्रसाद के रूप में सभी लोगों में बांट दें।

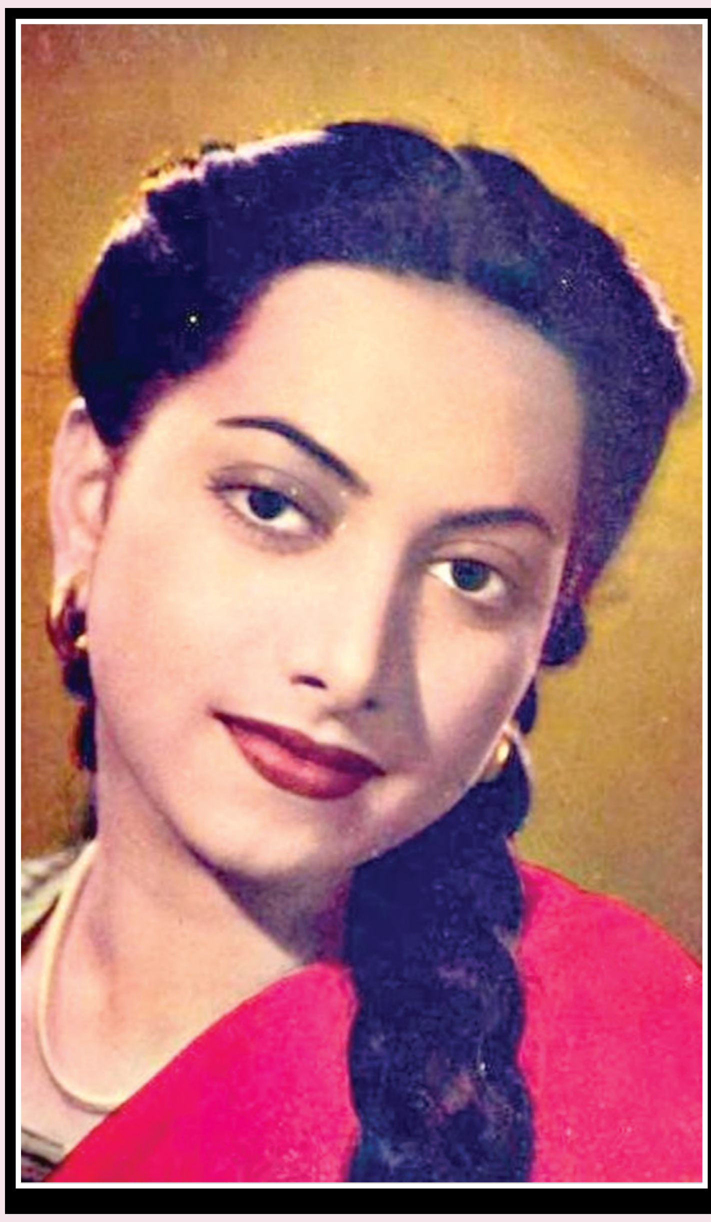

सशक्त अभिनय और जादुई पार्श्वगायन से सिने प्रेमियों को दिवाना बनाया सुरैया ने

बॉलीवुड में सुरैया को ऐसी गायिका–अभिनेत्री के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने अपने सशक्त अभिनय और जादुई पार्श्वगायन से सिने प्रेमियों को अपना दीवाना बनाया। 15 जून 1929 को पंजाब के गुजरांवाला शहर में एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मी सुरैया का रूझान बचपन से ही संगीत की ओर था और वह पार्श्वगायिका बनना चाहती थी। हालांकि उन्होंने किसी उस्ताद से संगीत की शिक्षा नहीं ली थी लेकिन संगीत पर उनकी अच्छी पकड़ थी। सुरैया अपने माता–पिता की इकलौती संतान थी। सुरैया ने प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के न्यू गर्लस हाई स्कूल से पूरी की । इसके साथ ही वह घर पर ही कुरान और फारसी की शिक्षा भी लिया करती थी। बतौर बाल कलाकार वर्ष 1937 में उनकी पहली फिल्म ..उसने सोचा था..प्रदर्शित हुई। सुरैया को अपना सबसे पहला बड़ा काम अपने चाचा जहूर की मदद से मिला जो उन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में बतौर खलनायक अपनी पहचान बना चुके थे।वर्ष 1941 में स्कूल की छुटियों के दौरान एक बार सुरैया मोहन स्टूडियो में फिल्म ..ताजमहल.. की शूटिंग देखने गई। वहां उनकी मुलाकात फिल्म के निर्देशक नानु भाई वकील से हुई, जिन्हें सुरैया में फिल्म इंडस्ट्री का एक उभरता हुआ सितारा दिखाई दिया । उन्होंने सुरैया को फिल्म के किरदार..मुमताज महल के लिये चुन लिया। आकाशवाणी के एक कार्यक्रम के दौरान संगीत सम्राट नौशाद ने ज सुरैया को गाते सुना तब वह उनके गाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुए। नौशाद के संगीत निर्देशन में पहली बार कारदार साह की फिल्म... शारदा .. में सुरैया को गाने का मौका मिला।

इस बीच सुरैया को वर्ष 1946 मे महबू खान की ..अनमोल घड़ी ..में भी काम करने का मौका मिला। हांलाकि सुरैया इस फिल्म मे सह अभिनेत्री थी लेकिन फिल्म के एक गाने .. सोचा था क्या क्या हो गया .. से वह बतौर पार्श्वगायिका श्रोताओं के बीच अपनी पहचान बनाने में काफी हद तक सफल रही। इस बीच निर्माता जयंत देसाई की फिल्म ..चंद्रगुप्त ..के एक गाने के रिहर्सल के दौरान सुरैया को देखकर के.एल.सहगल काफी प्रभावित हुये और उन्होंने जयंत देसाई से सुरैया को फिल्म ..तदबीर ..में काम देने की सिफाशि की। वर्ष 1945 मे प्रदर्शित फिल्म ..तदबीर में के .एल. सहगल के साथ काम करने के बाद धीरे धीरे उनकी पहचान फिल्म इंडस्ट्री में बनती गयी।वर्ष 1949–50 मे सुरैया के सिने कैरियर मे अभूतपूर्व परिवर्तन आया। वह अपनी प्रतिद्वंदी अभिनेत्री नरगिस और कामिनी कौशल से भी आगे निकल गयी । इसका मुख्य कारण यह था कि सुरैया अभिनय के साथ साथ गाने भी गाती थी।

प्यार की ... जीत.बड़ी बहन और दिल्लगी 1950 जैसी फिल्मों की कामयाबी के बाद सुरैया शोहरत की बुलंदियो पर जा पहुंची ।

सुरैया के सिने कैरियर मे उनकी जोड़ी फिल्म अभिनेता देवानंद के साथ खूब जमी। सुरैया और देवानंद की जोड़ी वाली फिल्मों में विद्या जीत, शायर, अफसर, नीली और दो सितारे जैसी फिल्में शामिल हैं। वर्ष 1950 में प्रदर्शित फिल्म अफसर के निर्माण के दौरान देवानंद का झुकाव सुरैया की ओर हो गया था। एक गाने की शूटिंग के दौरान देवानंद और सुरैया की नाव पानी में पलट गई। देवानंद ने सुरैया को डूबने से बचाया। इसके बाद सुरैया देवानंद से बेइंतहा मोहब्बत करने लगी लेकिन सुरैया की नानी की इजाजत न मिलने पर यह जोड़ी परवान नहीं चढ़ सकी।वर्ष 1954 मे देवानंद ने उस जमाने की मशहूर अभिनेत्री कल्पना कार्तिक से शादी कर ली । इससे आहत सुरैया ने आजीवन कुंवारी रहने का फैसला कर लिया। वर्ष 1950 से लेकर 1953 तक सुरैया के सिने कैरियर के लिए बुरा वक्त साबित हुआ, लेकिन वर्ष 1954 मे प्रदर्शित फिल्म मिर्जा गालिब और वारिस की सफलता से सुरैया एक बार फिर से फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी पहचान बनाने में सफल हो गई। फिल्म मिर्जा गालिब को राष्ट्रपति के गोल्ड मेडल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। फिल्म को देख तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इतने भावुक हो गए कि उन्होंने सुरैया को कहा... तुमने मिर्जा गालिब की रूह को जिंदा कर दिया। वर्ष 1963 मे प्रदर्शित फिल्म रूसतम सोहराब के प्रदर्शन के बाद सुरैया ने खुद को फिल्म इंडस्ट्री से अलग कर लिया। लगभग तीन दशक तक अपनी जादुई आवाज और अभिनय से दर्शको का दिल जीतने वाली सुरैया ने 31 जनवरी 2004 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

मुझे पसंद है आशुतोष का काम, वह हर किरदार को लगन और प्रतिभा के साथ निभाते हैं : रेणुका शहाणे

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता–निर्देशक रेणुका शहाणे नई स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं और इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह अभिनेता, पति आशुतोष राणा की फैन हैं। शहाणे का मानना है कि वह लगन के साथ काम करते हैं, जिसे देखकर उन्हें गर्व होता है। रेणुका ने कहा, मैं एक स्क्रिप्ट लिख रही हूं। उम्मीद है, एक दिन मैं कैमरे के पीछे और आशुतोष उसके सामने होंगे। रेणुका ने हालिया फिल्म 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में आशुतोष के निभाए किरदार की तारीफ की। राणा ने चंद बरदाई की भूमिका निभाई थी।

रेणुका ने उनकी एक्टिंग को सराहते हुए कहा, मुझे आशुतोष का काम पसंद है। वह एक गजब के अभिनेता और व्यक्तित्व हैं। वह हर किरदार को पूरी लगन और प्रतिभा के साथ निभाते हैं। मुझे उनकी एक्टिंग देखना हमेशा अच्छा लगता है। उनकी पत्नी होने के नाते मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं।

उन्होंने कहा कि 'चंद बरदाई' का किरदार एक कथावाचक की तरह है, जो कहानी का हिस्सा होने के बजाय उसे बयां करता है। रेणुका को उनका लुक और अभिनय बहुत पसंद आया। आशुतोष ने भी एक हालिया इंटरव्यू में बताया था कि वह रेणुका के साथ ऑन–स्क्रीन काम करना चाहते हैं, लेकिन खास तौर पर उनके निर्देशन में।

'संघर्ष' फेम अभिनेता ने कहा था, अब तक लोग हमें केवल पति–पत्नी के रूप में देखते आए हैं। मैं चाहता हूं कि रेणुका मुझे निर्देशित करें, क्योंकि वह एक शानदार अभिनेत्री, लेखिका और निर्देशक हैं। मैं उनके निर्देशन में अभिनय करने के लिए उत्सुक हूं।

रेणुका के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके निर्देशन में तैयार मराठी एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म 'लूप लाइन' का न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में 21 जून को प्रीमियर होगा। यह फिल्म पारंपरिक, पितृसत्तात्मक परिवारों में भारतीय गृहिणियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार और उपेक्षा को दिखाती है।

रजनीकांत की कुली में नजर आएंगे आमिर खान, बोले

मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली में अब आमिर खान भी नजर आएंगे। आमिर ने खुद एक इंटरव्यू में इस बात की पुष्टि की है कि वह फिल्म में कैमियो कर रहे हैं और इसके पीछे की वजह है– रजनीकांत के प्रति उनका जबरदस्त सम्मान और दीवानगी।

आमिर ने दिए इंटरव्यू में जब एक फैन ने आमिर से 'कुली' में उनके कैमियो को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने खुलकर जवाब दिया– मैंने इसे बहुत एन्जॉय किया। मैं रजनी सर का बहुत बड़ा फैन हूं... बेहद बड़ा। जब लोकेश (कनागराज) ने कहा कि यह रजनी सर की फिल्म है और उन्हें मेरे कैमियो की जरूरत है, मैंने कहा– हो गया! स्क्रिप्ट नहीं सुनी, सिर्फ कहा कि जो भी रोल हो, मैं कर रहा हूं।

फिल्म 'कुली' एक तमिल एक्शन–थ्रिलर है जिसका निर्देशन लोकेश कनागराज कर रहे हैं और निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनके साथ नजर आएंगे नागार्जुन, श्रुति हासन, सौबिन शाहिर, सत्यराज और उपेंद्र जैसे बेहतरीन कलाकार। स्टारकास्ट की यह शानदार फेहरिस्त फिल्म को और भी खास बना रही है।फिल्म का टीज़र पहले ही दर्शकों के बीच सनसनी मचा चुका है। इसमें रजनीकांत को एक फैक्ट्रीनुमा सेटअप में विलनों से लड़ते हुए दिखाया गया है। टीज़र को खास तौर पर मोनोक्रोम और गोल्ड टोन में दिखाया गया, जो इसकी स्टाइलिंग को अलग बनाता है। दर्शकों ने इस पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। तकनीकी रूप से भी 'कुली' बेहद मजबूत नजर आ रही है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी का जिम्मा गिरीश गंगाधरन ने संभाला है और एडिटिंग फिलोमिन राज द्वारा की जा रही है। यह फिल्म 2025 में दुनियाभर में खच–द और स्टैंडर्ड फॉर्मेट में रिलीज की जाएगी।

हाल ही में आमिर खान ने बताया कि 'सितारे ज़मीन पर' को मिली ठंडी प्रतिक्रिया ने उन्हें भावनात्मक रूप से झकझोर दिया। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने निर्देशक आर.एस. प्रसन्ना से फिल्म के लिए फरहान अख्तर को कास्ट करने की भी सिफारिश की थी।लाल सिंह चड्ढा के बाद मैं डिप्रेशन में चला गया था। वो झटका मेरे लिए बहुत बड़ा था क्योंकि मुझे खुद फिल्म पसंद आई थी। मुझे लगा लोग भी पसंद करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।आमिर खान और रजनीकांत जैसे दो दिग्गजों का एक साथ स्क्रीन पर आना दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। 'कुली' अब और भी ज्यादा चर्चित हो गई है और फिल्म प्रेमियों को इस मेगा प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

फादर्स डे पर बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों ने शेयर की खूबसूरत यादें

फादर्स डे पर बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने भावुक पोस्ट शेयर किए हैं। रकुल प्रीत, सोहा अली खान और बिपाशा बसु जैसी बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने इंस्टाग्राम के जरिए पिता के साथ बिताए पलों को याद किया है। अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपने दिवंगत पिता मंसूर अली खान पटौदी की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हम आपको बहुत याद करते हैं, हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। तस्वीर में अभिनेत्री अपने पिता के साथ नजर आ रही हैं, साथ में ही उन्होंने अपनी बेटी और पिता की तस्वीर भी शेयर की है। सोहा के पिता मंसूर अली खान पटौदी, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पटौदी रियासत के नौवें नवाब भी थे। अभिनेत्री के पिता का निधन 22 सितंबर, 2011 को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में हुआ था।

वहीं रकुल ने अपने पिता और ससुर की क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, पापा, आप मेरा पहला घर हैं, आपने मुझे मजबूत बनना, बड़े सपने देखना और दिल से जीना सिखाया। वहीं आपने मुझे जीवन में बड़ी चुनौतियों का सामना करने में मदद की। जीवन ने मुझे एक और अच्छे पिता (ससुर) का तोहफा दिया, जिन्होंने जीवन का नया अध्याय शुरू करने में मेरी मदद की। हमारी पहली बातचीत से ही, आपने मुझे परिवार जैसा महसूस कराया। मैं आपके प्यार, आपकी बुद्धिमत्ता और जिस तरह से आपने मुझे अपना माना है, उसके लिए बहुत आभारी हूं।

बिपाशा ने भी अपने पिता के साथ तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, हैप्पी फादर्स डे पापा, देवी (बिपाशा की बेटी) अब मुझसे पूछती हैं कि किसके पापा दुनिया के सबसे अच्छे पापा हैं। तस्वीर में अभिनेत्री और उनके पिता कैमरे की तरफ देखते नजर आ रहे हैं।

टीवी सीरियल अभिनेत्री डिंपल झंगियानी ने भी फादर्स डे पर अपने पिता के साथ तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, हैप्पी फादर्स डे उस इंसान को जिसने मुझे मजबूत, दयालु और निडर बनना सिखाया। मैं आपकी बेटी होने के नाते खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं।

बात करें उनके करियर की तो अभिनेत्री ने सोनी एंटरटेनमेंट पर कुछ इस तारा में कन्या की भूमिका निभाने के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। टेलीविजन सीरियल के अलावा डिंपल एक छोटी टेलीफिल्म, तेरी मेरी लव स्टोरीज में भी दिखाई दी थीं।

रणदीप हुड्डा को याद आया पापा का त्याग, बोले

मेरी फिल्म के लिए बेच दी थी प्रॉपर्टी

फादर्स डे के मौके पर बात करते हुए बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने बताया कि जब वह काफी बीमार थे और पैसों की तंगी से जूझ रहे थे, तो उस समय उनके पापा डॉ रणबीर हुड्डा ने भरपूर साथ दिया था। उनका हौसला बढ़ाया और उस कठिन दौर से बाहर निकलने में मदद की। रणदीप हुड्डा ने एक इंटरव्यू में बताया, ''एक समय ऐसा था जब मैं मेलबर्न में पढ़ाई ठीक से नहीं कर पा रहा था। उसी समय मेरे मन में एक्टर बनने का ख्याल आया। मेरे पापा ने पहले ही कह दिया था– 'अगर तुम ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करके अपनी जिंदगी बिगाड़ रहे हो, तो बेहतर है कि वापस आ जाओ।' यहीं से एक्टिंग करियर की बात शुरू हुई।

शुरुआत में मेरे पापा ने मुझे एक्टिंग में जाने से बहुत रोका, जो आमतौर पर सभी के मां–बाप करते हैं, खासकर वो, जो फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हैं। लेकिन जब पापा ने देखा कि मेरे अंदर एक्टिंग के प्रति कितना जुनून है, तो वह मेरे सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम बन गए। उन्होंने मुझे सलाह दी कि किसी पर निर्भर रहने के बजाय, खुद एक्टिंग की सही ट्रेनिंग लेकर स्किल्स सीखो।''

रणदीप हुड्डा ने आगे बताया कि जब वह फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' बना रहे थे, जिसमें वह न केवल एक्टिंग कर रहे थे, बल्कि खुद ही इसे डायरेक्ट और प्रोड्यूस भी कर रहे थे, तब उनके साथ एक हादसा हुआ। उस हादसे के बाद उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई। उस वक्त उन्हें सेहत और पैसों की बड़ी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। वह एक ऐसे मोड़ पर खड़े थे, जहां उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आगे क्या करें। उस मुश्किल वक्त में फिर से उनके पिता ने उनका साथ दिया।

उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया और रणदीप की मुंबई में मौजूद एक प्रॉपर्टी बेच दी ताकि फिल्म पूरी हो सके। अभिनेता ने इस कदम को अपने जीवन का अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि इस मदद ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत और ताकत दी।

सुनील शेट्टी ने फादर्स डे पर अपने 'पहले हीरो' को

फादर्स डे के अवसर पर, सुनील शेट्टी ने अपने दिवंगत पिता वीरप्पा शेट्टी को याद किया। अभिनेता ने उन्हें 'पहले हीरो' का टैग दिया। दिल की बात बेहद कम शब्दों में लिखी। अभिनेता सुनील शेट्टी ने बचपन की एक तस्वीर शेयर करते हुए, कैप्शन में लिखा, कोई बड़ी पोस्ट नहीं। कोई दिखावटी शब्द नहीं। बस दिल से धन्यवाद कहना चाहूंगा उस इंसान को जिसने कभी बदले में कुछ नहीं मांगा। हैप्पी फादर्स डे, मेरे पहले हीरो। पिता को याद करते हुए अभिनेता ने अपने बचपन की एक प्यारी सी झलक दिखाई। बचपन की तस्वीर में अभिनेता अपने पिता की गोद में बैठे

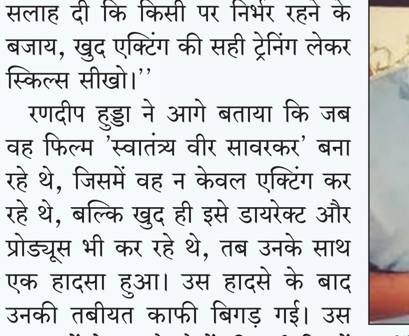

नजर आ रहे हैं। सुनील शेट्टी के पिता वीरप्पा शेट्टी का 28 फरवरी, 2017 को निधन हो गया था। 93 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। अभिनेता के पिता को 2013 में स्ट्रोक पड़ा था। हेरा फेरी अभिनेता अक्सर पिता को याद कर भावुक होते हैं। उन्होंने एक बार अपने पिता वीरप्पा के बारे में बात करते हुए कहा था कि उनके असली हीरो वही हैं। सुनील ने याद किया कि कैसे उनके पिता ने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू किया और लगन से जीवन को संवारा। पिता के शुरुआती संघर्ष को याद करते हुए बताया था कि कैसे उन्होंने एक रेस्टोरेंट में वेटर की नौकरी की और जूठी प्लेट्स को धोने का काम किया। उन्हें यह भी याद है कि कैसे उनके पिता सरसों के बोरे पर सोते थे और दूसरे बोरे को तकिए की तरह इस्तेमाल किया करते थे। अथिया शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में सुनील शेट्टी की फोटो लगाकर 'फादर्स डे' की शुभकामनाएं दीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट- जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे- टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आ-वश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस-पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ख़ुशनसीब हैं कि आपके ऐसे सगे-संबंधी हैं। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंग इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अतः बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। अगर थोड़ी-सी कोशिश करेंगे तो जीवनसाथी के मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 03:34 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 01:14 तक
योग : वैधृति प्रातः 11:06 तक
करण : तैतिल सायं 03:34 तक
चन्द्रराशि : मकर दोपहर 01:10 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- पंचक आरंभ दोपहर 01:11 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रेवाड़ी को मिला तोहफा

सैनी ने पानी और सड़क परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपए की घोषणा

रेवाड़ी, 15 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी जिले को विकास का एक बड़ा तोहफा देते हुए घोषणाओं का पिटारा खोल दिया है। मुख्यमंत्री ने पानी की आपूर्ति, सड़कों के नवीनीकरण और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि रेवाड़ी में पानी की आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए भगवानपुर में एक अतिरिक्त वाटर स्टोरेज टैंक का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए 50 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की समस्या को दूर करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है।

गांव डूंगरवास में पीने के पानी के लिए बूस्टिंग स्टेशन और नई पाइप लाइन बिछाने हेतु 7 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की गई है, वहीं गांव गोकुलपुर में वॉटर वर्क्स के निर्माण के लिए 5 करोड़ 6 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ी शहर के विकास को लेकर भी बड़ी घोषणाएं कीं। शहर में एक बड़ी लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों और आमजन को अध्ययन की बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, रेवाड़ी की सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए लगभग 35 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है, जिससे शहर की आंतरिक और बाहरी कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि हरियाणा सरकार हरियाणा के संतुलित विकास के संकल्प को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रेवाड़ी जिले के लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

सरल पोर्टल बना युवाओं के अधिकारों में बाधा, सरकार तुरंत समाधान करे: सैलजा

सिरसा, 15 जून (एजेंसियां)।
सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार का बहुचर्चित सरल पोर्टल अब युवाओं के लिए सुविधा नहीं, बल्कि संकट का कारण बनता जा रहा है। सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हजारों युवाओं ने ओबीसी, अनुसूचित जाति (एससी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन किया है, लेकिन या तो पोर्टल बार-बार क्रैश हो रहा है, ओटीपी नहीं आ रहा या फिर प्रमाण पत्रों में जाति की गलत प्रविष्टि हो रही है। यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से सामाजिक न्याय से वंचित करने की साजिश प्रतीत होती है।

सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। इतना ही नहीं जाति प्रमाण की जगह मृत्यु प्रमाण मांगा जाता है तो कभी कभी डाटा अपलोड ही नहीं होता।

सांसद ने सरकार से मांग की है कि सरल पोर्टल को तुरंत तकनीकी रूप से स्थिर और उपयोगी बनाया जाए, 31 मार्च 2025 के बाद की अनिवार्यता को हटाया जाए और पूर्व में बने वैध प्रमाण पत्रों को मान्यता दी जाए, जो जाति प्रमाण पत्र गलत छप रहे हैं, उन्हें तत्परता से संशोधित कर फिर से जारी किया जाए, अंतिम तिथि को आगे बढ़ाना केवल दिखावा न हो, बल्कि उसके पहले पोर्टल की सभी खामियाँ दूर की जाए, सामाजिक न्याय के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में होगा शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन

चंडीगढ़, 15 जून (एजेंसियां)।
आगामी 3 और 4 जुलाई को आयोजित होने वाला शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन का स्थान तय हो गया है। यह सम्मेलन गुरुग्राम स्थित गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। पहले यह सम्मेलन गुरुग्राम में किसी अन्य स्थान पर प्रस्तावित था, लेकिन व्यवस्थागत सुविधाओं और समुचित अवसंरचना को ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम यूनिवर्सिटी को स्थल के रूप में चुना गया है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण इस सम्मेलन की तैयारी बड़े स्तर पर करवा रहे हैं। आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए लोक सभा सचिवालय, हरियाणा विधान सभा सचिवालय, शहरी स्थानीय निकाय विभाग और गुरुग्राम जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है।

सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, नीति निर्माता, शहरी विकास के विशेषज्ञ, प्रशासक और शहरी शासन से संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करना हरियाणा विधान सभा के लिए गौरव का विषय है।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का मानना है कि इस सम्मेलन से शहरी शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे। इसलिए सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विस अध्यक्ष कल्याण स्वयं तैयारियों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने हरियाणा विधान सभा सचिवालय में आयोजित बैठक में प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए।

इससे पूर्व 5 जून को गुरुग्राम में भी तैयारियों को लेकर अहम बैठक की गई थी, जिसमें व्यवस्थाओं की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया गया। हर व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की कोई कमी न रह जाए। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का भी आभार प्रकट किया, जिन्होंने हरियाणा विधान सभा को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी का अवसर प्रदान किया है।

मंडियों में पिट रही किसान की मक्का आंखें बंद कर बैठी भाजपा : हुड्डा

चंडीगढ़, 15 जून (एजेंसियां)।
पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि एकबार फिर मंडियों में किसान की मक्का पिट रही है और सत्ताधारी बीजेपी आंखें बंद करे बैठी है। कुरुक्षेत्र, अंबाला, करनाल, कैथल और आसपास के क्षेत्रों की मंडियों में मक्की की आवक जोरो पर है। लेकिन किसानों को 2400 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी की बजाए सिर्फ 1000 से 1400 रुपये का ही रेट मिल रहा है। पूरी तरह सूख चुकी फसल का रेट भी ज्यादा से ज्यादा 1800 रुपये ही मिल रहा है। हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार सत्ता में आने के बाद से न सिर्फ मक्की, बल्कि धान, गेहूं समेत तमाम फसलों की एमएसपी के लिए किसान तरस रहे हैं। इस सरकार ने तो बाकायदा कानून लाकर एमएसपी को खत्म करने की भी प्लानिंग कर ली थी। लेकिन किसान आंदोलन के चलते उसे कानून वापिस लेने पड़े। लेकिन अब सरकार अप्रत्यक्ष तरीके से अपने मंसूबों को अंजाम दे रही है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि सरकार द्वारा लगातार किसानों पर दबाव बनाया जाता है कि धान छोड़कर मक्का की खेती करो। इसके लिए हर साल प्रोत्साहन राशि का भी ऐलान किया जाता है। लेकिन हर बार किसानों को धोखा ही हाथ लगता है। ना उन्हें प्रोत्साहन राशि मिल पाती है और ना ही एमएसपी। बीजेपी ने चुनावों से पहले वादा किया था कि सत्ता में आते ही धान को 3100 रुपये प्रति क्विंटल के रेट पर खरीदेंगे। बहकावे में आकर काफी किसानों ने बीजेपी वोट की। लेकिन सत्ता हथियाते ही उसने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया। 3100 रुपये तो क्या, किसानों को एमएसपी तक नहीं दी गई।

हुड्डा ने बताया कि बीजेपी सरकार की नीतियों के कारण किसानों को लागत से भी कम दाम पर अपनी फसल बेचनी पड़ती है। 2025-26 विपणन सीजन के लिए गेहूं की एमएसपी 2425 रुपये प्रति क्विंटल और धान की एमएसपी 2300 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है, लेकिन ये रेट सिर्फ कागजी साबित होते हैं। क्योंकि किसानों को मंडियों में गेहूं और धान 300 से 400 रुपये कम रेट पर बेचने को मजबूर होना पड़ता है। हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी किसानों के साथ विश्वासघात करना छोड़कर सभी फसलों के लिए एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित करे, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित दाम मिल सके।

राज्यपाल कटारिया ने अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख, बोले

जांच के बाद ही सामने आएगी वजह

जोधपुर, 15 जून (एजेंसियां)।
पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया रविवार को जोधपुर पहुंचे, यहां उन्होंने हाल ही में अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये हादसा पूरे विश्व को झकझोरने वाला था। जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कटारिया ने कहा, यह पूरे विश्व का पहला ऐसा हादसा है, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया। इस त्रासदी ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को दहला दिया है। इस हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। हादसे का सटीक कारण तो जांच के बाद ही सामने आएगा, लेकिन मेरी जानकारी में यह पहला ऐसा हादसा है, जिसने इतना बड़ा प्रभाव छोड़ा। पीड़ित परिवारों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और इस दुख की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। इस तरह की त्रासदियों से सबक लेना जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

जोधपुर में अपने दौरे के बारे में जानकारी साझा करते हुए कटारिया ने कहा कि वे सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए नित्यानंद राय को मिले पद्म श्री सम्मान के अवसर पर आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में भाग लेने आए हैं। नित्यानंद महाराज ने समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया है। उनके इस सम्मान से न केवल जोधपुर, बल्कि पूरे राजस्थान का गौरव बढ़ा है। मैं इस समारोह में शामिल होकर गर्व महसूस कर रहा हूं। इसके अलावा कटारिया ने जोधपुर में निर्माणाधीन धर्मशाला के दौरे की भी योजना बनाई है। उन्होंने कहा, यह धर्मशाला सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। इसका निर्माण जोधपुर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो स्थानीय समुदाय को एकजुट करने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

राजसमंद में राइजिंग स्टार्स का सम्मान: ये प्रतिभाएं राजस्थान का गौरव : खेल मंत्री राठौड़

राजसमंद, 15 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान सरकार के युवा एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज राजसमंद में आयोजित 'राइजिंग स्टार्स ऑफ राजसमंद' सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और अनुशासन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, राजसमंद की प्रतिभाएं न केवल जिले का बल्कि समूचे राजस्थान और देश का गौरव हैं। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजन छात्रों को आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। राठौड़ ने शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि आज का यंग इंडिया हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। 'राइजिंग स्टार्स ऑफ राजसमंद' सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने की। उन्होंने बताया कि यह मंच स्वर्गीय किरण माहेश्वरी जी के सपनों को साकार करने का एक माध्यम है, जो शिक्षा और युवा विकास के प्रति समर्पित थीं। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'राइजिंग राजस्थान' विजन को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

कर्नल राठौड़ ने किया राजसमंद स्टेडियम का निरीक्षण

राजसमंद, 15 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान सरकार में युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज राजसमंद जिले में स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों से मुलाकात की और क्षेत्र में खेलों की वर्तमान स्थिति तथा उपलब्ध सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर खेल प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाने और नई प्रतिभाओं को खोजने पर विशेष जोर दे रही हैं।

केदारनाथ हेलिकॉप्टर क्रैश में जयपुर के पायलट की मौत

जयपुर/गौरीकुंड, 15 जून (एजेंसियां)।
उत्तराखंड के गौरीकुंड के पास रविवार सुबह हुए दर्दनाक हेलिकॉप्टर हादसे ने सात परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया। इस भीषण दुर्घटना में जयपुर के रहने वाले पायलट राजवीर सिंह (37) भी शामिल थे, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। सेना से लेफ्टिनेंट कर्नल के पद से रिटायर होने के बाद राजवीर ने सिविल एविएशन में उड़ान भरी थी, लेकिन यह उड़ान आखिरी साबित हुई।

राजवीर का आखिरी संदेश : सुबह लगभग 5:20 बजे, राजवीर ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को आखिरी बार मैसेज किया-लेफ्ट टर्न ले रहा हूं कुछ ही क्षणों बाद उनका हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के जंगलों में क्रैश हो गया। तीन हेलिकॉप्टरों का जत्था उड़ान पर था। दो सुरक्षित लैंड कर गए, लेकिन तीसरे-जिसे राजवीर उड़ा रहे थे काली खाई में अपना संतुलन खो दिया।

आखिरी मैसेज था - लेफ्ट टर्न ले रहा हूं, फिर हुआ हादसा

राजवीर के पिता गोविंद सिंह, जो बीएसएनएल से रिटायर्ड हैं, ने भरे गले से बताया-हमें सुबह 7:30 बजे फोन आया, कि हादसा हो गया है। अफसरों ने बताया कि राजवीर ने लैंडिंग से ऐन पहले 'लेफ्ट टर्न' की सूचना दी थी... फिर कोई संपर्क नहीं रहा।

अभी 4 महीने पहले ही जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ था। परिवार जलवा पूजन की तैयारियों में लगा था। घर में खुशियों की लहर थी, लेकिन एक ही सुबह में सब कुछ थम गया। राजवीर सिंह ने करीब 14 वर्षों तक भारतीय सेना में सेवा दी। वहां से लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में रिटायर होने के बाद उन्होंने आर्यन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड में पायलट के रूप में करियर शुरू किया। पिछले 9 महीनों से केदारनाथ रूट पर हवाई सेवा दे रहे थे।

उनकी पत्नी दीपिका चौहान भी लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। दोनों ने 14 साल पहले विवाह किया था। इस साल मार्च में ही वे माता-पिता बने थे। अब वह परिवार, जिसमें अभी जीवन ने करवट ली थी, शोक की स्याही में डूब चुका है।

राजवीर एक अनुशासित सैन्य परिवार से थे। उनकी दृढ़ता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण थे वे। उनके पिता ने कहा-हमने कभी नहीं सोचा था कि हेलिकॉप्टर उड़ाना इतना जोखिम भरा होगा। सेना से लौटने के बाद तो सोचा था कि अब जीवन थोड़ा शांत होगा... पर भगवान को कुछ और ही मंजूर था।

गढ़वाल रेंज के आईजी (इंस्पेक्टर जनरल) के अनुसार, हादसा इतना भीषण था कि डेड बॉडी की पहचान मुश्किल हो रही है। शवों को ऊछ- जांच के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। टीम को जंगल में दुर्घटनास्थल तक पहुंचने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी।राज्य सरकार ने दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। आर्यन एविएशन ने भी जांच में पूरा सहयोग देने की बात कही है।

राजवीर के बड़े भाई ने मीडिया से कहा-छोटे भाई की मौत की सूचना के बाद मैं खुद टूट गया हूं... राजवीर से आखिरी बात दो दिन पहले हुई थी। वह बहुत खुश था। बच्चों की तस्वीरें भेजी थी। कभी सोचा नहीं था कि अब वो सिर्फ तस्वीरों में ही रहेगा।

पारिवारिक और राष्ट्रीय क्षति : यह केवल एक पायलट की मौत नहीं है। यह एक पिता, एक पति, एक बेटे और एक देशभक्त का दुखद अंत है। केवल जयपुर नहीं, पूरा राजस्थान और पूरा देश इस दर्द को महसूस कर रहा है।

नरम आवाज में गोविंद सिंह का अंतिम वाक्य...मेरा बेटा ड्यूटी कर रहा था देश की सेवा कर रहा था मुझे उस पर गर्व है लेकिन मेरे पोतों के माथे से पिता का साया उठ गया यही सोचकर आंखें रुकती नहीं हैं।

शुभ लाभ DAILY — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना, पीएम मोदी की नीतियों का असर : जीतन राम मांझी

बांका (एजेंसियां)। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) की राष्ट्रीय परिषद की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को बांका जिला मुख्यालय स्थित एक निजी होटल में आयोजित हुई। इस बैठक में पार्टी संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्य मंत्री संतोष सुमन सहित देशभर से संगठन के प्रमुख पदाधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए पार्टी की रणनीति तय करना, संगठन विस्तार की दिशा में ठोस योजना बनाना और दलित-महादलित व पिछड़े समाज के मुद्दों को प्राथमिकता देना था। इस दौरान कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान तेज करने और हर सीट पर पार्टी की उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में जीतन राम मांझी ने अनुसूचित जातियों और महादलितों को राजनीतिक व आर्थिक प्रतिनिधित्व से वंचित रखने के मुद्दे पर कड़ी टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि जब तक समाज लोकतंत्र में पूरी भागीदारी नहीं करेगा, अधिकार अधूरे ही रहेंगे। मांझी ने दलित समाज से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की अपील की।

कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकी हमले को लेकर मांझी ने भारत सरकार की सख्त कार्रवाई की सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि दुश्मनों को घर में घुसकर जवाब देने वाला राष्ट्र है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए मांझी ने कहा कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2030 तक तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। उन्होंने इसे मोदी सरकार की मजबूत नीति और देशहित में लिए गए फैसलों का नतीजा बताया।

पार्टी ने बैठक में संकल्प लिया कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा को केवल बिहार तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि पूरे देश में दलित-पिछड़े और वंचित वर्ग की आवाज के रूप में खड़ा किया जाएगा। इसके लिए अन्य राज्यों में संगठन विस्तार, महिला-युवा मोर्चा को सक्रिय करने और विचारधारा आधारित संवाद कार्यक्रम चलाने पर सहमति बनी। बैठक में बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। मंच संचालन प्रदेश महासचिव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला अध्यक्ष द्वारा किया गया।

छुट्टी पर घर लौट रहे फौजी पर हमला बदमाशों ने छीना लाइसेंसी पिस्तौल

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के मनीभकुहर गांव में रविवार सुबह एक फौजी अमरजीत कुमार पर बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। अमरजीत छुट्टी लेकर अपनी ड्यूटी से घर लौट रहा था। जैसे ही वह अपने घर के दरवाजे से कुछ ही दूरी पर पहुंचा, पहले से घात लगाए चार बदमाशों ने उस पर पीछे से लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया।

घटना के दौरान अमरजीत के पिता कामेश्वर ठाकुर जब शोर सुनकर बाहर आए और बेटे को बचाने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की। हमले में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। शोरगुल सुनकर जब गांव वाले जुटे तो बदमाश मौके से फरार हो गए। भागते समय वे अमरजीत का लाइसेंसी पिस्तौल भी अपने साथ ले गए।

घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल अमरजीत ने सराय थाने में राकेश ठाकुर, उमेश ठाकुर, चुलबुल कुमार और गोल्डेन कुमार के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। सराय थाना अध्यक्ष ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से गांव में भय और तनाव का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है।

मेला देखकर लौट रहे नवदंपति की स्कॉर्पियो से टक्कर में मौत

सुपौल (एजेंसियां)। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र में शनिवार रात एनएच 327ई पर लक्ष्मिनिया टोल प्लाजा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में नवविवाहित दंपति की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अररिया जिले के भरगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत महथावा गांव निवासी 22 वर्षीय मो. आसिफ और उनकी 20 वर्षीय पत्नी आबिदा खातून के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, दोनों त्रिवेणीगंज प्रखंड मुख्यालय में आयोजित रामनवमी मेले में शामिल होने आए थे और रात को बाइक से लौट रहे थे, तभी तेज़ रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

हादसे में मो. आसिफ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी आबिदा गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी और घायल महिला को त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि आबिदा तीन महीने की गर्भवती थीं, जिससे इस हादसे ने एक अजन्मे शिशु की भी जान ले ली।

ग्रामीणों के अनुसार, मो. आसिफ अपने पिता मो. हसामुल का इकलौता पुत्र था और उसकी शादी चार महीने पहले ही गांव की लड़की आबिदा खातून से हुई थी। हाल ही में परिवार को पता चला था कि आबिदा गर्भवती है और सभी घर में नए मेहमान के स्वागत की तैयारियों में लगे थे। इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। महथावा गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजन रो-रो कर बेहाल हैं।

हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

रोहतास, किशनगंज में बारिश ने दिलाई राहत पटना में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान

पटना (एजेंसियां)। बिहार के कई जिलों में गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। रविवार दोपहर रोहतास और इसके आसपास के इलाके झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई।

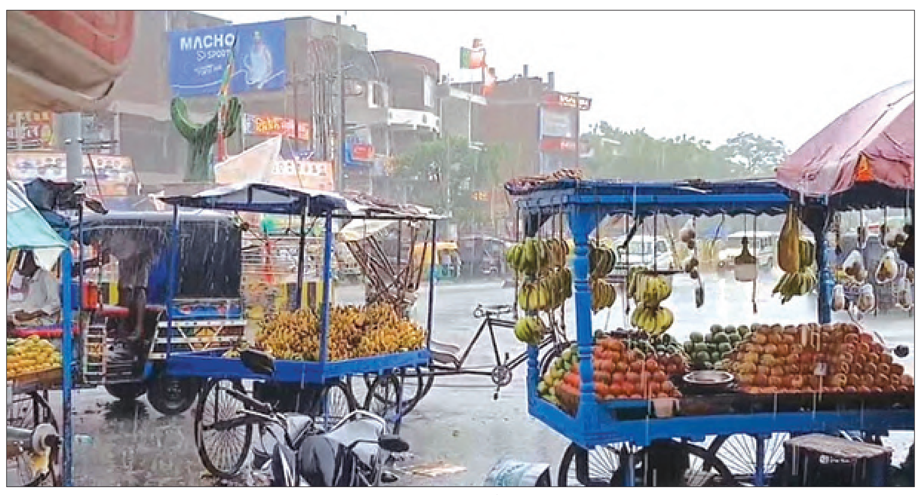

पिछले 24 घंटे में किशनगंज में बारिश हुई है। पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, अररिया समेत कई जिलों में सुबह से ही धूप छांव का खेल जारी है। इधर, पटना में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं।

मौसम विभाग ने रविवार को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, गोपालगंज, सीवान, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, गया, रोहतास में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों के लोगों से मौसम विभाग ने सावधान रहने की अपील की है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार, आने वाले चार से पांच दिना में दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रवेश के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। मानसून के आगमन के दौरान वातावरण में बढ़ी हुई नमी, निम्न स्तर पर पूर्वी और पश्चिमी हवाओं का मिश्रण और तापमान का उच्च स्तर के कारण तीव्र मेघगर्जन, वज्रपात और आंधी के आसार हैं।

इधर, शाहाबाद इलाके में रहने वाले लोग गर्मी से परेशान हैं। उन्हें आज भी गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने रविवार को भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, कैमूर और बक्सर में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। इन इलाके में रहने वाले लोगों ने मौसम विभाग ने सावधान रहने की अपील की है। कहा कि 17 से 20 जून 2025 तक राज्य में अत्यधिक गर्मी और लू की स्थिति की चेतावनी जारी की है।

कैदी की मौत के बाद पटना में बवाल, लोगों ने आगजनी की

पटना (एजेंसियां)। पटना जिले दानापुर जेल में शराब बेचने के आरोप में बंद एक कैदी की मौत के बाद लोगों ने जमकर बवाल किया। आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने आगजनी करते हुए सड़क को जाम कर विरोध जताया है। इतना ही नहीं गुस्साए लोगों ने दानापुर थाना का घेराव करते हुए लोगों ने जमकर बवाल काटा। साथ ही हंगामा कर रहे लोगों ने पुलिस पर कई तरह का आरोप लगाया है। मृतक की पहले से तबीयत काफी खराब चल रहा था। जिसे लेकर छोड़ने के लिए कहा गया था। लेकिन, पुलिस ने लोगों की भी बातें नहीं सुनी।

बताया जाता है कि दानापुर के गभतल अनुसूचित जाति टोले के रहने वाले सुनील मांझी को क्विक मोबाइल पुलिस द्वारा छापेमारी करते हुए नौ जून को शराब के नशे की हालत में पकड़ा गया था। जिसे कार्रवाई करने के बाद पुलिस के द्वारा दानापुर जेल भेजा गया था। जेल में अचानक सुनील मांझी की आज रविवार को तबीयत खराब हो गई। स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने हालत गंभीर देख उसे पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की घटना की जानकारी मिलते हैं सुनील मांझी के परिवार वाले और स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

घटना से गुस्साए लोगों ने दानापुर थाना का घेराव कर हंगामा किया। उसके बाद लोगो ने आगजनी कर सडक जाम कर जमकर विरोध जताया है। उन लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि 10 लोगों ज़ब पकड़ा गया तो उसमे से 8 लोगों से पैसा लेकर पुलिस ने छोड़ दिया। ज़ब उस वक्त सुनील को भी छोड़ने के लिए कहा गया तो पुलिस ने नहीं छोड़ा। जबकि उसका (मृतक) की तबियत ख़राब थी। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि जेल मे भी उससे मिलने नहीं दिया गया। मृतक के परिजनों ने जेलर पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि जब मिलने के लिए गए तो कहा कि उसकी तबीयत ख़राब है। जेलर ने कहा कि शराब बेच कर जो पैसा कमाई हो दो उसका इलाज करा देते है। लोगों ने जेल के अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

कैमूर में महिला पुलिसकर्मी को मारी गोली

कैमूर (एजेंसियां)। कैमूर में बेखौफ अपराधियों ने एक महिला पुलिसकर्मी को गोली मार दी। घायल पुलिसकर्मी को भभुआ सदर अस्पताल ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बताया जाता है कि महिला पुलिसकर्मी अपने ड्यूटी पर मधेपुरा जाने के लिए कुदरा से ट्रेन पकड़ने के लिए अपने पति के साथ बाइक से रेलवे स्टेशन जा रही थी, तभी बुलेट पर सवार दो अपराधियों ने पीछे से गोली मार दी।

प्रशांत किशोर ने अशोक चौधरी को बताया दलित विरोधी, राहुल गांधी को दी खुली चुनौती

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि वे पिछले कुछ दिनों से बिहार में बदलाव के अभियान को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह वही बिहार है जहां जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने क्रांति की शुरुआत की थी, लेकिन आज भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने बताया कि जेपी ने 50 साल पहले जिस बदलाव की शुरुआत सिताब दियारा से की थी, उसी स्थान से उन्होंने भी अपने अभियान की शुरुआत की है। प्रशांत किशोर ने बिहार की वर्तमान स्थिति की तुलना 1970 के दशक के हालात से की और कहा कि राज्य आज भी देश के गरीब और पिछड़े राज्यों में शामिल है। उन्होंने जन सुराज को समस्याओं से निकलने का एक विकल्प बताते हुए कहा कि लोग इस मुहिम से जुड़ रहे हैं।

कुढ़नी रेप कांड को लेकर पीके ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक बलात्कार की घटना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का गंभीर मामला है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को इस पूरे मामले का सबसे बड़ा दोषी करार दिया।

उन्होंने बताया कि जन सुराज के कार्यकर्ता सबसे पहले पीएमसीएच में पीड़िता से मिलने पहुंचे थे। पीके ने कहा कि मंगल पांडे के मंत्री रहते हुए ये घटना हुई और बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो जन सुराज पटना में प्रदर्शन करेगा और मंगल पांडे को इस्तीफा देना ही होगा।

समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि उनका परिवार दलित विरोधी रहा है और दलित नाम का सिर्फ राजनीतिक इस्तेमाल करता है। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी पहले खुद मंत्री बने, फिर बेटी को सांसद और दामाद को न्यायिक पद दिलाया। उन्होंने सवाल किया कि अगर वाकई दलितों के लिए काम किया है तो बताएं कि कितने दलित बच्चों की जिंदगी बदली है? पीके ने आंकड़े देते हुए कहा कि आज भी बिहार में सिर्फ 3% दलित बच्चे ही 12वीं तक की पढ़ाई पूरी कर पाते हैं।

प्रशांत किशोर ने मंत्री अशोक चौधरी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो अपने क्षेत्र में किए गए कार्यों को बताएं। उन्होंने कहा कि वह अपने दम पर अशोक चौधरी के इलाके में उनसे ज्यादा लोगों को अपनी ओर खींच सकते हैं।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक की आलोचना कर सकते हैं, तो अशोक चौधरी की औकात क्या है। पीके ने तंज कसते हुए कहा कि यदि उनके बयानों से कोई आपत्ति है तो उन पर मानहानि का मुकदमा किया जाए।

कुशासन का अंत तुरंत मांग रहा है बिहार : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के 20 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाया। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि बिहार को अब 20 साल पर पुरानी सरकार नहीं है। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का विकास रूक सा गया है। विकास संकेतकों में सबसे नीचे है। नीति आयोग की सूची का हवाला देते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमें दुख होता है जब बिहार नीति आयोग के सभी सूचकांकों में सबसे फिसड्डी निकलता है। उन्होंने कहा कि बिहार देश में सबसे गरीब राज्य है। सबसे अधिक पलायन बिहार से है। बेरोजगारी सबसे ज्यादा बिहार में ही है। 20 साल से नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री है, 11 साल से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं लेकिन बिहार का क्या मिला, क्या विकास हुआ? बिहार में आम लोग अफसरशाही, अशिक्षा और रिश्वतखोरी से परेशान हैं। विधि व्यवस्था बदहाल है। गरीब लड़कियों से बलात्कार हो रहा है। पटना समेत सभी जिलों में लोग हत्या और लूट से परेशान हैं। आमजन दहशत में जीने के विवश है। इसलिए जनता अब 20 साल पुरानी सरकार को नहीं चाहती है। अब गाड़ी बदलने की बारी है।

तेजस्वी यादव ने दावा कि आगामी चुनाव के बाद एनडीए के दो दशक यानी 20 सालों का अंधकार युग इस साल खत्म हो जाएगा। सीएम नीतीश कुमार के 20 साल के शासनकाल को उन्होंने अंधकार युग बताया। कहा कि पिछले 20 साल में नीतीश सरकार में बिहार को भ्रष्टाचार, अपराध, पलायन, बेरोजगारी, महंगाई, स्वास्थ्य संकट, शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त, गिरते पुल, शराबबंदी, पेपरलीक, युवाओं पर लाठीचार्ज, किसानों की अनदेशी, आरक्षण चोरी, रोजगार घोटाला मिला। इसलिए बिहार अब कुशासन का अंत तुरंत मांग रहा है।

साइबर ठगों ने बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर रिटायर्ड कर्मचारी को लगाया चूना, खाते से उड़ाए 9.95 लाख

पटना (एजेंसियां)। जमुई मुख्यालय स्थित शास्त्री कॉलोनी में रहने वाले एक रिटायर्ड वनकर्मी से साथ साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। जहां साइबर ठगों ने बिजली बिल अपडेट करने के बहाने उनके बैंक खाते से कुल नौ लाख 95 हजार रुपए उड़ा लिए। जब इस बात की जानकारी पीड़ित को हुआ तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। इसको लेकर रिटायर्ड वनकर्मी ने साइबर थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित गोपाल शरण सिन्हा ने बताया कि 31 मई को उन्हें एक व्यक्ति ने कॉल किया और खुद को आर. के. मिश्रा इलेक्ट्रिक ऑफिस का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि उनका बिजली बिल दो महीने से अपडेट नहीं हुआ है। सुधार के लिए केवल 10 रुपए भेजने को कहा। इसके लिए उनके मोबाइल पर एक फर्जी लिंक और बिजली बिल का दस्तावेज भेजा गया। जैसे ही पीड़ित ने लिंक खोला, उनका मोबाइल गर्म होने लगा। एक हफ्ते बाद 7 जून को उनको मोबाइल खराब हो गया। मोबाइल रिपेयरिंग करवाने पर पता चला कि सिम कार्ड डैमेज हो गया है। 13 जून को नया सिम लेकर जब उन्होंने बैंक खाता चेक किया तो खाते से रुपये गायब थी। इसके बाद पीड़ित पंजाब नेशनल बैंक से स्टेटमेंट निकलवाया, जिसमें पता चला कि उनके खाते से 8 से 10 जून के बीच कई बार ट्रांजैक्शन हुए।

पीड़ित ने बताया कि नौ जून को छह बार 99,900, एक बार 99,990 और दस बार 5,000 की निकासी हुई है। 10 जून को 99,990 और 97,000 की निकासी की गई।

10 जून को ही चार बार 10,000 और दो बार 5,000 रुपए अकाउंट में डाले भी गए, लेकिन बाद में वह राशि भी निकाल ली गई। इस तरह साइबर ठगों ने रिटायर्ड वनकर्मी के खाते से कुल 9,95,000 की ठगी किया है। पीड़ित ने बताया कि मैंने बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क किया। मुझे जानकारी मिली कि खाता धारक चाहें तो अपनी यूपीआई लिमिट को दो लाख से बढ़ाकर 10 लाख तक कर सकते हैं। मुझे शक है कि मोबाइल हैक कर ठगों ने यूपीआई लिमिट बढ़ाकर इतने ट्रांजैक्शन किए हैं। इधर साइबर डीएसपी राजन कुमार ने बताया कि, पीड़ित द्वारा लिखित शिकायत की गई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही ठगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com